3 | राजधानी
तीन जल शोधन संयंत्र बंद

6 | अभिमत
गुरु गोविंद सिंह की नैतिक विजय

10 | विदेश
पाकिस्तान में हमला 12 सैनिकों की मौत

12 | स्पोर्ट्स
ओन्स जेब्युर विंबलडन के फाइनल में

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 247
नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

हम बहुविवाह पर तत्काल रोक लगाना चाहते हैं

राष्ट्रीय-11

यमुना में बाढ़ से दिल्ली में जनजीवन ठहरा

- कई इलाके जलमग्न, सड़कों पर पानी आया, जाम, पेयजल की किल्लत होने की आशंका, सुस्त हुई मेट्रो की रफ्तार, स्कूलों में छुट्टी
- देर शाम तक जलस्तर स्थिर होने से जल्द राहत मिलने की उम्मीद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को उफनती यमुना का एक दृश्य। इसके बढ़ते जलस्तर ने 45 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

यमुना का पानी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के कारण बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय सहित शहर के कई प्रमुख इलाकों में पानी भर गया, जिससे सामान्य जनजीवन तथा यातायात प्रभावित हो गया। अधिकारियों को बचाव व राहत कार्यों को अंजाम देने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल शोधक संयंत्र बंद कर दिए गए, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि सुबह 10 बजे यमुना का जलस्तर 208.53 मीटर तक पहुंच गया, जिससे 45 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। राहत की बात यह है कि नदी का जलस्तर अब स्थिर हो गया है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्लूसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर स्थिर हो गया है और यह आज रात से कम होना शुरू हो जाएगा। सीडब्लूसी के बाढ़ निगरानी पोर्टल के मुताबिक, पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर दोपहर एक बजे बढ़कर 208.62 मीटर हो गया था, जो शाम चार बजे तक स्थिर रहा। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के निदेशक शरद चंद्र ने बताया कि यमुना का जलस्तर स्थिर हो गया है और अगले चार घंटों में इसमें कमी आनी शुरू हो जाएगी। शुक्रवार तड़के तीन बजे तक इसके घटकर 208.45 मीटर तक आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नदी के पास के स्कूलों को बंद करने और जल शोधक संयंत्रों को बंद करने की घोषणा की है। लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचने के लिए निचले इलाकों में घुटनों तक भरे पानी से गुजरना पड़ रहा है। दिल्ली के परिवहन मंत्री (शेष पेज 9)

गौतमबुद्धनगर में आज बंद रहेंगे स्कूल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में 14 जुलाई को कक्षा 12 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे। इसको लेकर जिलाधिकारी मनीष वर्मा के निर्देश पर शिक्षा विभाग के द्वारा आदेश जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि 14 जुलाई को कक्षा 12 तक के जिले के सभी विद्यालय बंद रहेंगे। यमुना नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर और भारी बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। गौतमबुद्ध नगर के जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि पहाड़ी इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। इससे यमुना खादर क्षेत्रों और निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका व्यक्त की जा रही है।

हादसों में पांच कांवड़ियों समेत छह की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- दिल्ली में दो ट्रकों की भिड़ंत में पांच कांवड़िए और उनके ट्रक चालक ने गंवाई जान, गाजियाबाद में हाईटेंशन वायर के संपर्क में आने से एक शिवभक्त की मौत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में सड़क हादसों में पांच कांवड़िये समेत छह लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कांविड़ियों को लेकर जाने वाले ट्रक का चालक भी शामिल हैं जबकि 20 से अधिक लोग जख्मी हैं। घायलों का अलग-अलग अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दिल्ली में बुधवार रात हादस तब हुआ जब अलीपुर से मुकरबा चौक की तरफ आ रहे ट्रक ने अपना संतुलन खो दिया और दूसरी तरफ से आ रहे कावड़ियों के ट्रक में टक्कर मार दी। इस भिड़ंत में 4 कांवड़ियों की मौत हो गई. जबकि 14 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कांवड़ियों का ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद दूसरे ट्रक चालक पप्पू कुमार को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर से गिरफ्तार किया गया। उधर गाजियाबाद में भी बुधवार रात लोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरोड़ी मार्ग पर हुए हादसे में एक कांवड़िये की मौत हो गई जबकि आधा दर्जन से अधिक भोले बाका के भक्त बुरी तरह से झुलसकर गंभीर रूप से घायल हो गये। इस घटना का पता चलते ही चिरोड़ी एवं आस.पास के गांवों में रहने वाले ग्रामिणों में रोष व्याप्त हो गया। उन्होंने इस मार्ग पर यातायात जाम लगाकर प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस ने भीड़ को समझा-बुझाकर शांत कराया। दिल्ली पुलिस के उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि अलीपुर थाना पुलिस को बुधवार देर रात करीब 12.44 (शेष पेज 9)

मोदी ने फ्रांसीसी समकक्ष, सीनेट अध्यक्ष के साथ अहम बैठकें की

पेरिस में फ्रांस की सीनेट अध्यक्ष जेरार्ड लार्चर के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भाषा। पेरिस

- दोनों देशों के आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस की अपनी दो दिवसीय यात्रा की शुरुआत में बृहस्पतिवार को अपनी फ्रांसीसी समकक्ष एलिजाबेथ बोर्न और सीनेट अध्यक्ष जेरार्ड लार्चर के साथ बैठकें कीं। इस दौरान उन्होंने यूरोपीय देश के साथ भारत की दीर्घकालिक और समय पर खरी उतरी रणनीतिक साझेदारी को नई गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की।

इससे पहले, आज यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर फ्रांसीसी प्रधानमंत्री बोर्न ने स्वागत किया। मोदी के आगमन पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, अपनी पहली बैठक में, मोदी ने सीनेट अध्यक्ष लार्चर के साथ सार्थक बैठक की और दोनों नेताओं ने पारस्परिक हित के कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया तथा कई क्षेत्रों में भारत-फ्रांस सहयोग को गहरा करने के लिए मिलकर काम (शेष पेज 9)

भाजपा के बिहार विधानसभा मार्च के दौरान पार्टी नेता की मौत

भाषा। पटना

पटना में भाजपा मार्च के दौरान लाठी चार्ज करती पुलिस

बिहार में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के एक नेता की बृहस्पतिवार को नीतीश कुमार सरकार के खिलाफ विधानसभा मार्च में हिस्सा लेने के दौरान मौत हो, गई जिसके बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आरोप लगाया कि बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज उनकी मौत हुई है। बिहार सरकार के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित विधानसभा मार्च का कार्यक्रम में शामिल प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से बड़ी संख्या में आगे बढ़ रहे थे।

उन्हें जेपी गोलम्बर के पास प्रशासन द्वारा रोकने का प्रयास किया गया लेकिन वे लोग नहीं माने और आगे बढ़ते गए। इसमें कहा गया है कि डाकबंगला चौराहा पर प्रशासन द्वारा नाकेबंदी कर रोकने का प्रयास किया गया पर प्रदर्शनकारियों द्वारा बैरिकेड तोड़ दिया गया। प्रदर्शन कर रहे व्यक्तियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस द्वारा पानी का बौछार एवं आँसू गैस के गोले छोड़े गए पर प्रदर्शनकारी नहीं मान रहे थे और वे ज़बरदस्ती बैरिकेड तोड़ कर आगे बढ़ने लगे थे। बयान के अनुसार प्रदर्शनकारियों से आगे नहीं जाने का बार बार आग्रह किया जा रहा था क्योंकि डाकबंगला चौराहा से आगे प्रतिबंधित क्षेत्र है जहाँ विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्यालय, उच्च न्यायालय, राजभवन, विधानसभा इत्यादि अवस्थित (शेष पेज 9)

प्रोफेसर का हाथ काटने के मामले में तीन को उम्रकैद

भाषा। कोच्चि

केरल में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने 2010 में एक कॉलेज के प्रोफेसर का हाथ काटे जाने के सनसनीखेज मामले में दोषी ठहराए गए छह लोगों में से तीन को बृहस्पतिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने इसे एक आतंकवादी कृत्य बताया जिसके लिए दोषी किसी भी उदारता के पात्र नहीं हैं।

इडुक्की जिले के थोडुपुझा में न्यूमैन कॉलेज के प्रोफेसर टी. जे. जोसेफ का दाहिना हाथ चार जुलाई, 2010 को मौजूदा प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कथित सदस्यों ने काट दिया था। एनआईए की विशेष अदालत के न्यायाधीश अनिल के. भास्कर ने मामले के दूसरे चरण की सुनवाई में बुधवार को इन लोगों में से तीन साजिल, नासर और नजीब को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के अंतर्गत हत्या, साजिश रचने और अन्य अपराधों के साथ सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दोषी ठहराया गया था और आज इन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। शेष तीन दोषियों नौशाद, पी. पी. मोइदीन कुन्हू और अयूब को मामले में अपराधियों को शरण देने के लिए तीन-तीन साल की सजा सुनाई गई। अदालत ने अपने आदेश में कहा, यह एक आतंकवादी कृत्य है। देश और उसके नागरिकों को भी बहुत नुकसान हुआ।

आतंकवाद को सभ्यता, सुरक्षा और मानवता के लिए छह सबसे गंभीर खतरों में से एक माना गया है। दोषियों का कृत्य हमारे देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के लिए एक चुनौती है। अदालत ने कहा कि दोषियों के इस असभ्य कृत्य को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और दोषी किसी भी उदारता के पात्र नहीं हैं। विशेष अदालत ने यह भी कहा कि नागरिकों को असामाजिक तत्वों के हाथों किसी भी प्रकार के भय या धमकी या खतरे का शिकार नहीं (शेष पेज 9)

फ्रांस से 26 राफेल लड़ाकू विमान, तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी

- भारतीय नौसेना की बढ़ेगी शक्ति

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने बृहस्पतिवार को फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमानों के 26 नौसैनिक प्रारूपों और फ्रांस द्वारा डिजाइन की गई तीन स्कॉर्पीन श्रेणी पनडुब्बियों की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने उस दिन खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिवसीय पेरिस यात्रा शुरू की और एक दिन बाद वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से व्यापक बातचीत करेंगे।

दोनों बड़ी खरीद परियोजनाएं 80,000 करोड़ रुपए से 85,000 करोड़ रुपए के बीच की हो सकती हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हथियार प्रणालियों और कलपुर्जों सहित संबंधित सहायक उपकरणों की खरीद के साथ राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद एक अंतर-सरकारी समझौते (आईजीए) पर आधारित होगी और सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विचार करने के बाद फ्रांस सरकार के साथ कीमत तथा खरीद की अन्य शर्तों पर बातचीत की जाएगी।

मोदी और मैक्रों की शुक्रवार को होने वाली व्यापक बतचीत के बाद भारत और फ्रांस दोनों बड़ी परियोजना पर घोषणा कर सकते हैं। दोनों पक्ष पहले से मजबूत अपने रणनीतिक और रक्षा संबंधों को और विस्तार देना चाहते हैं। भारत और फ्रांस के अधिकारी इस दिशा में भी बातचीत कर रहे हैं कि फ्रांसीसी रक्षा विनिर्माता कंपनी साफरान भारत में एक लड़ाकू विमान इंजन बनाने के लिए किसी भारतीय रक्षा विनिर्माता के साथ हाथ मिलाए। यह इंजन भारत के अगली पीढ़ी के विमान और भविष्य के आधुनिक मध्यम लड़ाकू विमान के लिए तैयार किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, डीएसी ने अंतर-सरकारी समझौते के आधार पर फ्रांस सरकार से भारतीय नौसेना के लिए संबंधित सहायक उपकरण, हथियार, सिम्युलेटर, कलपुर्जे, दस्तावेजीकरण, चालक दल प्रशिक्षण आदि के साथ 26 राफेल समुद्री विमानों की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। उसने कहा कि विमानों की आपूर्ति, अनुबंध पर हस्ताक्षर के तीन साल के अंदर शुरू होगी। उसने कहा कि अंतिम करार होने में एक साल लग सकता है क्योंकि मूल्य पर विस्तृत बातचीत करनी है। मंत्रालय ने कहा कि अन्य देशों के ऐसे ही विमानों के तुलनात्मक खरीद मूल्य सहित सभी प्रासंगिक (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

सीयूईटी-यूजी परिणाम 17 जुलाई तक घोषित होंगे

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रमुख जगदीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीयूईटी-यूजी के नतीजे 17 जुलाई तक घोषित किए जाएंगे। इससे पहले, नतीजो के 15 जुलाई तक घोषित किए जाने की उम्मीद थी। देश भर के 200 से अधिक विश्वविद्यालयो के स्नातक पाठ्यक्रमो मे दाखिले की प्रक्रिया विश्वविद्यालईन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)-यूजी के परिणाम घोषित होने के बाद शुरू होगी। कुमार ने कहा कि सीयूईटी-यूजी परिणाम 17 जुलाई तक घोषित किए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर में तीन बाहरी श्रमिकों को गोली मारी गयी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले मे आतंक्वादियो ने बृहस्पतिवार को तीन गैर-स्थानीय श्रमिको को गोली मार दी। अधिक्वारियो ने यह जानक्वारी दी। उन्होने बताया कि आतंक्वादियो ने शाम को दक्षिण क्श्मीर जिले के गगरान इलाके मे तीन गैर-स्थानीय श्रमिको पर गोलीबारी की जिससे वे घायल हो गए। उन्होने बताया कि घायलो को एक अस्पताल ले जाया गया। अधिक्वारियो ने बताया कि क्षेत्र मे नाकेबंदी कर दी गई है और हमलावरो को गिरफ्तार करने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है।

उत्तराखंड में अग्निपथ योजना के खिलाफ कांग्रेस पदयात्रा निकालेगी

- राहुल और प्रियंका भी होंगे शामिल, कई अन्य मुद्दे भी उठाए जाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी की उत्तराखंड इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ बृहस्पतिवार को बैठक की जिसमें यह फैसला किया गया कि पार्टी सेना में भर्ती से जुड़ी अग्निपथ योजना के खिलाफ पूरे राज्य में पदयात्रा निकालेगी।

कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी इस पदयात्रा का हिस्सा बनेंगे। पार्टी मुख्यालय में हुई इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण महारा, प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव और कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। बैठक के बाद खरगे ने ट्वीट किया, देवभूमि उत्तराखंड राज्य आज नई चुनौतियों से जूझ रहा है।

राज्य में हमारे नेता व कार्यकर्ता एक प्रबल विपक्ष की भूमिका निभा, भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि उत्तराखंड में सब लोग मिलजुल कर रहें, और राज्य को प्रगति की ओर ले जाएं। कांग्रेस पार्टी का संगठन समाज के कमज़ोर लोगों की आवाज़ निरंतर उठा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में (शेष पेज 9)

चंद्रयान-3 मिशन की उलटी गिनती शुरू, मंदिर पहुंचे इसरो प्रमुख

- सफलता की कामना की, मिशन सफल रहा तो भारत ऐसी उपलब्धि हासिल कर चुके अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ जैसे देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा

एजेंसी। श्रीहरिकोटा/तिरुपति

तिरुपति में इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए पूजा की।

दूसरी ओर उड़ान भरने को तैयार चंद्रयान-3

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि देश के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के लिए 25.30 घंटे की उलटी गिनती बृहस्पतिवार को यहां स्थित अंतरिक्ष केंद्र में शुरू हो गई।

शुक्रवार को रवाना होने वाला चंद्र मिशन वर्ष 2019 के चंद्रयान-2 का अनुवर्ती मिशन है। भारत के इस तीसरे चंद्र मिशन में भी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग का है। उधर, इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने चंद्रयान-3 मिशन की कायमबी के लिए बृहस्पतिवार को सुल्लुरपेटा स्थित श्री चेंगलम्मा परमेश्वरिनी मंदिर में पूजा-अर्चना की। काली टी-शर्ट पहने सोमनाथ ने श्रीहरिकोटा से 22 किलोमीटर पश्चिम में तिरुपति जिले में स्थित मंदिर में पूजा की। सोमनाथ ने संवाददाताओं से कहा, मुझे चेंगलम्मा देवी के आशीर्वाद की जरूरत है...मैं यहां प्रार्थना करने और इस मिशन की सफलता के लिए आशीर्वाद लेने आया हूं। उन्होंने कहा, चंद्रयान-3 कल अपनी यात्रा शुरू करेगा। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सबकुछ ठीक रहेगा और यह 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरेगा। गौरतलब है कि चंद्रयान-2 मिशन के दौरान अंतिम क्षणों में लैंडर विक्रम पथ विचलन के चलते सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल नहीं हुआ था। यदि इस बार इस मिशन में सफलता मिलती है तो भारत ऐसी उपलब्धि हासिल कर चुके अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ जैसे देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा।

इसरो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'एलवीएम3एम4-चंद्रयान-3 मिशन: कल (शुक्रवार-14 जुलाई) को 14.35 बजे (अपराह्न दो बजकर 35 मिनट) पर किए जाने वाले प्रक्षेपण की उलटी गिनती शुरू हो गई है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि चंद्रयान-3 कार्यक्रम के तहत इसरो अपने चंद्र मॉड्यूल की मदद से चंद्र सतह पर सॉफ्ट-लैंडिंग और चंद्र भूभाग पर रोवर के घूमने का प्रदर्शन करके नई सीमाएं पार करने जा रहा है। एलवीएम3एम4 रॉकेट शुक्रवार को इसरो के महत्वाकांक्षी चंद्रयान-3 को चंद्र यात्रा पर ले जाएगा। इस रॉकेट को पूर्व में जीएसएलवीएमके3 कहा जाता था। भारी (शेष पेज 9)

आदि कैलाश तो कोई नोटों से सजा कर ला रहा कांवड़

दिल्ली-मेरठ रोड पर अब निरंतर बोल बम-बम भाले के उद्घोष की गूंज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली मेरठ रोड पर अब निरंतर बोल बम-बम का जयघोष गूंज रहा है। रोड पर निरंतर कांवडियों की भीड बनी हुई है। युवा कांवड़ियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं अपने बच्चों को कार्ट में बैठाकर पैदल ही कांवड लेकर आ रही हैं।

तिरंगे और भगवा झंड़ों से कांवड़ियां अपनी कांवड़ सजा कर ला रहे हैं। बोल बम के साथ-साथ झांकियों में भारत मां की जय, वंदे मातरम के साथ देशभक्ति गीत पर भी कांवड़ियां झूमते आ रहे हैं।

बोल बम-बम का जयघोष गूंज के साथ कांविड़एं।

भगवान आदि कैलाश की बड़ी प्रतिमा की झांकी सजा कर ला रहे दिल्ली के कांवड़ियों ने बताया कि लगातार कई सालों से कांवड़ ला रहे हैं और हर भगवान भोले की झांकी बनाकर हरिद्वार से जल लेकर निकलते हैं। 22 सदस्यों के यह दल झांकियों को पैदल ही खींच कर लाता है। झांकी को रास्ते में कई पुरस्कार मिल चुके हैं व कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। वहीं शाहदरा दिल्ली के कांवडिया दो-दो सौ के नोटों से भगवान भोले की प्रतिमा के साथ कावंड सजा कर ला रहे हैं।

कांवड़ियों ने बताया कि झांकी को एक लाख 75 हजार के नोटों से सजाया गया है। कांवड़ियां ने बताया कि शिवभक्त को वह और उनका दल बहुत मानता है और हर साल इसी तरह झांकी सजा कर लाते हैं। इस बार नोटों से सजाकर झांकी लाए हैं। कांवड़ियां अपनी श्रद्धा के मुताबिक कोई शिव तो कोई शिव परिवार तो कोई शिवलिंग की झांकी लेकर चल रहे हैं।

दूधेश्वरनाथ मंदिर में महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग कॉरिडोर

जलाभिषेक के दौरान दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर को जोड़ने वाले मार्गों पर आधा दर्जन से अधिक कॉरिडोर बनाये गए हैं। गऊशाला, हापुड़ तिराहा और घंटाघर की और से आने वाले महिला-पुरूष श्रद्धालुओं के लिये जहां दो-दो कॉरिडोर बनाये गए हैं वहीं कांवडियों के लिये चार कॉरिडोर, जिनमें दो पैदल अथवा वाहन से आने वाले भोलों के लिए और दो डाक कांवड़ और दंडवत कांवड़ियों के होंगे। कांवड़ियों के ठहरने और प्रसाद ग्रहण करने की चाक चौबंद व्यवस्था जीटी रोड पर स्थित शम्भूदयाल डिग्री एवं इंटर कॉलेज में की गई है। इन दोनों कॉलेज में भी भोलों की सुरक्षा के लिए भारी फोर्स दिन रात तैनात रहेगी। दुधेश्वरनाथ मठ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से फुल प्रूफ बनाने के लिए इस शिवालय पर एसएसएफ और अर्द्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया है। उनकी तैनाती मुख्तया मंदिर परिसर और उसके आस.पास रखी गई है। जलाभिषेक के दौरान किसी श्रद्धालु अथवा कांवड़िएं की हालत खराब होने की स्थिति से निपटने के लिए दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर व इसके आसपास जहां कई स्वास्थ शिविर बनाये गये हैं वहीं आधा दर्जन से अधिक एंबेलेंस भी हर समय अलर्ट रहेंगी। जलाभिषेक के समय कोई अप्रिय घटना ना हो इस बात को सुनिश्चित करने के लिये मंदिर परिसर एवं इसके आसपास कई क्यूआरटी को भी तैनात किया जायेगा। फोर्स पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात दिखाई देगी।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ पीड़ितों की मदद से दिल्ली भेजी गई बोट के बारे में बताते रम्मी व अन्य

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया गुरुद्वारा इंदिरापुरम

गाजियाबाद। उत्तर भारत में भारी बरसात के बाद यमुना नदी पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में अपना कहर बरपा रही है। दिल्ली में तटीय इलाके डूब रहे है। अब लोगों की मदद के लिए खालसा हेल्प इंटरनेशनल गुरुद्वारा इंदिरापुरम में अपना हाथ बढ़ाया है। संस्था के प्रमुख्य गुरुप्रीत सिंह रम्मी ने बताया कि पीड़ित मदद के लिए लगातार उनके पास फोन कर रहे है। इस बाबत खाने पीने के सामान और दवाईयों को बाढ़ पीड़ितों के पास भेजा रहा है। मुंबई से कुछ बोट मंगाई गई है। एक बोट दिल्ली मंजनू के टीले के पास भेजी गई है ताकि बाढ़ में फंसे लोगों को तट पर लाने में मदद हो सके। रम्मी ने कहा कि खालसा हेल्प इंटरनेशनल गुरुद्वारा इंदिरापुरम के लोग बाढ़ पीड़ितों के पास लगातार रसद पहुंचा रहे है।

यशोदा अस्पताल ने किया जीनोमिक टेस्टिंग के क्षेत्र में प्रवेश

डॉ. पीएन अरोड़ा

गाजियाबाद। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए हॉस्पिटल के सीएमडी डॉ पी एन अरोड़ा ने बताया कि कौशांबी के यशोदा सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल ने हेस्टैक एनालिटिक्स के सहयोग में स्मार्ट जीन प्लान के साथ जीनोमिक टेस्टिंग के क्षेत्र में प्रवेश किया है, जिसका औपचारिक उद्घाटन 14 जुलाई को फिल्म स्टार राजेश खट्टर द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यशोदा हॉस्पिटल उत्तर भारत का पहला ऐसा केंद्र होगा जहां इस प्रिवेंटिव हेल्थ प्लान स्मार्ट जीन प्लान को शुरू किया गया। हॉस्पिटल की सीईओ एवं डायरेक्टर डॉ उपासना अरोड़ा ने इस अवसर पर कहा कि इस स्वास्थ्य जांच में जीनोमिक्स के क्षेत्र की मॉडलिंग की जाती है, जिसमें किसी बीमारी के लक्षणों के उभरने से पहले ही उसे सचेत किया जा सकता है। हेस्टैक एनालिटिक्स के सीईओ डॉ. अनिर्वन चटर्जी, प्रोडक्ट मैनेजर डॉ अनुप्रभा ने भी प्रेसवार्ता को संबोधित किया । इस अवसर पर डॉ प्रशांत, डॉ सचिन, डॉ सुनील डागर, डॉ चंदन, क्लीनिकल डायरेक्टर डॉ आर के मनी भी मौजूद।

सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

नोएडा। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा व नोएडा महानगर द्वारा व्यापारियों से संबंधित समस्याओं व जीएसटी को पीएम एलए ईडी के अंतर्गत लाने के विरोध में आज सेक्टर.19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस दौरान महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता, व्यापार सभा के महानगर अध्यक्ष बाबूलाल बंसल, विपिन अग्रवाल, गौरव कुमार यादव, विकास यादव, मनोज गोयल, गौरव सिंधल, अरूण गोयल सहित अन्य उपस्थित रहें।

ग्रेटर नोएडा में दस लाख की अंग्रेजी शराब बरामद

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने 167 पेटी अवैध शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। ये शराब पंजाब से गाड़ी में प्लास्टिक की टेबल के बीच से काटकर उसके अंदर छिपाकर लाई जा रही थी। आरोपी पंजाब से अवैध शराब की तस्करी कर ग्रेटर नोएडा के रास्ते बिहार ले जा रहे थे। पकड़ी गई शराब की कीमत 10 लाख बताई जा रही है। नॉलेज पार्क थाना पुलिस और आबकारी विभाग को सूचना मिल रही थी कि आईसर कैंटर से अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद लोकल इंटेलिजेंस, बीट पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर एक कैंटर को पकड़ लिया। जिसमें बड़े खुफिया तरीके से शराब छुपी हुई थी। उस कैंटर में रखी हुई प्लास्टिक की टेबलों को काटा हुआ था और उन प्लास्टिक की टेबल के बीच में हिस्सा बनाकर उसमें शराब की पेटियों को छुपाया गया था।

एक्सप्रेसवे पर रॉन्ग साइड दौड़ी सरकारी इनोवा कार

- पुलिस ने काटा चालान, वहीं बस हादसे मामले में ड्राइवर-मालिक को भेजा जेल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर रॉन्ग साइड दौड़ती बस की टक्कर से 6 लोगों की मौत के बावजूद वाहन चालक सुधरने को तैयार नहीं हैं। एक सरकारी इनोवा करीब दो किलोमीटर तक रॉन्ग साइड में दौड़ती रही। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने इसका दो हजार रुपए का चालान काटा है। उधर, दो दिन पहले हुए बस हादसे में पुलिस ने उसके ड्राइवर और मालिक को जेल भेज दिया है।

गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीट करके कहा गाड़ी दिल्ली से एक्सप्रेसवे की लाइन में आ रही थी, जो गौर ग्रीन पर कट भूल जाने के कारण आगे चली गई थी। उक्त वाहन दोबारा रॉन्ग साइड में वापस आ रहा था। गौर ग्रीन कट पर तैनात यातायात कर्मियों द्वारा उक्त वाहन को रोककर चालान कर कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, ये इनोवा गाड़ी डॉक्यूमेंट्स में राज्य संपत्ति अधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार के नाम रजिस्टर्ड है। इस पर लखनऊ का नंबर है। संभावना है कि संपत्ति विभाग से ये इनोवा गाजियाबाद के किसी अधिकारी को आवंटित की गई होगी।

इस वजह से पुलिस ने महज चालान काटकर इतिश्री कर ली। उधर, गाजियाबाद पुलिस ने छह लोगों को मौत की नींद सुलाने वाले बस के ड्राइवर प्रेमपाल और मालिक संदीप चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस बस के अब तक 15 चालान कट चुके हैं। इसमें तीन चालान रॉन्ग साइड बस चलाने पर हुए हैं। आरोपी ड्राइवर प्रेमपाल पूर्व में बिहार में ऐसा ही हादसा कर चुका है। पुलिस ने बताया कि ये बस नोएडा के स्कूल से छह महीने पहले ही हट चुकी थी। फिर भी बस मालिक ने उस पर स्कूली बस लिखवाया हुआ था।

धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में महिला से बदसलूकी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दरबार का एक वीडियो सामने आया है। सेवादार एक महिला को उठाकर रेलिंग से दूसरी तरफ फेंकता दिख रहा है।

महिला दरबार में अर्जी लगाने के लिए रेलिंग फांदकर दूसरी तरफ आ गई थी। जब सेवादार महिला को उठाकर रेलिंग के दूसरी तरफ फेंक रहा था तब वहां एक दरोगा भी मौजूद था। यह सब वह खड़ा-खड़ा देखता रहा। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने खुद मामले पर संज्ञान लेते हुए सूरजपुर थाने में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि सब इंस्पेक्टर रमाशंकर उपाध्याय को निलंबित कर दिया गया है।

ग्रेनो के प्लाजा में आग, शीशा तोड़कर कूदे युवक

- तीसरी मंजिल से गिरकर तीन जख्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के गैलेक्सी प्लाजा की तीसरी मंजिल में भीषण आग लग गई है। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे आग लगते ही पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया। इसमें अफरातफरी मच गई।

तीसरी मंजिल पर 3 लोग अंदर फंस गए। इसमें एक युवती भी थी। धुआं बढ़ने से घबराकर वह बिल्डिंग का शीशा तोड़कर बचने के लिए बाहर लटक गए। कुछ देर लटकने के बाद जब कोई मदद नहीं मिली, तो तीनों एक के बाद एक नीचे कूद गए।

बिल्डिंग से कूदते युवक।

नीचे स्थानीय लोगों ने बोरी-गद्दा बिछाया था। हालांकि, करीब 25 से 30 फीट की ऊंचाई से गिरने की वजह से उनको गंभीर चोट आई हैं। तीनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सिटी में हुआ है। मौके पर पहुंची दमकल की 5 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। तीसरी मंजिल में आग लगने के कारण आग बुझाने में काफी दिक्कत हुई।

धुआं बाहर निकालने के लिए फायरमैन ने बिल्डिंग के कई शीशे तोड़ दिए।ै। आग कैसे लगी यह अभी क्लियर नहीं हो पाया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आ रही है। हालांकि, जांच के बाद ही सही बात पता चल पाएगी। प्लाजा में आग की शुरुआत तीसरी मंजिल पर बने प्रॉपर्टी डीलर के ऑफि स से हुई। पूरी बिल्डिंग शीशे से पैक थी।

धर्मांतरण मामला: मस्जिद के पूर्व मौलवी पर लगा एनएसए

- चार नाबालिगों का कराया धर्म परिवर्तन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने ऑनलाइन धर्मांतरण सिंडिकेट से जुड़े मस्जिद के पूर्व मौलवी अब्दुल रहमान पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून रासुका लगा दी है।

पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा और डीएम राकेश कुमार सिंह ने फाइल पर बुधवार को हस्ताक्षर कर दिए हैं। एक कॉपी जेल में बंद अब्दुल रहमान को प्राप्त करा दी गई है, वहीं दूसरी कॉपी रासुका बोर्ड को लखनऊ भेजी जाएगी। कविनगर थाना पुलिस ने चार जून को अब्दुल

रहमान को गिरफ्तार किया था। वो संजयनगर सेक्टर-23 की मस्जिद में मौलवी था। अब्दुल रहमान पर आरोप है कि उसने हिन्दू से मुस्लिम बने जैन फैमिली के एक नाबालिग लड़के को नमाज पढ़वाने में मदद की और उसका ब्रेनवॉश किया। इसी मामले में दूसरी गिरफ्तारी 11 जून को महाराष्ट्र के ठाणे निवासी खान शहनवाज मकसूद उर्फ बद्दो की हुई थी। दोनों वर्तमान में गाजियाबाद की डासना जेल में बंद हैं।

बद्दो पर आरोप है कि उसने उक्त नाबालिग लड़के को ऑनलाइन गेम खेलते हुए ब्रेनवॉश किया और फिर अब्दुल रहमान की मदद से उसका धर्मांतरण करा दिया। अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया थाना कविनगर पर बीते दिनों धर्मांतरण से संबंधित एक मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसमें अब्दुल रहमान को जेल भेजा था। आज अब्दुल रहमान के विरुद्ध एनएसए के तहत कार्रवाई अमल में लाई गई है। एनएसए में अब्दुल रहमान को तामील कर दिया गया है।

30 मई को राजनगर में रहने वाले एक उद्यमी ने गाजियाबाद के कविनगर थाने में धर्मांतरण की कराई। इसमें मुंबई निवासी बद्दो और संजयनगर मस्जिद के मौलवी अब्दुल रहमान को नामजद किया गया।

शुद्धिपत्र

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

ऋण खाता संख्या 629405042934 कर्जदार का नाम मेकशॉट इंजीनियर्स, मनोज कुमार (पार्टनर), रिया रानी, रजनीश सिंह (पार्टनर), रजनीश सिंह, अवंतिका कुशवाहा के संबंध में सरफासी ऐक्ट के तहत मांग सूचनाओं का प्रकाशन मांग सूचना दिनांकित 21 अगस्त, 2021 तथा दिनांकित 08 अक्टूबर, 2021 के रूप में क्रमानुसार दि पायनियर (हिन्दी) तथा दि पायनियर (अंग्रेजी) में और सांकेतिक कब्जा सूचना दिनांकित 17 दिसम्बर, 2021 का प्रकाशन 22 दिसम्बर, 2021 को दि पायनियर (हिन्दी) में एवं दि पायनियर (अंग्रेजी) में तथा भौतिक कब्जा सूचना दिनांकित 25 मई, 2023 का प्रकाशन 31 मई, 2023 को दि पायनियर (हिन्दी) में एवं मॉर्निंग इंडिया (अंग्रेजी) में तथा दि पायनियर और सन्मार्ग (हिन्दी) में हुआ था। हम वर्णित करने के इच्छुक हैं कि असावधानीवश और बिना कोई इरादा के, उक्त कर्जदारों के नाम 13.2 एवं सांकेतिक सूचना एवं भौतिक कब्जा सूचना में टंकण त्रुटि हो गई है और इसका प्रकाशन कॉमर्शियल स्पेस नंबर 405 ए, चतुर्थ तल, ऑर्बिट प्लाजा के नाम से ज्ञात कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नंबर सी-2, क्रॉसिंग रिपब्लिक, डूंडाहेड़ा, एनएच-24, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201009 के स्थान पर कॉमर्शियल स्पेस नंबर 405 ए, चतुर्थ तल, ऑर्बिट प्लाजा के नाम से ज्ञात कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नंबर सी-2, क्रॉसिंग रिपब्लिक, डेंडाहेड़ा, एनएच-24, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201009 वर्णित किया गया है। हम अतएव, आपसे उसको कॉमर्शियल स्पेस नंबर 405 ए, चतुर्थ तल, ऑर्बिट प्लाजा के नाम से ज्ञात कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नंबर सी-2, क्रॉसिंग रिपब्लिक, डूंडाहेड़ा, एनएच-24, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201009 के रूप में पढ़ने का अनुरोध करते हैं।

दिनांकित : 14-07-2023 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

प्रपत्र - 'जी'
निम्न के लिए अभिरूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण
सुप्रिया फार्मस्युटिकल्स लिमिटेड
कारखाना परिसर भिवाड़ी
[भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36क (1) के अधीन]

प्रासंगिक विवरण

1	कार्पोरेट देनदार का नाम पैन/सीआईएन/एलएलपी नंबर	सुप्रिया फार्मस्युटिकल्स लिमिटेड सीआईएन यू01100आरजे1985पीएलसी003363
2	पंजीकृत कार्यालय का पता	खसरा नंबर 238/13, ऐम्बिट एड्यूकेशन एलएलपी, ग्राम थाडा, तहसील तिजारा, भिवाडी, अलवर- 301019 आईएन
3	वेबसाइट का यूआरएल	एनए
4	उस स्थान का विवरण जहां अधिकांश अचल आस्तियां अवस्थित हैं	1) भिवाडी, राजस्थान 2) ओखला, नई दिल्ली
5	प्रमुख उत्पादों/सेवाओं की संस्थापित क्षमता	उपलब्ध नहीं
6	अंतिम वित्तीय वर्ष में बेचे गए प्रमुख उत्पादों/सेवाओं की प्रमात्रा और मूल्य	शून्य
7	कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या	यह प्रपत्र जी जारी करने की तिथि को कोई कर्मचारी नहीं है
8	अतिरिक्त विवरण, जिसमें दो वर्ष के अंतिम उपलब्ध वित्तीय विवरण (अनुसूचियों सहित), लेनदारों की सूची, प्रक्रिया की अनुवर्ती घटनाओं की सम्बद्ध तिथियां सहित .... पर उपलब्ध है :	cirp.supriyapharmaceuticals@gmail.com पर ई-मेल द्वारा विवरण मांगा जा सकता है
9	संहिता की धारा 25 (2)(एच) के अधीन समाधान आवेदकों हेतु ग्राह्यता .... पर उपलब्ध है :	cirp.supriyapharmaceuticals@gmail.com पर ई-मेल द्वारा विवरण मांगा जा सकता है
10	अभिरूचि की अभिव्यक्ति की प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि	29-07-2023
11	संभावित समाधान आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	03-08-2023
12	अनंतिम सूची के बारे में आपत्तियां प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	08-08-2023
13	ईओआई जमा करने हेतु प्रक्रिया ई-मेल आईडी	cirp.supriyapharmaceuticals@gmail.com

श्री संजीत कुमार शर्मा
समाधान प्रोफेशनल
मैसर्स सुप्रिया फार्मस्युटिकल्स लिमिटेड (कार्पोरेट देनदार)
रजिस्ट्रेशन नंबर : IBBI/IPA-001/IP-P01132/2018.19/11827
एएफए नंबर एए1/11827/02/181223/105158
पंजीकृत पता : बीई 149, गली नंबर 5, हरि नगर, दिल्ली-110064
ई-मेल : cirp.supriyapharmaceuticals@gmail.com

तिथि : 13-07-2023
स्थान : नई दिल्ली

कामा होल्डिंग्स लिमिटेड
(CIN 192190DL2000PLC104779)
पंजी.त कार्यालय : दि गैलेरिया, डीएलएफ मयूर विहार,
यूनिट नंबर, 236 एवं 237, द्वितीय तल, मयूर विहार प्लेस, नोएडा लिंक रोड ,
मयूर विहार फेज 1 एक्सटेंशन, दिल्ली-110091
टेली. नं. : (+91-11) 49482870, (+91-124) 4354400, फैक्स : (+91-11) 49482900, (+91-124) 4354500
ईमेल : info@kamaholdings.com; वेबसाईट : www.kamaholdings.com

KAMA Holdings

कामा होल्डिंग्स लिमिटेड की तेईसवीं वार्षिक साधारण सभा के संबंध में सूचना

कम्पनी की 23वीं वार्षिक साधारण सभा ("एजीएम") बृहस्पतिवार, 10 अगस्त, 2023 को पूर्वा. 11.00 बजे आईएसटी, कम्पनी अधिनियम, 2013 के सभी लागू प्रावधानों और तदधीन विरचित नियमों तथा सूचीयन विनियमावली और सर्कुलर नंबर 14/2020 दिनांकित 8 अप्रैल, 2020, सर्कुलर नंबर 17/2020 दिनांकित 13 अप्रैल, 2020 के साथ पठित सर्कुलर नंबर 20/2020 दिनांकित 5 मई, 2020 के साथ पठित सर्कुलर नंबर 02/2021 दिनांकित 13 जनवरी, 2021, सर्कुलर नंबर 02/2022 दिनांकित 5 मई, 2022 तथा सर्कुलर नंबर 10/2022 दिनांकित 28 दिसम्बर, 2022 (सामूहिक रूप से "एमसीए सर्कुलर्स" के रूप में संदर्भित) और सेबी सर्कुलर दिनांकित 12 मई, 2020, 15 जनवरी, 2021, 13 मई, 2022 तथा 5 जनवरी, 2023 (सामूहिक रूप से "सेबी सर्कुलर्स" के रूप में संदर्भित) तथा कार्पोरेट मंत्रालय द्वारा जारी अन्य लागू सर्कुलर्स के अनुपालन में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग ("वीसी") के माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिसमें एजीएम आह्वान की सूचना में वर्णित व्यवसाय निष्पादित किए जाएंगे। सदस्यगण www.evoting.nsdl.com पर वीसी के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकेंगे। वीसी सुविधा के माध्यम से भाग ले रहे सदस्यों की गणना कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 103 के तहत गणपूर्ति के उद्देश्यार्थ की जाएगी।

संबद्ध सर्कुलर्स के अनुपालन में, वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु वार्षिक रिपोर्ट तथा एजीएम सूचना की इलेक्ट्रॉनिक प्रति कम्पनी के उन सभी सदस्यों को भेजी जाएगी, जिनका ई-मेल पता कम्पनी/डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट(पार्टिसिपैंट्स) के पास पंजीकृत है। उपरोक्त दस्तावेज कम्पनी की वेबसाइट www.kamaholdings.com पर तथा स्टॉक एक्सचेंज नामतः बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर और ई-वोटिंग एजेन्सी, एनएसडीएल की वेबसाइट https://evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध होंगे।

जिन सदस्यों ने अपना ई-मेल पता पंजीकृत नहीं करवाया है, वे सूचना और ई-वोटिंग अनुदेशों की सॉफ्ट कॉपी प्राप्त करने के लिए अपने ई-मेल पता और मोबाइल नंबर का अस्थायी पंजीकरण कम्पनी के रजिस्ट्रार के पास लिंक : https://ris.kfintech.com/clientservices/mobilereg/mobileemailreg.aspx पर क्लिक करके करवा सकते हैं। किसी संदेह की स्थिति में, सदस्य info@kamaholdings.com को अथवा Einward.ris@kfintech.com को मेल अपने फोलियो नंबर, पूर्ण पता, ई-मेल पता, जो पंजीकृत किया जाना है, के उल्लेखयुक्त अनुरोध के साथ पैन और सदस्य के पंजीकृत पता के समर्थन में किसी दस्तावेज (जैसेकि ड्राइविंग लाइसेन्स, पासपोर्ट, बैंक विवरण, आधार) की स्कैन की गई स्व-सत्यापित प्रति प्रपत्र आईएसआर-1 के साथ भेजें।

सदस्यगण, यदि शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में धारित हैं, तो अपना विवरण डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट के पास, और यदि शेयर भौतिक रूप में धारित हैं, तो कम्पनी के रजिस्ट्रार के पास अद्यतन करवा सकते हैं।

रिमोटली वोटिंग ("रिमोट ई-वोटिंग") की विधि एजीएम की सूचना में दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के माध्यम से वोटिंग हेतु सुविधा एजीएम में भी उपलब्ध कराई जाएगी।

सदस्यों से अनुरोध है कि एजीएम की सूचना में दिए गए सभी नोट्स और विशेष रूप से एजीएम में जुड़ने हेतु अनुदेश, रिमोट ई-वोटिंग अथवा एजीएम के दौरान ई-वोटिंग के माध्यम से वोट डालने की विधि सावधानी के साथ पढ़ लें।

सदस्यों से अनुरोध है कि अपना पूर्ण बैंक विवरण - यदि शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में धारित हैं, तो डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट के पास और यदि शेयर भौतिक रूप में धारित हैं, तो (प) हस्ताक्षरित अनुरोध पत्र की स्कैन प्रति, जिसमें सदस्य का नाम, फोलियो नंबर, बैंक विवरण (बैंक खाता नंबर, बैंक और शाखा का नाम और पता, आईएफएससी, एमआईसीआर विवरण दिया गया हो, (पप) पैन कार्ड की गई स्व-सत्यापित प्रति तथा (पपप) निरस्त चैक पन्ना einward.ris@kfintech.com पर जमा करके पंजीकृत/अद्यतन करवा सकते हैं।

वास्ते कामा होल्डिंग्स लिमिटेड
एकता माहेश्वरी
पूर्ण-कालिक निदेशक, सीएफओ एवं कम्पनी सचिव

तिथि : 13-07-2023
स्थान : गुरूग्राम

नाले में कूड़ा देख नगर आयुक्त ने ली अधिकारियों की क्लास

गाजियाबाद। जब से शहर में जल भराव हुआ तब से नगर आयुक्त डॉ0 नितिन गौड़ एक्शन में है। इसकी बानगी एक बार फिर से देखने को मिली। नगर आयुक्त आज सुबह ही नालों के निरीक्षण पर निकल गए। मौके पर कई नालों में कूड़ा पड़ा देख नगर आयुक्त भडक गए। नगर आयुक्त ने तुरंत ही एक्शन लिया और अधिकारियों को मौके पर बुलाकर उनकी क्लास ली। साथ ही नाले में तेर रहा कूड़ा नाले से निकलवाने का कार्य किया। नगर आयुक्त गुरूवार की सुबह ही नालों की सफाई देखने के लिए निकल गए। नगर आयुक्त सबसे पहले मेन जीटी रोड, पटेलनगर, नेहरूनगर, लोहियानगर और आसपास के एरिया में पहुंचे। वहां नालों में पानी का बहाव सामान्य पाया गया। मगर मौके पर कई नालों में कूड़ा पड़ा पाया गया।

'हाउस टैक्स में खेल करने वाले निगमकर्मियों पर होगी कार्रवाई'

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि हाउस टैक्स में खेल नहीं चलने दिया जाएगा। कई बार ज्यादा पैसे का नोटिस जारी करने के बाद नगर निगम के कुछ कर्मचारी टैक्स कम करने का खेल खेलते हैं।

इससे नगर निगम को भी आर्थिक नुकसान होता है। ऐसे मामलों की शिकायत मेरे पास भी पहुंच रही हैं। इन सब की जांच कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि अभी तक टैक्स में गड़बड़ी की कई शिकायत उनके पास भी पहुंच चुकी हैं। इन सभी को देखा जा रहा है। शहर के लोगों को भी परेशानी नहीं हो और नगर निगम की इनकम भी बढ़े इस तरह का रास्ता तैयार किया जाएगा। जहां टैक्स के गलत नोटिस जारी किए जाते है बाद में उन्हें निगम के कुछ कर्मचारी कम करते है ऐसे मामले में कार्रवाई होगी। ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए महापौर सुनीता दयाल का कहना है कि एक पार्षदों और अधिकारियों की कमेटी बनाई जाएगी। जहां प्रॉपर्टी टैक्स के मामले में जारी किए गए गलत नोटिसों की सुनवाई होगी। इसके लिए कमेटी बन जाने के बाद कार्रवाई होगी।

मजदूर के नंबर पर व्हाट्सएप चलाती थी अंजली

- अजमेर से 50 खातों में पैसा हुआ ट्रांसफर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हनी ट्रैप में फंसे वित्त मंत्रालय के कर्मचारी नवीन पाल के मामले में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। दरअसल, नवीन को जहां से 85 हजार रुपए भेजे गए। वहीं से देशभर के 50 और खातों में भी पैसे ट्रांसफर हो रहे थे। डीसीपी के मुताबिक, वित्त मंत्रालय के कर्मचारी नवीन पाल जिस वॉट्सएप नंबर पर बातचीत करता था, वो मोबाइल नंबर बरेली यूपी के एक मजदूर का निकला है।

ये मजदूर सामान्य फोन यूज करता है। इसने कभी वॉट्सऐप नहीं चलाया। गाजियाबाद पुलिस ने मजदूर

आरोपी नवीन पाल

से पूछताछ की है। ऐसे में ये माना जा रहा है कि इस मजदूर से कभी किसी ने पूछ लिया होगा और दूसरे मोबाइल पर वॉट्सऐप चला लिया। इस वॉट्सऐप नंबर का प्च् एड्रेस कराची पाकिस्तान में पाया गया है।

उधर, कंटेंट राइटर बनकर नवीन पाल से जी-20 के सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स हासिल करने वाली महिला का पता लगाने की कोशिश जारी है। इस मामले में अब इंटेलिजेंस ब्यूरो की टीम और इंटरपोल की मदद लेने जा रही है। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरनेट के डीसीपी ग्रामीण शुभम पटेल ने बताया नवीन पाल के खाते में अब तक कुल 85 हजार रुपए आए हैं। ये रकम अलवर राजस्थान के एक बैंक खाते से भेजी गई है।

पुलिस ने इस खाते का एक साल का स्टेटमेंट निकलवाया है। स्टेटमेंट देखकर पता चला है कि नवीन की तरह करीब 50 बैंक खातों में लगातार पैसा जा रहा था। 8 से 10 हजार रुपए प्रत्येक खाते में भेजे जा रहे थे। उन्होंने बताया, पुलिस अब ये जानना चाहती है कि इन 50 खातों में पैसा भेजने का मोटिव क्या था, उसके बाद ही सारी चीजें स्पष्ट हो पाएंगी। ये 50 बैंक खाते उत्तर प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान सहित कई राज्यों में हैं। नवीन के मोबाइल में ये नंबर अंजली कलकत्ता के नाम से फीड था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023

तीन जल शोधन संयंत्र बंद, आपूर्ति पर पड़ सकता है असर

वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की मशीनों में घुसा पानी : केजरीवाल

- 25 फीसद पानी का उत्पादन कम हो गया, एक-दो दिन लोगों को हो सकती है दिक्कत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना का जल स्तर बढ़ने के बाद दिल्ली जल बोर्ड को मजबूरन अपने तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स बंद करने पड़े। वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के मशीनों में पानी घुस गया है। इससे पानी का उत्पादन 25 फीसद कम हो गया है। इसलिए लोगों को एक-दो दिन पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता हैं। जैसे ही जल स्तर घटेगा, मशीनों को सुखाकर दोबारा प्लांट को शुरू कर देंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बृहस्पतिवार को वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। सीएम ने लोगों से अपील की है कि जरूरत न हो तो घर से बाहर न निकलें और ज्यादा से ज्यादा वर्क फ्रॉम होम करें। केजरीवाल ने कहा कि पहली बार दिल्ली में यमुना का जल स्तर इतना ऊपर तक आया है। इस समय यमुना का जल स्तर 208.60 मीटर को पार कर गया है। इतना ऊपर तक जल स्तर पहुंचेगा, यह किसी ने सोचा नहीं था। यमुना का जलस्तर बढ़ने से वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद करना पड़ा है। जलस्तर कम होने के बाद प्लांट्स के मशीनों को सुखाया जाएगा। बिना सुखाए मशीनों को चलाने पर करंट मारने की आशंका बनी रहती है। मशीनों को सुखाने के बाद प्लांट्स को दोबारा शुरू किया जाएगा। यमुना के निचले इलाकों में हमारे कई ट्यूबवेल्स चलते थे, पानी भरने की वजह से उनको भी बंद कर दिया गया है। इसलिए एक-दो दिन तक पानी की काफी किल्लत रह सकती है। कल शाम तक पानी की पर्याप्त व्यवस्था कर पाएंगे।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते हुए जल स्तर के कारण यमुना के आसपास की सड़कों पर पानी आ गया है। आपसे अनुरोध है कि इन रास्तों पर न जाएं। जिन आबादी वाले इलाक़ों में पानी भरा है, वहाँ से लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया जा रहा है।

वहाँ रहने वालों से अनुरोध है कि प्रशासन का सहयोग करें। लोगों की जान बचाना सबसे ज़रूरी है। सभी दिल्ली वालों से अपील है कि इस आपातकाल स्थिति में एक-दूसरे का हर संभव सहयोग करें।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से बच्चों को ले जाती एनडीआरएफ की टीम। फोटो: रंजन डिमरी

आईएसबीटी स्थित निगम बोध घाट में भरा पानी।

दिल्ली में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक

नई दिल्ली। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर एहतियाती कदम के रूप में राज्य सरकार ने सिंधु बार्डर सहित शहर की चारों सीमाओं से आवश्यक सामान लाने वाले वाहनों को छोड़कर भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दिल्ली परिवहन विभाग ने ट्विट कर सरकार के आदेश की एक प्रति साझा करते हुए कहा, यमुना नदी में असामान्य रूप से बढ़ते जल स्तर को देखते हुए एहतियात के तौर पर सिंघू बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, लोनी बॉर्डर और चिल्ला बॉर्डर से भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

प्रगति मैदान की सुरंग यातायात के लिए खुली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के चलते हुए जलभराव के कारण चार दिन तक बंद रही प्रगति मैदान सुरंग को यातायात के लिए खोल दिया गया है।

दिल्ली के कई हिस्सों में जलभराव के कारण बृहस्पतिवार को कुछ सड़कों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई, जिससे प्रगति मैदान सहित आसपास की सड़कों पर जाम लग गया। दिल्ली पुलिस ने ट्वीट कर कहा, प्रगति मैदान सुरंग को वाहनों के लिए खोल दिया गया है। वाहन चालक इसके अनुसार ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं। जलभराव के साथ रविवार को होने वाली सफाई और रखरखाव के काम के चलते प्रगति मैदान सुरंग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया था।

हल्की बारिश से निचले इलाकों में जलभराव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई जिससे शहर के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या और गहरा गई। दिल्ली के मध्य और दक्षिणी क्षेत्र के लाजपत नगर, साकेत, मालवीय नगर, हौजखास तथा जंगपुरा में कुछ देर के लिए हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने कहा, आमतौर पर दिल्ली में बृहस्पतिवार को हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बारिश होने की संभावना थी। राजधानी में न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री कम है। वहीं अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

दिल्ली सचिवालय में भरा बाढ़ का पानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना का जल स्तर बढ़ने से बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय में पानी भर गया, जहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके मंत्रिमंडल और अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों के आवास-कार्यालय हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें दिल्ली सचिवालय में पानी भरने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि वे स्थिति को लेकर यातायात पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। राजघाट से दिल्ली सचिवालय जाने वाली सड़क पर भी पानी भर गया है। कश्मीरी गेट और पुराना लोहे के पुल के बीच रिंग रोड पर पानी भर गया है और इसलिए वहां यातायात रोक दिया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट (पूर्व) के एक आदेशानुसार, जल स्तर अत्यधिक बढ़ने के कारण गीता कॉलोनी में शमशान घाट को बंद कर दिया गया है। यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों

को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ओल्ड रेलवे ब्रिज पर नदी का जलस्तर बुधवार रात 208 मीटर के निशान को पार कर गया था और बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक बढ़कर 208.48 मीटर तक पहुंच गया। उफनती हुई यमुना नदी का पानी आईटीओ तक पहुंच गया, जो पूर्वी दिल्ली से मध्य दिल्ली और कनॉट प्लेस तक आने-जाने का एक प्रमुख मार्ग है। इसके अलावा बोट कॉलोनी, गीता कॉलोनी, गांधी नगर के कुछ हिस्से, अशोक नगर और पांडव नगर जैसे इलाके भी जलमग्न हो गए। शहर में कई इलाकों से लोगों को निकालने की घोषणा की गई है।

यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन के बाहर तक पहुंचा पानी

- आवाजाही के लिए स्टेशन बंद, इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध, मेट्रो की गति सीमित की गई : डीएमआरसी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण मेट्रो की ब्लू लाइन पर यमुना बैंक स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश व निकास अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है और उसकी गति भी सीमित कर दी गई है। यमुना में पानी खतरे के निशान को पार कर चुका है और इससे 1978 का सर्वकालिक रिकॉर्ड टूट गया। इससे तटों के पास के निचले इलाकों में बाढ़ आ गई।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने ट्वीट कर कहा कि यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण मेट्रो की ब्लू लाइन पर यमुना बैंक स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश व निकास अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। स्टेशन पर मेट्रो बदलने की सुविधा उपलब्ध है और ब्लू लाइन पर सेवाएं सामान्य है। दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि यमुना बैंक स्टेशन की ओर आने वाली सड़क पर पहुंचना भी अभी संभव नहीं है।

डीएमआरसी ने एक अन्य ट्वीट किया, यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर अभी पहुंच संभव नहीं है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर यात्रा करें, वैकल्पिक मार्ग चुनें। (स्टेशन पर) मेट्रो बदलने की सुविधा उपलब्ध है। डीएमआरसी ने बढ़ते जल स्तर के कारण एहतियाती तौर पर यमुना के चार पुलों को मेट्रो के 30 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमित गति से पार करने की जानकारी भी दी। डीएमआरसी ने कहा, बढ़ते जल स्तर के कारण एहतियाती तौर पर यमुना के चार पुलों को मेट्रो 30 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमित गति से पार कर रही है। अन्य सभी गलियारों में सेवाएं सामान्य हैं।

डीएमआरसी के अधिकारियों ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में बताया था कि नदी के बढ़ते जल स्तर के बीच वे यमुना पर बने मेट्रो के पुलों पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।यमुना का जलस्तर सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ओल्ड रेलवे ब्रिज पर नदी का जलस्तर बुधवार रात 208 मीटर के निशान को पार कर गया था और बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक बढ़कर 208.48 मीटर तक पहुंचा।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से लोग जाम में फंसे, यातायात परामर्श जारी

- बाहरी रिंग रोड पर वजीराबाद पुल एवं चंदगी राम अखाड़े के बीच यातायात बाधित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर दिल्ली यातायात पुलिस ने बृहस्पतिवार को वाहनों की आवाजाही पर रोक एवं विनियमन के संबंध में एक परामर्श जारी किया।

यमुना से बाढ़ का पानी बाहर आ जाने पर सड़कों के बंद रहने से खासकर पूर्वी दिल्ली के कई हिस्सों में यातायात प्रभावित रहा तथा यात्री घंटों फंसे रहे। परामर्श के अनुसार आईपी फ्लाईओवर और चंदगी राम अखाड़े के बीच महात्मा गांधी मार्ग पर और कालीघाट मंदिर और दिल्ली सचिवालय के बीच के महात्मा गांधी मार्ग तथा बाहरी रिंग रोड पर वजीराबाद पुल एवं चंदगी राम अखाड़े के बीच यातायात बाधित है।

यातायात पुलिस ने कहा है कि यात्रियों को इन मार्गों से बचने और अन्य मार्गों से यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी जाती है। परामर्श में कहा गया है कि गैर-नियत व्यावसायिक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें पूर्वी तथा पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे की ओर भेजा एगा। व्यावसायिक वाहनों का मार्ग मुकरबा चौक से बदला जाएगा। इसके अलावा मुकरबा चौक और वजीराबाद पुल के बीच किसी भी व्यावसायिक वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परामर्श के अनुसार, व्यावसायिक वाहनों को सराय काले खां से अन्य मार्ग पर भेजा जाएगा। सराय काले खां और आईपी फ्लाईओवर के बीच ऐसे किसी भी वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गाजीपुर बॉर्डर तथा अक्षरधाम से भी उनके मार्ग डीएनडी की ओर परिवर्तित किए जाएंगे। अक्षरधाम और सराय काले खां के बीच भी ऐसे किसी वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

शहर के जो दृश्य सामने आए हैं उनमें जगह-जगह यातायात जाम नजर आता है। वकील सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि चार-पांच किलोमीटर लंबा रास्ता तय करने में उन्हें तीन घंटे लग गए। उन्होंने कहा, मैं करीब साढ़े आठ बजे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में अपने घर से निकला था और तीस हजारी अदालत जा रहा था। मुझे जी टी रोड से दिल्ली में दाखिल होने में तीन घंटे लग गए।

यमुना का जलस्तर बढ़ने और रूट डायवर्ट होने के कारण रिंग रोड पर लगा भीषण जाम।

सीवेज और नालों की नहीं हुई सफाई: भाजपा

पायिनयर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली की आज जो दुर्दशा हो रही है उसके लिए अरविंद केजरीवाल सरकार की अकर्मण्यता जिम्मेदार है। गत 8 साल में सरकार ने दिल्ली के लिए न कोई सीवेज मास्टर प्लान बनाया और न ही जल शुद्धिकरण एवं वितरण का कोई मास्टर प्लान बनाया, जिसका नतीजा है कि आज दिल्ली जहां सीवर के बैक फ्लो से परेशान है तो वहीं दिल्ली की पानी सप्लाई लगभग बंद है। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केजरीवाल सरकार से मांग की है कि राजधानी में बाढ़ की वजह से पैदा हुई अभूतपूर्व स्थिति पर चर्चा के लिए दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार स्थिति से निपटने में पूरी तरह असफल साबित हुई है।

दिल्लीवासी संकट में हैं और संकट की इस घड़ी में दिल्ली सरकार कहीं भी नजर नहीं आ रही। सांसद गौतम गंभीर ने आप सरकार पर निशाना साधा और कहा कि शहर गटर बन चुका है, जो मुफ्त की रेवड़ियों का नतीजा है।

वीरेंद्र सचदेवा

कांग्रेस ने राजीव भवन में बनाया कंट्रोल रुम

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि बाढ़ की भयावह स्थिति से निपटने और बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुचाने के लिए प्रदेश कार्यालय में यमुना पार के समीप क्षेत्रों से सटे जिलों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई, जिसमें निर्णय लिया गया कि कांग्रेस कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ित लोगों मदद करके वहां राहत शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के हालात पर नजर रखने प्रदेश कार्यालय में कंट्रोल रुम का भी गठन किया है।

ट्रॉमा सेंटर से मरीजों को भेजा गया एलएनजेपी अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली में बृहस्पतिवार को सरकारी ट्रॉमा सेंटर में पानी घुसने से प्रशासन ने 40 मरीजों को एलएनजेपी अस्पताल में स्थानांतरित करना आरंभ कर दिया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उत्तरी दिल्ली में चंदगीराम अखाड़े के सामने स्थित सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर से स्थानांतरित किए जाने वालों में तीन गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीज भी शामिल हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा, ट्रॉमा सेंटर के परिसर में पानी भर जाने से मुख्य द्वार जगमग्न हो गया है। चिकित्सकों ने कहा कि करीब 40 मरीजों को मध्य दिल्ली में स्थित सरकारी लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में स्थानांतरित किया जा रहा है। वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा, एक आईसीयू में भर्ती मरीज को दोपहर दो बजकर 30 मिनट पर स्थानांतरित किया गया और अन्य को एंबुलेंस से भेजा जा रहा है। ट्रॉमा सेंटर की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर की स्थापना वर्ष 1998 में गहन देखभाल प्रबंधन के लिए एलएनजेपी अस्पताल के एक सहायक के रूप में हुई थी। समग्र प्राशासनिक और वित्तीय नियंत्रण एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक का था।

पीएचडी प्रोग्रामों में पंजीकरण के लिए खुला पोर्टल

- डीयू में दो अगस्त को बंद होगी शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए विभिन्न पीएचडी प्रोग्रामों में पंजीकरण की प्रक्रिया 12 जुलाई से शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया बुधवार, 2 अगस्त तक चलेगी। पीएचडी प्रोग्रामों में पंजीकरण और प्रवेश की प्रक्रिया दो चरणों में होगी।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए पीएच.डी. पंजीकरण पोर्टल एक शैक्षणिक वर्ष में एक से अधिक बार खोला जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसार, पहले चरण के लिए केवल वही उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे, जो यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित) यूजीसी-सीएसआईआर नेट (जेआरएफ सहित) आयुष-नेट, डीबीटी-जेआरएफ, आईसीएमआर-जेआरएफ, डीएसटी-इंस्पायर या समकक्ष राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा, फेलोशिप, गेट , टीचर फेलोशिप धारक और अन्य (अध्यादेश की अधिसूचना के अनुसार जिसमें 9 अगस्त 2017 के अध्यादेशों में संशोधन और 1-2 जुलाई, 2019 को आयोजित कार्यकारी परिषद की बैठक में इसके संशोधनों को मंजूरी दी गई) के आधार पर पात्र हैं।

मोबाइल वैन में सस्ते टमाटर बेचेगा एनसीसीएफ

- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से खरीदकर आज से दिल्ली व एनसीआर में बेचे जाएंगे टमाटर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

टमाटर की बढ़ती कीमतों को लेकर आम लोग बेहद परेशान हैं। पिछले महीने 30 से 40 रुपये मिल रहे टमाटर की कीमतों ने पहले सेंचुरी मारी और अब यह डबल सेंचुरी तक बना चुका है।

राजधानी में टमाटर 150 से 160 रुपये प्रति किलो में बेचा जा रहा है। मंडी में भी टमाटर 80 से 100 रुपये प्रति किलो के दाम में दुकानदारों को खरीदना पड़ रहा है। मानसून की बारिश के चलते टमाटर ही नहीं अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान पर पहुंच चुके हैं। इसके चलते भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) शुक्रवार से दिल्ली-एनसीआर में 90 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर मोबाइल वैन के जरिए टमाटर की बिक्री शुरू करेगा।

शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नोएडा में रजनीगंधा चौक स्थित एनसीसीएफ कार्यालय में और ग्रेटर नोएडा और अन्य स्थानों पर मोबाइल वैन के जरिए से टमाटर बेचे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्था सप्ताहांत के दौरान लखनऊ कानपुर और जयपुर जैसे अन्य शहरों में बिक्री शुरू करेगी। सहकारी समितियों एनसीसीएफ और नेफेड को

केंद्र सरकार से टमाटर बेचने का निर्देश मिला है क्योंकि देश के कई हिस्सों में इस प्रमुख सब्जी की खुदरा कीमत 200 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई है, जिससे उपभोक्ताओं की जेब पर असर पड़ रहा है। सरकार ने इसकी जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) को दी है। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स ने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र से टमाटर खरीदने का फैसला किया है और टमाटर की कीमतों पर नकेल कसने के लिए बड़े उपभोग वाले डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर्स पर वितरित किए जाएंगे, दक्षिण और पश्चिमी भारत में सबसे ज्यादा करीब 56 से 58 फीसदी टमाटर का उत्पादन होता है।

एनसीसीएफ ने बताया कि सस्ते टमाटरों की बिक्री दिल्ली से सटे नोएडा में भी की जाएगी। शुक्रवार को नोएडा के रजनीगंधा चौक स्थित एनसीसीएफ कार्यालय में और ग्रेटर नोएडा और अन्य स्थानों पर मोबाइल वैन के माध्यम से टमाटर बेचे जाएंगे। सहकारी समितियों एनसीसीएफ और नेफेड को केंद्र सरकार से टमाटर बेचने का आदेश मिला है। देश के कई हिस्सों में टमाटर की खुदरा कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई है, जिससे उपभोक्ताओं की जेब पर भारी असर पड़ रहा है।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय दिल्ली आबकारी नीति और धनशोधन मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ दिल्ली उच्च न्यायालय के अलग-अलग आदेशों को चुनौती देने वाली उनकी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री की याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमत हुई थी। सिसोदिया की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शीर्ष अदालत से याचिका पर सुनवाई का अनुरोध किया था क्योंकि आप के वरिष्ठ नेता की पत्नी गंभीर रूप से बीमार हैं।

दिल्ली नगर निगम
G20
सार्वजनिक सूचना
रेहड़ी-पटरी वालों के लिए अब सुनहरा अवसर
सभी स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी-पटरी वालों) को सूचित किया जाता है कि दिल्ली नगर निगम स्ट्रीट वेंडर्स का सर्वेक्षण कार्य कर रहा है ताकि उनको मिलने वाली सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुँच सके। इसके लिए स्ट्रीट वेंडर्स दिल्ली नगर निगम के ऑनलाइन पोर्टल (https://mcdonline.nic.in/stvendor/web/citizen/info) पर जा कर सर्वेक्षण के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।
सभी स्ट्रीट वेंडर्स को सलाह दी जाती है कि वे अपने काम से संबंधित साक्ष्य और पहचान पत्र के साथ सर्वेक्षण के लिए उपलब्ध रहें। सर्वेक्षण से संबंधित किसी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए आप प्रशासनिक अधिकारी को दूरभाष नं. 011-23227124, 98713 81382 पर संपर्क कर सकते हैं।
उपायुक्त
केन्द्रीय लाईसेंसिंग एवं प्रवर्तन कक्ष, दिल्ली नगर निगम
R.O. No. 28/DP/MCD/2023-24

ऑनलाइन घोटाले, ऑनलाइन बाल यौन-शोषण, हैकिंग जैसे साइबर अपराध विश्वभर में गंभीर खतरेः अमित शाह

तकनीक के इस्तेमाल के साथ साइबर खतरों में भी हुई बढ़ोतरी

हमारा लक्ष्य साइबर सक्सेस वर्ल्ड का निर्माण करना है न कि साइबर फेल्योर वर्ल्ड का

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में एनएफटीज, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर दो दिवसीय जी-20 सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोलते गृह मंत्री अमित शाह।

गुरुग्राम में एनएफटीज, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर जी-20 सम्मेलन में साइबर वॉलंटियर स्क्वॉयड की शुरुआत करते गृह मंत्री अमित शाह।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि तेजी से जुड़ रही दुनिया में साइबर रेजलिएन्स स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और भारत का जी-20 अध्यक्षता का विषय वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह वाक्य शायद आज की डिजिटल दुनिया के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है।

गृह मंत्री गुरुवार को गुरुग्राम में एनएफटीज, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर दो जी-20 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी आज सभी कन्वेंशनल जियोग्राफिकल, पॉलिटिकल और आर्थिक सीमाओं के पार पहुंच चुकी है। आज हम एक बड़े ग्लोबल डिजिटल विलेज में रहते हैं। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी मानव, कम्युनिटी और देशों को और करीब लाने वाला एक पॉजिटिव डेवेलपमेंट है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व तथा स्वार्थी वैश्विक ताकतें नागरिकों और सरकारों को आर्थिक और सामाजिक नुकसान पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन डिजिटल दुनिया को सभी के लिए सुरक्षित बनाने और कोऑर्डिनेटेड एक्शन की दिशा में एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल हो सकती है।

भविष्य में ये साइबर अपराध कई गुना और बढ़ेंगे : अमित शाह ने कहा कि तकनीक के इस्तेमाल के साथ साइबर खतरों की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। उन्होंने इन्टरपोल की वर्ष 2022 की ग्लोबल ट्रेंड समरी रिपोर्ट को सांझा करते हुए कहा कि रैनसमवेयर, फिशिंग, ऑनलाइन घोटाले, ऑनलाइन बाल यौन-शोषण और हैकिंग जैसे साइबर अपराध की कुछ प्रवृतियां विश्वभर में गंभीर खतरे की स्थिति पैदा कर रही हैं। ऐसी संभावना है कि भविष्य में ये साइबर अपराध कई गुना और बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि जी-20 ने अब तक आर्थिक दृष्टिकोण से डिजिटल परिवर्तन और डेटा फ्लो पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन अब क्राइम और सिक्योरिटी आस्पेक्ट्स को समझना, समाधान निकालना बेहद आवश्यक है।

साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक ही सीमित नही : अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक ही सीमित नहीं है। यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा वैश्विक सुरक्षा का मामला बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने टेक्नोलॉजी के मानवीय पहलू पर जोर दिया है। शाह ने कहा कि मोदी जी ने टेक्नोलॉजी के उपयोग में कम्पेशन और सेंसिटिविटी सुनिश्चित करने के लिए इन्टरनेट ऑफ थिंग्स को इमोशन्स ऑफ थिंग्स के साथ जोड़ा है। अमित शाह ने कहा कि दुनिया के कई देश साइबर हमलों के शिकार हुए हैं और यह खतरा दुनियाभर की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2019-2023 के दौरान साइबर हमलों से दुनिया को लगभग 5.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता था।

आज 840 मिलियन भारतीयों की ऑनलाइन मौजूदगी : गृह मंत्री ने कहा कि आज 840 मिलियन भारतीयों की ऑनलाइन मौजूदगी है। वर्ष 2025 तक और 400 मिलियन भारतीय डिजिटल दुनिया में प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में इन्टरनेट कनेक्शन में 250 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

प्रति जीबी डाटा की लागत में 96 फीसदी कमी आई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत 500 मिलियन नए बैंक खाते खोले गए हैं और 330 मिलियन रुपे डेबिट कार्ड वितरित किये गए हैं। अमित शाह ने कहा कि भारत 2022 में 90 मिलियन लेन-देन के साथ वैश्विक डिजिटल भुगतान में अग्रणी रहा है। अब तक भारत में 35 ट्रिलियन रुपये के यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए हैं। उन्होंने कहा कि कुल वैश्विक डिजिटल भुगतान का 46 प्रतिशत भारत में भुगतान हुआ है और 2017-18 से लेन-देन की मात्रा में 50 गुना बढ़ोत्तरी हुई है।

क्रिप्टो करेंसी का परिवर्तन दुनिया में चिंता का विषय

शाह ने कहा कि हमारी कन्वेंशनल सिक्योरिटी चुनौतियों में डायनामाइट से मेटावर्स और हवाला से क्रिप्टो करेंसी का परिवर्तन दुनिया के देशों के लिए निश्चित ही चिंता का विषय है। हम सभी को साथ में मिलकर इसके खिलाफ सांझी रणनीति तैयार करनी होगी। शाह ने कहा कि आतंकवादी हिंसा को अंजाम देने, युवाओं को रैडिकलाइज करने तथा वित्त संसाधन जुटाने के नए तरीके खोज रहे हैं। आतंकवादियों द्वारा वर्चुअल एसेट्स के रूप में नए तरीकों का उपयोग, फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी अपनी पहचान छिपाने के लिए और रेडिकल मैटेरियल को फैलाने के लिए डार्क-नेट का उपयोग कर रहे हैं। इस दो दिवसीय सम्मेलन में जी-20 देशों, 9 विशेष आमंत्रित देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी लोगों, भारत और दुनियाभर के डोमेन विशेषज्ञों सहित 900 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा, केन्द्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर और केन्द्रीय गृह सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पिता के साथ स्कूल जा रही बच्ची को कार ने रौंदा, मौत

गुरुग्राम। अपने पिता के साथ गुरुवार की सुबह स्कूटी पर स्कूल जा रही बच्ची को रॉन्ग साइड से आ रही एक कार ने रौंद दिया। इस हादसे में बच्ची का सिर कार तले कुचला गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में बच्ची का पिता भी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार गुरमीत सिंह सेक्टर-22 के गुरुद्वारे में हेड रागी हैं। गुरुवार की सुबह गुरमीत सिंह निवासी सेक्टर-22 अपने 7 साल की बेटी सहजप्रीत को रोटरी स्कूल में स्कूटी से छोड़ने जा रहे थे। सहजप्रीत दूसरी कक्षा में पढ़ती थी। वे सेक्टर-22 में रोटरी पब्लिक स्कूल में प्रवेश करते, इससे पहले ही रॉन्ग साइड से आ रही एक सलेरियो कार ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। कार की टक्कर में स्कूटी पर सवार गुरमीत सिंह व उनकी बेटी सहजप्रीत सिंह गिर गए। यहां तक तो सब ठीक था। टक्कर लगने के बाद गाड़ी चालक गाड़ी लेकर भागने लगा। उसने जैसे ही गाड़ी पीछे की तो गाड़ी का पहिया बच्ची के सिर पर से गुजर गया और बच्ची का सिर फटने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे को देखकर वहां हाहाकार मच गया। सुबह के समय परिजन अपने बच्चों को स्कूल में छोड़ने आते हैं। गनीमत रही कि कार की अन्य बच्चे के साथ टक्कर नहीं हुई। बच्ची की दर्दनाक मौत को देखकर हर किसी की रूह कांप गई। हादसे के बाद कार चालक मौके पर ही कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पटेल नगर में धंसी सड़क, आसपास के लोग दहशत में

गुरुग्राम। यहां पटेल नगर में गुरुवार को एक गली में सड़क धंस गई। गनीमत रही कि उसमें कोई वाहन चालक नहीं फंसा, नहीं तो काफी नुकसान हो सकता था। क्योंकि जहां से यह सड़क धंसी है, उसके नीचे काफी दूरी तक सड़क खोखली हो चुकी है। जानकारी के अनुसार पटेल नगर में पुलिस लाइन के साथ से जाने वाली सड़क पर कुछ दूरी पर जाकर नील गगन स्कूल है। उस स्कूल के ठीक सामने जो चौक बनता है, वहां पर एकाएक सड़क धंस गई। आसपास के दुकानदारों में भी इसका खौफ हो गया। क्योंकि बरसात के कारण उत्तराखंड, हिमाचल आदि राज्यों में जो तस्वीरें देखी जा रही हैं, उससे यहां लोग भयभीत हो गए। आनन-फानन में लोगों ने धंसी सड़क से बने गड्ढे में डंडे, सीढ़ी आदि लगाकर लोगों को सचेत किया। इस सड़क से दिनभर लोग अपने वाहनों से गुजरते हैं। नीचे से खोखली होने के कारण यह सड़क काफी खतरनाक साबित हो सकती है। जैसे ही यहां से कोई बड़ा वाहन गुजरा तो सड़क काफी दायरे में धंस जाएगी और वाहन भी क्षतिग्रस्त होगा। इस चौक पर दुकानदार राकेश सैनी ने बताया कि इस संबंध में पहले भी क्षेत्र के पार्षद को जानकारी दी गई थी। वे मौके पर नहीं आए और लोकेशन भेजने की बात कहते रहे। उन्होंने मांग की है कि नगर निगम इस पर संज्ञान ले और इस धंसी सड़क को दुरुस्त करे। यहां पर संभावित हादसे को टाले।

एडीसी ने किया कामकाजी महिला आवास का निरीक्षण

गुरुग्राम। अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा ने गुरुवार को सिविल लाइन स्थित कामकाजी महिला आवास का दौरा करके निरीक्षण किया। यह आवास जिला रेड क्रॉस की ओर से संचालित किया जाता है। एडीसी का वार्डन कविता सरकार ने कैंपस में स्वागत किया। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कामकाजी महिला आवास में कई स्थानों का दौरा करके वहां पर समस्याओं के बारे में जानकारी ली। वहां सुविधाओं को लेकर वार्डन से चर्चा की। वार्डन कविता सरकार की ओर से उन्हें अवगत कराया गया कि बरसात के मौसम में यहां पर कई फुट तक पानी भर जाता है। क्योंकि यह आवास परिसर सड़क से काफी नीचा है। सड़क का पानी भी यहां भर जाता है। इसके अलावा इमारत में कई समस्याएं हैं। कई जगह से प्लस्तर उतरा हुआ है। मेंटेनेंस की सख्त जरूरत है। कामकाजी महिला आवास में समस्याओं के समाधान के लिए एडीसी हितेश कुमार मीणा ने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने आवास की गतिविधियों व कामकाजी महिलाओं के रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण की रिपोर्ट रेड क्रॉस सोसायटी से जिला प्रशिक्षण अधिकारी ईशांक कौशिक, लेखाकार कुणाल मंगला एवं कामकाजी महिला आवास की वार्डन कविता सरकार ने प्रस्तुत की।

अनोखा विरोध...कांग्रेसियों ने पीएम सीएम को डाक से भेजे टमाटर

टमाटर व अन्य सब्जियों के बढ़ते दामों को लेकर जताया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सदर बाजार के निकट सब्जी मंडी में टमाटर के बढ़े दामों को लेकर विरोध जताते कांग्रेसी नेता, कार्यकर्ता।

सब्जियों में महंगाई का गुरुवार को कांग्रेसियों ने अनोखा विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल को डाक के माध्यम से टमाटर, अदरक व हरी मिर्च भेजकर दाम पूछे हैं।

गुरुवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज डावर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता सदर बाजार स्थित सब्जी मंडी में पहुंचे। वहां सब्जियों के बढ़े दामों को लेकर चर्चा की। हाथों में टमाटर उठाए हुए कार्यकर्ताओं ने बढ़े हुए दामों को लेकर विरोध जताया। फिर डाक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को टमाटर भेजकर बढ़ती महंगाई के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मंडी में 20 रुपये में एक टमाटर बिक रहा है। पंकज डावर ने कहा कि यह सरकार महंगाई पर कोई भी लगाम नहीं लगाना चाहती, जब से भाजपा की सरकार केंद्र और राज्य में बनी है खाद्य पदार्थों की कीमतें कई गुना अधिक बढ़ चुकी हैं।

इस सरकार में तो आम आदमी पहले से ही दाल रोटी नहीं खा पा रहा था, किसी तरह जो गरीब तबके के लोग चटनी रोटी खाकर काम चलाते थे। अब यह सरकार आम लोगों को चटनी रोटी भी खाने देना नहीं चाहती। बाजार में टमाटर अदरक और हरी मिर्च 200 रुपये किलो से अधिक कीमतों पर बिक रही है। आम आदमी अगर चटनी बनाने के लिए एक पाव टमाटर हरी मिर्च और अदरक भी खरीदना चाहे तो उसकी चटनी 200 रुपए में बनेगी, ऐसे में अब गरीब आदमी टमाटर की चटनी से भी दूर हो चुका है। पंकज डावर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री बीते कई महीनों से अलग-अलग देशों के दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री भी बड़े-बड़े होटलों में कार्यक्रम करते नजर आते हैं। इस अवसर पर कांगेस नेत्री सुनीता सहरावत, जय सिंह हुड्डा, पर्ल चौधरी पटौदी, एडवोकेट सिंह यादव, गुरिंद्रजीत सिंह, प्रदीप चौहान, मनोज आहूजा, दीपक राजपूत, रविंद्र कौशिक, हेमलता, रमेश कुमार समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपराध व सुरक्षा थीम पर प्रदर्शनी का केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया शुभारंभ

हरियाणा सरकार द्वारा आमजन की सुरक्षा को लेकर उठाये गए कदमों की गृह मंत्री ने की सराहना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में गुरुवार को अपराध व सुरक्षा थीम पर प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद अवलोकन करते गृह मंत्री अमित शाह।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां एनएफटी, एआई व मेटावर्स के युग में अपराध व सुरक्षा थीम पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर उन्होंने विभिन्न राज्यों द्वारा साइबर सुरक्षा के मद्देनजर प्रदर्शित की गई स्टॉल का अवलोकन किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा सरकार द्वारा साइबर क्राइम को रोकने के लिए उठाए गए पहलुओं पर सूचना, जन संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने स्टॉल का अवलोकन करते हुए हरियाणा सरकार की डॉक्यूमेंट्री को भी देखा, जिसमें हरियाणा में हुए पुलिस सुधार, पंचकूला में साइबर फोरेंसिक लैब की स्थापना, साइबर हेल्पलाइन 1930, 318 साइबर हेल्प डेस्क, 29 साइबर पुलिस स्टेशन सहित अपराध की रोकथाम व सुरक्षा जैसे विषयों के बारे में विस्तार से दर्शाया गया है।

गृह मंत्री ने हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में आमजन की सुरक्षा को लेकर उठाये गए कदमों को उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि जनसेवा की दिशा में हरियाणा सरकार अपनी प्रभावी जिम्मेदारी निभा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा सरकार की स्टॉल पर संबंधित अधिकारियों से बातचीत की और हरियाणा सरकार की कार्यशैली को अनुकरणीय बताया। गौरतलब है कि दो दिवसीय प्रदर्शनी में हरियाणा सरकार की ओर से साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में चलाए गए उल्लेखनीय कार्यक्रम व उपलब्धियां डिस्प्ले की गई हैं।

सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा के साथ पुलिस की ओर से दो अलग-अलग स्टाल पर यह उपलब्धियां फिल्म व ब्रोशर के माध्यम से प्रदर्शित की हैं। देश विदेश से आये प्रतिनिधियों ने हरियाणा सरकार की जन सुरक्षा को लेकर प्रदत्त सेवाओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी का अवलोकन हरियाणा के राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स द्वारा भी किया गया।

देश की रक्षा के लिए हथियार चलाने की ट्रेनिंग के साथ किया रक्तदान

गुरुग्राम के सेक्टर-9 राजकीय कालेज में रक्त दान करते एनसीसी के छात्र-छात्राएं।

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 में आयोजित एनसीसी कैंप में एक तरफ तो विद्यार्थी देश की रक्षा के लिए हथियार चलाने का प्रशिक्षण ले रहे हैं, दूसरी तरफ विद्यार्थियों ने रक्त दान कर जरूरतमंद लोगों के लिए खून एकत्रित किया। कैंप के छठे दिन डॉ. संजय कत्याल द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष व्याख्यान दिया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या मधु अरोड़ा ने कहा कि कैंप में भाग लेने वाले विद्यार्थी अत्याधिक मेहनत कर रहे हैं। यह विद्यार्थी अपने देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने की सीख हासिल कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों का हौसला सराहनीय है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामाएं दी। डॉ. संजय कत्याल ने कहा कि सेना के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बहुत अधिक महत्व है। भविष्य में इस तकनीक से बनाए गए ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल रक्षा के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शांति से श्रेष्ठ कुछ नहीं है लेकिन यदि अपने देश की रक्षा की बात आ जाएगी तो हर संभव तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने दैनिक जीवन में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अरूणव कुण्डू ने कैंप में भाग ले रहे विद्यार्थियों को सेना के नियमों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में हर स्थिति में अनुशासन बनाए रखने की सीख दी। एएनओ ले. सतीश यादव ने विद्यार्थियों को जीवन में कठोर मेहनत करने व माता-पिता तथा गुरुजनों का सम्मान करने की शिक्षा दी। इस अवसर पर एनसीसी कैंप में भाग ले रहे विभिन्न संस्थानों के एएनओ उपस्थित रहे।

News 18 Mega UCC Poll: शादी, तलाक और वसीयत जैसे मुद्दों से जुड़े 7 सवाल और मुस्लिम महिलाओं की राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

समान नागरिक संहिता यानी UCC को लेकर पूरे देश में चर्चा हो रही है. इस पर हो रहे विवादों पर लोगों की राय को देश के सामने लाने के लिए न्यूज18 नेटवर्क ने भारत में सबसे बड़ा UCC सर्वे किया है, जिसके नतीजे अब सामने आ गए हैं. सबसे बड़े UCC सर्वे के सैंपल को देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जुटाया गया है. इसमें 8,035 मुस्लिम महिलाओं से बात की गई. उनसे बात करके ये समझा गया कि वे यूसीसी पर क्या सोचती हैं? इस सर्वेक्षण में पूछे गए 7 प्रमुख सवालों में यूसीसी का कोई उल्लेख नहीं था. ये सवाल उन विषयों तक ही सीमित थे जिन्हें यूसीसी द्वारा कवर किए जाने की संभावना है. समान नागरिक संहिता का मतलब एक ऐसा कानून है जो विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने, भरण-पोषण जैसे मामलों में सभी धार्मिक समुदायों पर एक समान लागू होगा.

सर्वेक्षण की प्रक्रिया

नतीजों को आपके सामने रखने से पहले हम आपको ये बता देते हैं कि UCC पर देश का यह सबसे बड़ा सर्वे कैसे किया गया? किन मानकों पर ये सर्वे किया गया? किन वर्गों और किस उम्र के लोगों के बीच ये सर्वे किया गया. हमने जिन मुस्लिम महिलाओं के बीच ये सर्वे किया उनकी वैवाहिक स्थिति, शैक्षणिक योग्यता... जैसी बारीक से बारीक बातों का ध्यान रखा. अलग-अलग वर्गों की मुस्लिम महिलाओं ने सर्वे के सवालों में क्या जवाब दिए उनका विवरण भी नीचे दिया गया है.

यह एक ऑन-ग्राउंड सर्वेक्षण था, जिसमें न्यूज18 के 884 संवाददाताओं ने 4 से 8 जुलाई के बीच सभी प्रमुख भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से व्यक्तिगत प्रतिक्रियाएं इकट्ठा कीं. यह सर्वे किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नहीं किया गया था, बल्कि हर प्रतिभागी तक एक रिपोर्टर पहुंचा था. ऑन-ग्राउंड रिपोर्टर्स को उपलब्ध कराए गए एक सुरक्षित मोबाइल इंटरफेस के माध्यम से वास्तविक समय में 16 प्रश्नों के जवाब एकत्र करने के लिए एक पेशेवर लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया. प्रतिक्रियाओं की गोपनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिभागियों के लिए अपने नामों का खुलासा करना वैकल्पिक था. 90% ने अपने नाम बताए. हालांकि, न्यूज18 किसी भी प्रतिभागी के नाम या पहचान का खुलासा नहीं करेगा, ताकि उनकी गोपनीयता बनी रहे. प्रतिक्रियाओं की अधिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक सर्वेक्षक (रिपोर्टर) ने औसतन केवल नौ मुस्लिम महिलाओं का साक्षात्कार लिया.

मुस्लिम महिलाएं ही क्यों?

अगर यूसीसी लागू होता है तो इसका मतलब यह होगा कि शादी, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने, गुजारा भत्ता जैसे मुद्दों के मामले में सभी धर्मों के लोगों पर एक समान कानून लागू होगा. हाल ही में केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि विधि आयोग इस मसले पर नए तरीके से सलाह-मशविरा करेगा. इस पर मुस्लिम संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने कहा है कि इस कानून के नाम पर धार्मिक आजादी और अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों पर 'बहुसंख्यक नैतिकता' हावी नहीं होनी चाहिए. न्यूज18 नेटवर्क ने यह परखने के लिए सर्वे किया कि AIMPLB की राय से वृहद मुस्लिम समुदाय खासकर महिलाएं जो इस कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी, क्या वे भी ऐसी ही राय रखती हैं?

सर्वेक्षण के 7 अहम नतीजे

1. सर्वेक्षण में शामिल सभी मुस्लिम महिलाओं में से 67.2% इस बात से सहमत थीं कि शादी, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे व्यक्तिगत मामलों के लिए सभी भारतीयों के लिए एक समान कानून होना चाहिए.

2. सभी मुस्लिम महिलाओं में से 76.5% (स्नातक+ 78.6%) बहुविवाह के खिलाफ दिखीं और कहती हैं कि मुस्लिम पुरुषों को चार महिलाओं से शादी करने का अधिकार नहीं होना चाहिए.

3. संपत्ति में बराबरी के उत्तराधिकार के सवाल पर सबसे ज्यादा 82.3% मुस्लिम महिलाएं इसके समर्थन में दिखीं. वहीं 85.7% ग्रैजुएट महिलाओं ने इसका समर्थन किया.

4. सभी उत्तरदाताओं में से 73.7% महिलाएं इस बात से सहमत दिखीं कि तलाकशुदा जोड़ों को बिना किसी प्रतिबंध के दोबारा शादी की अनुमति दी जानी चाहिए.

5. गोद लेने के सवाल पर ज्यादातर मुस्लिम महिलाएं सहमत दिखीं, लेकिन धर्म की परवाह किए बगैर गोद लेने की अनुमति दिए जाने के सवाल पर सहमत महिलाओं की संख्या अन्य प्रश्नों की तुलना में बहुत कम थी (कुल मिलाकर : 64.9%; स्नातक+ : 69.5%).

6. सभी उत्तरदाताओं में से 69.3% (73.1% स्नातक+) इस बात से सहमत दिखीं कि सभी बालिग भारतीयों को अपनी संपत्ति का मर्जी से वसीयत करने का हक होना चाहिए.

7. पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र बढ़ाकर 21 करने के सवाल पर बहुत अधिक समर्थन दिखा. सभी मुस्लिम महिलाओं में से 78.7% ने न्यूनतम आयु बढ़ाने का समर्थन किया, वहीं 82.4% स्नातक महिलाएं इस पर सहमत दिखीं।

नप फिर देगी स्ट्रीट लाइट ठेकेदार को कार्य में लापरवाही बरतने का देगी नोटिस

जनहित के कार्यों की समय पर न निपटान करने वले कर्मचारी व एजेंसी मालिकों के प्रति तुरन्त प्रभाव से कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
(निशा शर्मा-कार्यकारी अधिकारी सोहना)

सोहना। नगर परिषद की स्ट्रीट लाइट ठीक करने वाले फॉरचून इंटरप्राइज एजेंसी को कार्य में लापरवाही बरतने पर फिर एक और नोटिस देने की कवायद शुरु। नप ने एजेंसी को फरवरी से लेकर अप्रैल तक तीन बार कार्य में लापरवाही बरतने के तीन नोटिस दिए थे। यह बीतें करीब छह माह में चौथा नोटिस होगा।

नगर परिषद सीमा क्षेत्र में लगी स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने के लिए दिसम्बर 2022 को गुरुग्राम कर फॉरचून इंटरप्राइज एजेंसी को एक साल का ठेका दिया था। साल के शुरुआत में ही एजेंसी कर्मचारी व ठेकेदार ने उक्त कार्य को गंभीरता न लेने के कारण सवालियां निशान लगने शुरु ओ गए थे। जिसको लेकर एजेंसी को नप की तरह से फरवरी माह में पहला नोटस थमा दिया था। उसके बावजूद एजेंसी कर्मियों ने परिषद द्वारा दिया गया नोटिस को कुछ महत्व ने देते हुए स्ट्रीट लाइट ठीक करने में जोर नहीं दिया। अप्रैल आने तक नगर परिषद एजेंसी को तीन बार नोटिस दिए थे। लेकिन एक बार फिर परिषद की तरफसे फॉरचून एजेंसी को नोटिस देने की तैयारी में जुट गया है।

सदन की बैठक में उठा सवाल : सोमवार को हुई नगर परिषद सदन की बैठक में सभी पार्षदों ने स्ट्रीट लाइट खराब रहने की शिकायत दी थी। जिसे सदन की बैठक में वार्ड-6 के पार्षद राकेश रोहिल्ला ने उठाया था। उसके बाद सदन में मौजूद 21 में से 18 पार्षदों ने फॉरचून एजेंसी का ठेका साल के बीच में ही समाप्त कर देने की मागं की गई थी। स्ट्रीट लाइट व्यवस्था ठीक न होने पर उठे सवालों को लेकर ठेकेदार को एक और देने की कवायद शुरु हो गई है।

बारिश से हुई स्ट्रीट लाइटें खराब: हाल ही में हुई बारिश के बाद शहर के मुख्य मार्गों से लेकर शहर में आने व बाहर जाने वाले रास्तों पर लगी स्ट्रीट लाइटें 40 से 45 फीसदी खराब हो गई है। जिनको लेकर शहर की सड़कों से लेकर बाजारों में रात के अंधेरे में ही शहरवासी यहा की सुनशान सड़कों पर निकलने से कतरा रहा है। जबकि शहर की सड़कों पर सुबह चार बजें स्थानीय नागरिक घूमने फिरने के लिए अपने घरों से निकल पड़ते है।

स्कूल में योग की टीम ने किया पौधारोपण

पलवल। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन पलवल के तत्वावधान में योगाचार्य गुरमेश सिंह के सानिध्य में पर्यावरण बचाओ मुहिम अभियान के तहत सेंट सीआर सीनियर सेकेंडरी स्कूल अलीगढ़ रोड पलवल में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के संचालक चेयरमैन सतबीर पटेल अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन पलवल की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर बरगद, गुलमोहर, पीपल, नीम, जामुन, अमरूद, अर्जुन, आंवला के साथ कुछ छायादार फलदार पौधे लगाए। इस अवसर पर डॉ. किरण प्रिंसिपल, गुरजीत कौर, सपना पोसवाल, कविता चुटानी, बबीता शर्मा, अंजू दहिया, शमशेर दलाल, सतपाल, हरकेश, सोनू, राजबाला योगी, कोमल योगी, सुभाष और पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

दीक्षांत व विदाई समारोह में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी बहुमुखी प्रतिभा

पायनिर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आरजेजीपी नीमका ने बैच 2020 के छात्रों के लिए एक भव्य विदाई-सह-दीक्षांत समारोह फेयरवेल फिएस्टा की मेजबानी की। बैच 2021 की सभी शाखाओं के छात्रों ने अपने वरिष्ठों के लिए एकजुट होकर कार्यक्रम का आयोजन किया।

समारोह की शुरुआत उमेश दीक्षित प्रिंसिपल, मनोज कुमार मीना डिप्लोमा समन्वयक, रेनू दहिया टीपीओ, मनीष कुमार दूबे डीएम, विपन कुमार डीएम, मोहित लेखाकार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। समारोह की मुख्य संयोजक अनुदीप रावल थीं। गणेश वंदना पर सिविल और फैशन डिजाइन के छात्रों के नृत्य प्रदर्शन द्वारा भगवान का आशीर्वाद मांगा गया। इसके बाद मेलोडियस सोलो गाने, मेलोड्रामा, नुक्कड़ नाटक, पंजाबी नृत्य, हरियाणवी नृत्य और हल्के मनोरंजन जैसे कई कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में लगभग 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने द्वितीय वर्ष के छात्रों के फैशन शो की सराहना की, जिसमें पोशाकें स्वयं द्वारा डिजाइन और प्रस्तुत की गईं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तृतीय वर्ष के छात्रों का रनवे शो था, जिसमें से मिस्टर आरजेजीपी और मिस आरजेजीपी का चयन किया गया। पूरे आयोजन में कौशल का विशाल भंडार प्रदर्शित हुआ। इसके अलावा बैच 2019 के टॉपर्स को प्रिंसिपल द्वारा मेरिट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया और सभी छात्रों को सफलता की महान ऊंचाइयों पर देखने की इच्छा व्यक्त की और अपने जूनियर्स के लिए उदाहरण पेश करने और जिम्मेदारियों को सुचारू रूप से निभाने के लिए पास होने वाले छात्रों की सराहना की।

द्वितीय वर्ष के छात्रों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन ने अपने प्रिय छात्रों को गर्मजोशी से अलविदा कहा और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और सभी के साथ एक अद्भुत समय बिताने पर खुशी व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया हनुमान चालीसा पाठ

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी पलवल ने महाराणा प्रताप द्वार पर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय मित्तल ने की। कार्यक्रम का संयोजन जिला व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नितिन जैन ने किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी की भ्रष्टाचार रूपी कोई आसुरी शक्ति काम कर रही है, इसी कारण यह द्वार लंबे समय से बन नहीं पा रहा है। इस कारण हमने हनुमान चालीसा का पाठ किया, ताकि भ्रष्टाचार रूपी इस आसुरी शक्ति का प्रकोप समाप्त हो और यह द्वार बन सके। उन्होंने बीजेपी सरकार को पूरी तरह से एक भ्रष्ट सरकार बताया। उन्होंने कहा कि पहले भी यह निर्माणाधीन द्वार एक हल्की सी आंधी से धराशायी हो चुका है और उसके बाद से आज तक इसका निर्माण पूरा नहीं हुआ है। हनुमान चालीसा का पाठ मॉजूदा विधायक की सद्बुद्धि के लिए भी किया गया। इस अवसर पर सीमा सिंह, दीपक, रणधीर चौहान, विनय शर्मा, हरदीप बैंसला, धर्मेंद्र, इंदरसिंह बड़गुर्जर, ओमप्रकाश, विजेंदर चिरवाड़ी आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक व्यक्ति हर वर्ष एक पौधा लगाए : सीजेएम

फरीदाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुकृति गोयल ने वीरवार को हरियाणा उदय अभियान के तहत आयोजित पौधा वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। सीजेएम ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण हमारे तथा हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए आवश्यक है। इसलिए आप सभी किसी न किसी खुशी के अवसर या त्योहारों पर पौधरोपण करें व उसकी देखभाल करें। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे व आस-पास हरियाली के कारण हमारा वातावरण शुद्ध होगा, जोकि हम सभी को स्वस्थ रहने में लाभदायक साबित होगा। लोगों को पौधारोपण करना चाहिए। प्रकृति को बचाने के लिए यह बेहद जरूरी कार्य है। प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल अपने परिवार के सदस्य की तरह करनी चाहिए। इस अवसर पर डालसा सचिव एवं सीजेएम सुकृति गोयल, एडवोकेट संजय गुप्ता, एडवोकेट अर्चना गोयल ने एनजीओ, आरडब्लूए, समाजसेवियों के साथ मिलकर शहर में विभिन्न जगहों पर पौधारोपण किया तथा समाज को संदेश दिया।

कांवड़ यात्री का गंगाजल खंडित हुआ तो पुलिस ने कराया उपलब्ध

फरीदाबाद। सेक्टर-58 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनूप व सीकरी चौकी प्रभारी सुनील कुमार व उनकी टीम ने कांवड़ यात्री का गंगाजल खंडित होने पर उन्हें मौके पर ही गंगाजल उपलब्ध करवाकर उनकी आस्था कायम रखने का प्रशंसनीय कार्य किया है। पुलिस को रात करीब 2 बजे सूचना मिली कि केली फ्लाईओवर के पास एक कांवड़ यात्री का गंगाजल इत्तेफाक से खंडित हो गया है और बहुत हताश है। सूचना मिलते ही थाना व चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां जाकर जब कावड़ यात्री से पूछा गया तो उसने बहुत ही बुझे हुए मन से बताया कि उसका नाम साहिल है और वह इतनी मेहनत करके हरिद्वार से गंगाजल लेकर मंदिर में चढ़ाने के लिए लाया था, परंतु उसका गंगाजल खंडित हो गया है। जिसकी वजह से उसकी सारी मेहनत बेकार हो गई। उसने कहा कि गंगाजल का रास्ते में खंडित हो जाना अशुभ है, इसलिए उसे समझ नहीं आ रहा कि वह क्या करे। पुलिस टीम ने सबसे पहले कांवड़ यात्री को आश्वासन दिया कि उसने यह जानबूझकर नहीं किया है, इसमें उसका कोई दोष नहीं है। पुलिस टीम ने कांवड़ यात्री को थोड़ी बाद ही गंगाजल उपलब्ध करवा दिया।

फोटो पत्रकार राजेश पुंजानी के छोटे भाई की असमय मृत्यु

फरीदाबाद। पायनियर के वरिष्ठ फोटो पत्रकार राजेश पुंजानी के छोटे भाई राजीव पुंजानी (उम्र 55 साल) की गुरुवार देर शाम को फोर्टिस अस्पताल में मौत हो गई। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। स्वतंत्रता सेनानी मनोहरलाल पुंजानी के पुत्र पत्रकार राजेश पुंजानी अपने घर में सबसे बड़े हैं। राजीव पुंजानी इनके तीसरे नंबर के भाई थे। दो बहनें हैं। स्वर्गीय राजीव पुंजानी के एक पुत्र व एक पुत्री हैं। शुक्रवार सुबह अंतिम यात्रा एनएच-2एन-33 से प्याली चौक स्थित स्वर्गआश्रम जाएगी। असमय मृत्यु पर पत्रकार जगत, सामाजिक, राजनैतिक व धार्मिक संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।

बारिश से हाईवे की सडकें बनीं तालाब, दिनभर रहा जाम

मथुरा रोड पर भरे पानी को निकालते टैंकर।

अजरौंदा चौक मथुरा रोड पर लगा जाम में फसे वाहन। फोटो : राजेश पुंजानी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद। बारिश की वजह से गुरुवार को स्मार्ट सिटी की सड़कें तालाब बन गईं। पानी भरने से दिनभर हाईवे व अन्य सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश ने नालों की सफाई के दावों की भी पोल खोलकर रख दी। जगह-जगह सीवर लाइन और नाले उफनने से गंदगी रोड पर आ गई। सड़कों पर पानी अधिक होने के कारण लोगों की गाड़ियां खराब हो गईं। अंडरपास में पानी भरने से कई सेक्टर राजमार्ग से कट गए। वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। निगम ने हाल ही में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया था। जेसीबी से नालों की सफाई कराई गई। कई नाले सालों से बंद उन्हें दोबारा से खोला गया। अधिकारियों का दावा था कि बारिश में सड़कों पर जलभराव नहीं होगा। ड्रेनेज लाइनों को चालू करने का काम तेजी से किया जा रहा है। बूस्टर की देखरेख की जा रही है। अंडरपास में पानी न भरे इसके लिए गुरुग्राम से बड़े-बड़े पाइप मंगाए गए। लाखों रुपये खर्च करके उच्च क्षमता की मोटर लगाई गई। बूस्टर स्टेशन बनाए गए। अधिकारियों का कहना था कि बारिश होने पर कुछ ही देर में अंडरपास का पानी निकल जाए, लेकिन उसका कोई खास फायदा नहीं मिला।

सड़कों पर घुटनों तक भरा पानी

डबुआ और पर्वतिया कॉलोनी में जलभराव से हालत बेहद खराब हो गए। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। घरों और दुकानों में पानी भर जाने से लोग बाल्टियों से पानी निकालते रहे। एनआईटी एक नंबर, बाटा चौक, बीके चौक और हार्डवेयर चौक से पर्वतिया कॉलोनी 60 फुट रोड को जाने वाले ऑटो चालकों ने किनारा कर लिया।

यातायात व्यवस्था चरमरा, हाईवे पर जाम

हाईवे पर जलभराव से यातायात व्यवस्था चरमरा गई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाटा चौक, अजरौंदा चौक, सेक्टर-7-8 चौक और बल्लभगढ़ बस अड्डा चौक पर जलभराव से जाम की स्थिति बन गई। सबसे ज्यादा खराब हालत हार्डवेयर बीके रोड, पर्वतिया कॉलोनी 60 फुट रोड, सेक्टर-22, 23 और सेक्टर-15ए में देखने को मिली।

पानी में ऑटो-बाइक खराब

सेक्टर-सात-आठ, अजरौंदा चौक और सेक्टर-23 चौक पर हुए जलभराव से कई लोगों की बाइक और ऑटो खराब हो गए। ऐसे में आसपास के लोगों की सहायता से वाहनों को निकाला गया। नौकरी-पेशा लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत हुई।

स्मार्ट सिटी लिमिटेड की इंजीनियरिंग फेल

शहर में बारिश के पानी निकासी के लिए नगर निगम और स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने एनआईटी एक नंबर, पांच नंबर आदि इलाकों में नालों का निर्माण करवाया है, लेकिन इन्हें मुख्य नालों से नहीं जोड़ा गया। एनआईटी-पांच में कई जगह सड़कों के किनारे नालों का निर्माण पूरा हो गया है। इसके बावजूद जलभराव जो समस्या पांच वर्ष पहले थी, वह अब भी बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि करोड़ों खर्च करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई।

गांव हरफला में सरकार की जनहितैषी योजनाओं का किया प्रचार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सूचना, लोकसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित कुमार अग्रवाल के निर्देशों पर केंद्र व प्रदेश सरकार की पिछले नौ वर्षों की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए एक माह का विशेष प्रचार अभियान शुरू किया गया।

इसी श्रृंखला में वीरवार को जिला स्थित गांव हरफला में पूरन मल भजन पार्टी द्वारा ग्रामवासियों को प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं बारे नाटकीय रूप में आमजन का मनोरंजन करते हुए जागरूक किया गया।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राकेश गौतम ने बताया कि इस विशेष प्रचार अभियान के माध्यम से आमजन को सरकार द्वारा पिछले नौ वर्षों में किए गए विकास कार्यों व सरकार द्वारा लागू की गई जन हितैषी योजनाओं जैसे मेरी फसल मेरा ब्यौरा, ई खरीद पोर्टल, ई-नाम कृषि उपज मंडियां, किसान मित्र योजना, धान के स्थान पर अन्य फसलों जिनमें मक्का, कपास, बाजरा, दाल चना व चारा को प्रोत्साहित करने के लिए फसल विविधीकरण के तहत सात हजार रुपये की सब्सिडी, स्वामित्व योजना, अंत्योदय परिवार उत्थान योजना, चिरायु कार्य, परिवार पहचान पत्र से मिलने वाले लाभ, हर घर नल से जल, चिरायु योजना सहित आमजन को लाभ देने के लिए शुरू की गई सैकड़ों योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं के लिए वन स्टाप सेंटर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृत्व वंदना योजना, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, किशोरी शक्ति योजना, कन्या कोष, एसिड अटैक से पीडित महिलाओं का पुर्नवास के अलावा विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की भी जानकारी भी दी जा रही है।

भजन व ड्रामा पार्टियों को सदस्यों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रचार के दौरान आम बोलचाल की भाषा में भजनों व नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। विशेष प्रचार अभियान में पूरन मल भजन पार्टी, बिजेंद्र सिंह सिहोल भजन पार्टी, बिजेंद्र सिंह मित्रोल भजन पार्टी, हरिकिशन भजन पार्टी और शत्रुघन नागर ड्रामा पार्टी शामिल हैं।

फरीदाबाद निगम कर्मी की क्रेन की टक्कर से मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

धतीर-पृथला रोड पर पैदल घर जा रहे नगर निगम फरीदाबाद के कर्मचारी की क्रेन की टक्कर से मौत हो गई। लोगों ने आरोपी क्रेन ड्राइवर को मौके पर पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। गदपुरी थाना पुलिस ने मृतक के पुत्र की शिकायत पर ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप कार्रवाई शुरू कर दी है।

गदपुरी थाना प्रभारी राजवीर सिंह के अनुसार धतीर गांव निवासी यशवीर ने दी शिकायत में कहा है कि उसके पिता विजयराम फरीदाबाद नगर निगम में नौकरी करते थे। रात करीब आठ बजे उसके पिता ड्यूटी से लौटते समय धतीर-पृथला मार्ग पर पैदल-पैदल अपने घर की तरफ लौटकर आ रहे थे। उसी दौरान एक क्रेन धतीर की तरफ से पृथला की तरफ जा रही थी, जिसे अलीगढ़ (यूपी) निवासी गौतम चला रहा था।

उसका आरोप है कि क्रेन को तेज लापरवाही से चलाने के कारण उसके पिता को सामने से सीधी टक्कर मार दी। जिससे उसके पिता विजयराम गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने मौके पर पहुंच कर क्रेन के ड्राइवर को पकड़ लिया और वे अपने पिता को इलाज के लिए तुरंत फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में ले गए। लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

महान भक्ति है कांवड यात्रा : पं. सुरेंद्र शर्मा बबली

फरीदाबाद। सेक्टर-17 कांवड शिविर में पहुंचने पर कांवड यात्रियों का अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेंद्र शर्मा ने पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनंदन किया व दवाइयां वितरित कर हाल जाना। बबली ने कहा ये बहुत ही कठिन भक्ति है। यात्रीगण को यात्रा में अनेक प्रकार की मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। वैसे तो दोनों शिवरात्रि पर कांवड जल चढाया जाता है, परंतु श्रावण मास का विशेष महत्व है। पहली शिव कांवड भगवान परशुराम जी ने उठाई, दूसरी लंकेश रावण ने व तीसरी श्रवण कुमार ने उठाई। भगवान परशुराम जी चिरंजीवी अवतार बाकी सभी को मोक्ष प्राप्त हुआ।

नौ लाख की धोखाधड़ी कर दूसरे को बेच दिया प्लॉट

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रुपये मांगने पर हत्या की धमकी, 2 पर केस

जमीन का इकरारनामा कर नौ लाख रुपए लेने के बाद धोखाधड़ी से जमीन को किसी दूसरे को बेचने व विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। आर्थिक अपराध शाखा ने जब मामले की जांच की तो नौ लाख रुपए की धोखाधड़ी करना पाया गया। कैंप थाना पुलिस ने जांच के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार औरंगाबाद गांव निवासी नरेंद्र ने दी शिकायत में कहा है कि उसने खिल्लूका गांव निवासी सनाउल्ला व अताउल्ला से कुछ जमीन का सौदा 42 लाख 35 हजार 625 रुपए में तय किया। जमीन के रेट तय होने पर उसने नौ लाख रुपए नगद व चैक द्वारा देकर उक्त जमीन का इकरारनामा अपने नाम करा लिया और बाकी रकम 35 लाख 35 हजार 625 रुपए रजिस्ट्री के समय देने तय हुए। लेकिन इसी दौरान उक्त लोगों ने उक्त जमीन को अलावलपुर गांव निवासी शशि तेवतिया को बेचकर उसके नाम रजिस्ट्री करा दी। जिसकी तहसील से कॉपी लेकर वह जब सफरूद्दीन, उसके दामाद सनाउल्ला व अताउल्ला से बातचीत करने गया तो उसने कहा कि तुमने मेरे साथ धोखाधड़ी की है। उन्होंने चुप रहने को कहा और धमकी दी कि यदि कोई कानूनी कार्रवाई की तो जान से खत्म करा देंगे, उनकी बड़े-बड़े बदमाशों से जान पहचान है।

नरेंद्र ने इसकी शिकायत पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में दी। दोनों पक्षों को जांच के लिए बुलाया, लेकिन आरोपी पक्ष बार-बार नोटिस करने पर भी नहीं आया। जिसके बाद उन्होंने बैंक में जांच तो नरेंद्र का मामला सच्चा पाया गया। आरोपियों ने उसके साथ धोखाधड़ी कर नौ लाख रुपए हड़पे है।

हार्ट फेलियर के अंतिम चरण पर पहुंचे मरीज की बचाई जान

मैरिंगो एशिया अस्पताल में हरियाणा की पहली एलवीएडी सर्जरी हुई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा राज्य में पहली बार मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद ने हार्ट फेलियर के अंतिम चरण में पहुंच चुके 58 वर्षीय मरीज की जान बचाने के लिए पहली एलवीएडी सर्जरी की है। एलवीएडी एक बैटरी से संचालित, यांत्रिक पंप है, जिसे मरीज के हृदय में सर्जरी द्वारा प्रत्यारोपित किया गया।

यह उपकरण कमजोर हृदय के पंपिंग कार्य को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है और उन लोगों लिए बहुत कारगर है, जिनमें हृदय प्रत्यारोपण संभव नहीं है। सर्जरी में डॉ. कुमुद धीताल, कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी के निदेशक, हार्ट लंग ट्रांसप्लांटेशन, मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट प्रोग्राम्स, मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद और उनकी प्रक्रियात्मक टीम जिसमें डॉ. आदित्य सिंह, असिस्टेंट सर्जन, डॉ. प्रदीप कुमार (एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर के निदेशक) और प्रवीण दास (चीफ परफ्यूजनिस्ट) शामिल थे, उनके द्वारा की गई। विस्तारित टीम में इंटेंसिविस्ट, आईसीयू नर्सें, फिजियोथेरेपिस्ट, परफ्यूजनिस्ट और अन्य संबद्ध स्वास्थ्य सहायता कर्मचारी थे। सर्जरी की योजना बनाई गई और 28 जून को इसे किया गया। 58 वर्षीय मरीज सिराज (नाम परिवर्तित) कोरोनरी धमनी रोग के अतिरिक्त उन्नत इस्केमिक कार्डियोमायोपैथी के लक्षणों के साथ आए थे। पहले उनकी मुख्य हृदय धमनी में स्टेंटिंग के साथ परक्यूटेनियस कार्डियोलॉजिकल प्रक्रिया की गई थी। सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा उपचार के बावजूद, उनके हृदय की स्थिति खराब हो गई और उनके पास दो ही विकल्प बचे थे।

हृदय प्रत्यारोपण या टिकाऊ यांत्रिक परिसंचरण सपोर्ट। हृदय प्रत्यारोपण को लेकर कई चुनौतियां थीं, इसके अलावा एक अंतर्राष्ट्रीय मरीज होने के कारण उन्हें प्रत्यारोपण सूची में अपनी बारी आने तक काफी लंबा इंतजार करना पड़ता। इससे अन्य अंगों की कार्यप्रणाली पर अत्यधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ता, किडनी की कार्यप्रणाली खराब हो जाती और उनके फेफड़ों की धमनियों पर दबाव बढ़ जाता। इससे हृदय प्रत्यारोपण के उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावनाएं लगभग खत्म हो चुकी थीं।

डॉ. कुमुद धीताल, कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी के निदेशक, हार्ट लंग ट्रांसप्लांटेशन, मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट प्रोग्राम्स, मैरिंगो एशिया फरीदाबाद कहते हैं, थर्ड जनरेशन मैग्नेटिकली लेविएटेड, कंटीन्यूअस फ्लो हार्टमेट एलएवीडी, अब ब्रिज-टू-ट्रांसप्लांटेशन और लाइफ लांग डेस्टिनेशन थेरेपी दोनों के लिए उच्चतम मानक वाला उपकरण है। डिवाइस में एक पंप होता है जिसे हृदय में सिल दिया जाता है, ताकि यह काम नहीं कर रहे मुख्य पंपिंग कक्ष, बाएं वेंट्रिकल से रक्त खींच सके और रक्त को सीधे महाधमनी में पंप कर सके। एक विद्युत ड्राइवलाइन पेट की दीवार से बाहर निकलती है, जिसे फिर एक पोर्टेबल नियंत्रक और बैटरी पैक से जोड़ा जाता है।

मैरिंगो एशिया अस्पताली के प्रबंध निदेशक और समूह सीईओ डॉ. राजीव सिंघल कहते हैं, हमें फरीदाबाद के मैरिंगो एशिया अस्पताल में पहली एलएवीडी सर्जरी करके बहुत खुशी हो रही है। एलवीएडी एक क्रांतिकारी उपकरण है जो हृदय संबंधी उपचार और मरीजों की देखभाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो नई आशा और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करता है। हमें चिकित्सा नवाचार के विस्तार में सबसे आगे होने पर गर्व है, क्योंकि हम अपने अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के माध्यम से उपचार के परिणामों में सुधार लाने और मरीजों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शादी का झांसा देकर कई बार बनाए संबंध, फोटो वायरल करने दी धमकी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को किया गिरफ्तार

महिला थाना सेंट्रल प्रभारी इंस्पेक्टर गीता व उनकी टीम ने दुष्कर्म के आरोपी को पुणे से धर दबोचा है। बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम तुशांत है जो फरीदाबाद के ओल्ड थाना एरिया का रहने वाला है। मई 2023 में महिला थाना सेंट्रल में दुष्कर्म की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपी ने अपने पड़ोस में रहने वाली युवती के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस को दी अपनी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि वह हिमाचल की रहने वाली है और वह नौकरी की तलाश में 2019 में फरीदाबाद आई थी। वह किराए पर कमरा लेकर रहने लगी जहां पर आरोपी उसके पड़ोस में रहता था। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उससे बातचीत करने की कोशिश करने लगा परंतु उसने मना कर दिया तो आरोपी लड़की से बातचीत करने के लिए उसके पीछे पीछे आने लगा और बहला-फुसलाकर उससे बातचीत करने के लिए राजी कर लिया। धीरे-धीरे बातचीत करते करते आरोपी ने लड़की के साथ नजदीकियां बढ़ा ली। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित लड़की से कहा कि वह उससे प्यार करता है और शादी करना चाहता है। शादी का झांसा देकर आरोपी ने लड़की के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इसके कुछ समय पश्चात लड़की ने जब उसे शादी के लिए कहा तो आरोपी ने कहा कि एक बार उसकी नौकरी लग जाए तो वह अपने घरवालों के साथ शादी की बात करेगा। इसके बाद सितंबर 2022 में आरोपी नोएडा में नौकरी लगने की बात कहकर फरीदाबाद से नोएडा चला गया।

पीड़िता ने आरोपी को फिर से शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने कहा कि अब उसकी नौकरी लग गई है और वह मार्च 2023 में मंदिर में शादी करेंगे। यह बात कहकर आरोपी ने शॉपिंग का बहाना बनाकर पीड़िता को 40000 लेकर नोएडा बुलाया। आरोपी ने पीड़िता से पैसे ले लिए और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद जब पीड़िता ने उससे शादी के लिए कहा तो आरोपी ने मना कर दिया और उसे धमकी देने लगा कि यहां से चली जा और कभी वापस मत आना नहीं तो उसके फोन में लड़की की जो अश्लील फोटो है वह वायरल कर देगा जिससे उसकी सारे समाज में बदनामी होगी।

बरसात की मार

प्रबंधन की कमी

भारी बरसात के कारण पैदा अव्यवस्था से स्पष्ट है कि हमारे अनेक शहर मानसून से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। इस वर्ष जुलाई में वैसे भी असाधारण बरसात हुई है। कम से कम पांच राज्यों में भारी बरसात के कारण बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो गई हैं। गुजरात में कम से कम 60 लोगों की मृत्यु हो गई है। असम में बाढ़ की स्थिति भयावह है तथा गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक व मध्य प्रदेश में मानसून कहर ढा रहा है। माना जाता है कि भारत में मानसून का मौसम अक्सर चिलचिलाती गरमी से राहत लाता है, लेकिन यह कभी-कभी अभिशाप भी सिद्ध होता है। भारी बरसात से पैदा विभीषिका ने देश के मानसून से संबंधों को विरोधाभासी ढंग से प्रकट किया है। इससे विनाश हुआ है, अनेक लोगों की जानें गई हैं तथा लाखों लोगों को अवर्णनीय कष्ट उठाने पड़े हैं। मानसून ने हमारे बड़े 'स्मार्ट शहरों' को डुबो दिया है और उनकी सड़कें जैसे नहरों में बदल गई हैं। यह समझना कठिन नहीं है कि हमारे शहरों की डिजाइनिंग व उनके रखरखाव में भारी कमियां और गलतियां हैं। भारी बरसात, जल जमाव व बाढ़ शहरों में रहने वालों के लिए बुरा सपना बन गई है। आम आदमी आश्चर्यचकित है कि आखिर उससे टैक्स के रूप में वसूला जाने वाला पैसा नालियों में क्यों बह जाता है और 'स्मार्ट शहर' कहे जाने वाले ये शहर इतने स्मार्ट क्यों नहीं हैं। इन शहरों में ट्रैफिक लाइटें ठीक से काम नहीं करती हैं, कारें फंस जाती हैं तथा जल-निकासी व्यवस्था प्राकृतिक प्रकोप के समक्ष नाकाफी सिद्ध होती है।

भारत की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति यहां अत्यधिक मानसूनी बरसात की संभावनायें पैदा करती है। लेकिन हाल में हुई भारी बरसात उम्मीदों से बहुत अधिक रही है जिसने नागरिकों व अधिकारियों को समान रूप से आश्चर्यचकित किया है। इसके परिणामस्वरूप पैदा अराजकता ने समुदायों के धैर्य की परीक्षा ली है तथा देश की ढांचागत संरचना के जोखिमों को उजागर किया है। हर साल लोग बाढ़ के पानी में बहते हैं या भूस्खलन का शिकार बनते हैं। इससे परिवार व समुदाय भारी शोक में डूब जाते हैं। मूसलाधार बरसात के वेग से घर और इमारतें ध्वस्त हो जाते हैं और उनमें रहने वालों को भीड़ से भरे अस्वास्थ्यकर शरणार्थी शिविरों में शरण लेनी पड़ती है। यह सच है कि सामान्य से अधिक बरसात झेलने में सक्षम कोई ढांचागत संरचना नहीं बनाई जा सकती है, पर निश्चित रूप से स्थिति से राहत देने के लिए उपयुक्त व्यवस्था की जा सकती है। बंद नालियों तथा जोखिम की संभावना वाले बिंदुओं को ठीक किया जा सकता है। यह सच है कि मानसून के बारे में सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, पर बार-बार होने वाली भारी बरसात बेहतर तैयारियों की मांग करती है। अनुपयुक्त शहरी नियोजन, जल स्रोतों पर कब्जे तथा खराब जल-निकासी व्यवस्था बाढ़ की गंभीरता को बढ़ाते हैं। शीघ्र चेतावनी व्यवस्था तथा प्रभावित लोगों को बाहर निकालने की योजनाओं समेत आपदा प्रबंधन की अनदेखी से स्थिति और खराब होती है। समय आ गया है कि सरकार अच्छी डिजाइन वाली जल-निकासी व्यवस्था में निवेश करे, मजबूत सड़कें व पुल बनाए तथा शहरों की पुन: 'सजावट' जैसे विचारों को वरीयता न दे। इसके साथ ही जल स्रोतों पर कब्जे के खिलाफ कानूनों का कठोर क्रियान्वयन होना चाहिए तथा संभावित-बाढ़ वाले क्षेत्रों में समुचित शहरी नियोजन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। ऐसी शीघ्र चेतावनी व्यवस्था पर भी ध्यान देना चाहिए जो समय पर लोगों को बाहर निकाल कर जनहानि न्यूनतम कर सके। इन कदमों के बारे में सभी जानते हैं, बस उनको लागू करने की इच्छाशक्ति की जरूरत है।

गुरु गोविंद सिंह की नैतिक विजय

गुरु गोविंद सिंह ने औरंगजेब को लिखे 'जाफ़रनामा' में न्याय के खिलाफ संघर्ष में अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। यह उनकी आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है।

राघवेंद्र पी. तिवारी
(लेखक, पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति हैं)

वर्ष 1704 में मुगलों व पहाड़ी सरदारों की सेनाओं ने दसवें सिख गुरु गोविंद सिंह के खिलाफ हमला बोला था। उनको गुरु साहब की बढ़ती लोकप्रियता से ईर्ष्या थी जिन्होंने लोगों से खालसा पंथ में शामिल होने तथा उत्पीड़क सरकार के खिलाफ न्याय के लिए संघर्ष का आह्वान किया था। संयुक्त बलों ने आनंदपुर साहब किले के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया था जहां उनका परिवार तथा खालसा पंथ के कुछ सैनिक रहते थे। लेकिन गुरु साहब इस कब्जे से विचलित नहीं हुए, इसलिए निराशा में उन्होंने गुरु साहेब तथा उनके परिवार को पवित्र कुरान की शपथ लेने पर सुरक्षित रास्ते का वादा किया। लेकिन इसके विपरीत गुरु साहब ने आनंदपुर साहब किले से बाहर निकलने के लिए दुश्मन सेनाओं पर हमला बोल दिया। इसके परिणामस्वरूप हुए युद्ध में और उसके बाद चमकौर साहब के युद्ध में वीरता से लड़ते हुए उनको दो बड़े बेटे शहीद हो गए।

बाद में उनके दो छोटे बेटों की सरहिंद के फौजदार तथा गुरु साहब के कट्टर दुश्मन वजीर खान ने निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद हुई अनेक लड़ाइयों में वजीर खान ने गुरु साहब की हत्या के असफल प्रयास किए। इसके बाद गुरु साहब मालवा क्षेत्र में काफी भीतर चले गए और उन्होंने औरंगजेब, उसके अधिकारियों व सेना की असलियत उजागर करने के लिए मुख्तसर साहब में निर्णायक युद्ध का फैसला किया। उन्होंने औरंगजेब को 'जाफरनामा' नामक पत्र लिख कर सूचित किया कि उन्होंने सुरक्षित मार्ग पाने के लिए पवित्र कुरान की शपथ लेने से क्यों इनकार किया। उन्होंने औरंगजेब की सेना द्वारा किए अनेक क्रूर व अन्यायपूर्ण कृत्यों का खुलासा भी किया।

जाफरनामा या 'विजय की घोषणा' पत्र गुरु साहब ने 1705 में फारसी भाषा में लिखा था। वर्तमान समय में यह गुरुमुखी लिपि में दशम ग्रंथ में उपलब्ध है। इसमें 111 कविता पंक्तियां हैं जिनमें से चार बृज भाषा में हैं। इनमें 34 पंक्तियां ईश्वर की प्रशंसा में हैं, जबकि 32 में औरंगजेब के आमंत्रण तथा गुरु साहब द्वारा उससे मिलने से इनकार करने के बारे में बताया गया है। गुरु साहब ने औरंगजेब से कहा था कि वह स्वयं आकर उनसे मिले। 24 पंक्तियों में चमकौर साहब के युद्ध का वर्णन है तथा 15 पंक्तियां इस बारे में हैं कि औरंगजेब ने गुरु साहब से किया लिखित वादा तोड़ा था। हालांकि, 6 पंक्तियों में औरंगजेब की अच्छाइयां भी बताई गई हैं, पर 78वीं व 79वीं पंक्तियों में गुरु साहब ने औरंगजेब को चेतावनी देते हुए कहा था कि खालसा पंथ उस समय तक चैन से नहीं बैठेगा जब तक मुगल साम्राज्य नष्ट नहीं हो जाता।

जाफरनामा में गुरु साहब ने औरंगजेब को याद दिलाया कि मुगल सैनिकों ने कैसे कुरान की कसम खाने के बावजूद उनको सुरक्षित रास्ता नहीं दिया तथा एक बड़ी सेना के साथ धोखे से उन पर हमला किया। उन्होंने औरंगजेब को याद दिलाया कि यह युद्ध न होकर उसके सैनिकों का कायरतापूर्ण कृत्य था। उन्होंने लिखा कि उनको बंदी बनाने या मार डालने के लिए भारी सेना भेजना के बावजूद मुगल सेना अपने षडयंत्रों में सफल नहीं हुई। गुरु साहब ने वीर सिख सैनिकों की शहादत की प्रशंसा की जिन्होंने युद्ध में साहस से भाग लिया। इनमें उनके चार बेटे भी शामिल थे जिन्होंने दुष्ट शक्तियों के विरोध में शहादत देना पसंद किया। औरंगजेब को आ कर मुद्दों के समाधान हेतु मिलने का अनुरोध करते हुए गुरु साहब ने सर्वाधिक संदर्भित 22वीं पंक्ति में कहा, 'चुन कर अज हमे हीलाते दर गुजश्त, हलाल अस्त बुर्दवान बा समशेर दस्त'। इसका अर्थ है कि 'गलती दूर करने के सभी तरीके विफल हो गए हैं, ऐसे में तलवार उठाना न्यायोचित व पवित्र काम है।' गुरु साहब ने औरंगजेब से पूछा कि क्या वे इन घटनाओं को उचित और न्यायोचित मानते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि ईमानदार व्यक्ति हमेशा अपने जीवन की कीमत पर भी अपने वादे को पूरा करते हैं। इसके उलट औरंगजेब के धोखेबाज अधिकारियों ने कहा कुछ और तथा किया इसके उलट। इन दुष्कृत्यों की जिम्मेदारी औरंगजेब पर थी। गुरु साहब ने औरंगजेब को याद दिलाया कि एक धार्मिक व्यक्ति होने के नाते वे अपने ईश्वर को इन दुष्कृत्यों का क्या जवाब देंगे? गुरु साहब ने अपना पत्र पूरा करते हुए इच्छा प्रकट की कि औरंगजेब उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलें और इस बारे में कोई बाधा न खड़ी की जाए।

पत्र पढ़ने के बाद औरंगजेब ने भी गुरु साहब से मिलने की इच्छा प्रकट की थी। गुरु साहब ने औरंगजेब को याद दिलाया कि उसका शासन बेलगाम लूट, डकैती व धोखाधड़ी पर आधारित है। उसके हाथ में दिखने वाला गुलाब एक धोखा है, उसके पिता और भाई का खून उसके चेहरे पर लगा है तथा दक्षिण व मेवाड़ में उसकी विफलता ईश्वर की ओर से प्रजा पर किए अत्याचारों के खिलाफ एक चेतावनी थी।

गुरु साहब ने उसे चेतावनी दी कि वह पंजाब पर अपनी बुरी नजर न डाले, उसका अंत निकट है तथा उसे अपने दुष्कृत्यों के लिए सर्वव्यापी ईश्वर की अदालत में दंड मिलेगा। इस प्रकार गुरु साहब ने कहा कि युद्धों में सिखों के पराजित होने के बावजूद उनको औरंगजेब पर नैतिक विजय मिली है। जाफरनामा के वर्तमान प्रारूप के अनुसार, औरंगजेब से कहा गया कि वह जमीनी यथार्थ से परिचित नहीं है। इस स्थिति पर गुरु साहब की प्रतिक्रिया उनके चरित्र व व्यक्तित्व के मूल गुणों को उजागर करती है। इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद गुरु साहब ने खालसा पंथ की स्थापना की, सिखों में अमृत संचार की प्रक्रिया जारी रखी, स्वयं को क्रूरता से बचाए रखा, आदि ग्रंथ को अंतिम रूप दिया तथा औरंगजेब को एक ऐतिहासिक पत्र लिख कर नैतिक आधार पर दृढ़ दृष्टिकोण अपनाया तथा न्याय की मांग की।

इस प्रकार जाफरनामा केवल एक पत्र न होकर एक बौद्धिक संहिता है जो औरंगजेब व पूरी मानवता के लिए नैतिक व आदर्शात्मक सिद्धान्त प्रतिपादित करती है। इस संचार से पूरी तरह स्पष्ट होता है कि गुरु साहब दमन के पूर्णत: खिलाफ थे तथा साहस के साथ उसका मुकाबला कर सर्वव्यापी ईश्वर तथा सत्य की विजय की राह में गरिमामय मार्ग अपनाते थे। यह संचार वास्तव में एक आध्यात्मिक उद्यम की याद दिलाता है। इससे स्पष्ट होता है कि बादशाह दरवेश गुरु गोविंद सिंह एक क्रूर व विकृत अमानवीय औरंगजेब की तुलना में एक उच्च नैतिक व आदर्शात्मक चरित्र वाले व्यक्ति थे।

जाफरनामा हमें शिक्षा देता है कि अत्यधिक विपरीत परिस्थितियों तथा भारी व्यक्तिगत नुकसान के बाजवूद हमें आत्मविश्वास, साहस और विश्वास बनाए रख कर दूसरों को धोखाधड़ी वाली गतिविधियों से बचाना चाहिए। जाफरनामा ने औरंगजेब पर हतोत्साहित करने वाला प्रभाव डाला। उसने समझ लिया कि गुरु साहब एकमात्र आशा हैं जो लोगों को सच्चाई के मार्ग पर ले जा सकते हैं। इससे उसमें गुरु साहब से मिलने की इच्छा भी जाग्रत हुई। लेकिन दुर्भाग्य से औरंगजेब के निधन के कारण यह मुलाकात नहीं हो सकी। इसके परिणामस्वरूप मानवता को एक अवसर से वंचित होना पड़ा।

इस रास्ते से वह मानवजाति को जागरूक करने के लिए एक और प्रेरणादायक व आध्यात्मिक संवाद प्राप्त कर सकती थी। गुरु साहब का संघर्ष वास्तव में दमन और धोखाधड़ी के खिलाफ था। उन्होंने उत्पीड़ित जनता को सशक्त बनाने का काम किया, उसमें प्रतिबद्धता व साहस की भावना भरी तथा उससे संवाद स्थापित किया। इस प्रकार स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन पूरी मानव सभ्यता के इतिहास में एक अत्यधिक प्रेरणादायक प्रसंग है। उन्होंने अपने पूरे परिवार का बलिदान देकर शहादत की नई परिभाषा तैयार की। एक ईश्वरीय संदेशवाहक के रूप में श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने जीवन का अनुकरणीय उदाहरण हमारे सामने रखा। दशमेश पिता की असाधारण वीरता व गरिमा हमेशा मानवजाति के लिए निर्देशक तत्व बनी रहेगी।

लाभकारी है शिक्षा में तकनीक का समावेश

भारत को अपनी शिक्षा को बदलना होगा और शिक्षित और कुशल व्यक्तियों की एक पीढ़ी का पोषण करना होगा जो अपने कौशल और ज्ञान से देश को आगे ले जा सके।

अक्षय वी
(लेखक, एक प्रौद्योगिकी कंपनी के सीईओ हैं।)

निरंतर विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्र के विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत में, अपनी विविध आबादी और बड़े युवा जनसांख्यिकीय के साथ, गैर-लाभकारी क्षेत्रों सहित शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी प्रगति में तेजी लाने की तत्काल आवश्यकता की गहरी मान्यता है। शिक्षा में प्रौद्योगिकी को अपनाना न केवल डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए आवश्यक है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और भारत की भावी पीढ़ियों को तेजी से गतिशील और परस्पर जुड़ी दुनिया में फलने-फूलने के लिए सशक्त बनाने के लिए भी आवश्यक है।

25 वर्ष से कम आयु की 50त्न से अधिक आबादी के साथ, भारत दुनिया भर में सबसे बड़ी युवा आबादी में से एक है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश प्रौद्योगिकी की क्षमता का दोहन करने और शिक्षा परिदृश्य में क्रांति लाने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। यहां तक कि गैर-लाभकारी और सरकारी संगठनों में भी, यह परिवर्तन यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि प्रौद्योगिकी विभिन्न स्तरों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने में एक शक्तिशाली सहयोगी के रूप में खड़ी है।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, भारत अपनी सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए एक मजबूत नींव रख सकता है, शिक्षित और सशक्त व्यक्तियों की एक पीढ़ी का पोषण कर सकता है जो अपनी आर्थिक पृष्ठभूमि या संसाधनों तक पहुंच की परवाह किए बिना देश की वृद्धि और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

डेटा प्रबंधन: छात्र नामांकन, उपस्थिति या कार्यक्रम प्रबंधन पर नज़र रखने से लेकर शैक्षिक पहल के लिए प्रभावी डेटा प्रबंधन महत्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी समाधान डेटा संग्रह, विश्लेषण और भंडारण को

सुव्यवस्थित करते हैं, जिससे हितधारकों के बीच सूचित निर्णय लेने और सहयोग को सक्षम बनाया जाता है। इससे छात्रों का प्रदर्शन बढ़ता है और शैक्षणिक संस्थानों की दक्षता में सुधार होता है। शैक्षिक कार्यक्रमों में आम तौर पर विविध हितधारक, जटिल संसाधन प्रबंधन और बहुआयामी उद्देश्य शामिल होते हैं। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, गैर-लाभकारी संस्थाएं और सरकारी निकाय कार्यक्रम प्रबंधन को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, प्रगति को प्रभावी ढंग से ट्रैक कर सकते हैं, संसाधन आवंटन की निगरानी कर सकते हैं और अंतत: प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ाना: प्रौद्योगिकी शैक्षिक पहलों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रयासों को अनुकूलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, संगठन अनुकूलित प्रशिक्षण मॉड्यूल बना सकते हैं, प्रतिभागियों की प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं और ज्ञान और कौशल विकास पर प्रशिक्षण के प्रभाव का आकलन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, तकनीकी समाधान कैस्केड नुकसान की माप को सक्षम करते हैं, अंतराल की पहचान करने और सरकारी और गैर-लाभकारी कार्यक्रमों में अधिक दक्षता के लिए प्रशिक्षण दृष्टिकोण को परिष्कृत करने में मदद करते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैटबॉट्स का लाभ उठाना: शैक्षिक कार्यक्रमों में एआई और चैटबॉट्स का समावेश व्यक्तिगत सीखने के अनुभवों को समृद्ध करने, छात्रों को समय पर प्रतिक्रिया देने और शिक्षकों को छात्रों की प्रगति की प्रभावी ढंग से निगरानी करने में सक्षम बनाने की जबरदस्त क्षमता रखता है। ये नवोन्मेषी उपकरण पूरे भारत में छात्रों की अनूठी और विविध आवश्यकताओं को संबोधित करने में विशेष रूप से लाभप्रद हैं।

प्रौद्योगिकी संगठनों को व्यापक निगरानी ढाँचा स्थापित करने, प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को ट्रैक करने और जमीन पर उनके कार्यक्रमों के प्रभाव का आकलन करने की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, संगठन सटीक और डेटा-संचालित निगरानी और मूल्यांकन के लिए अपनी क्षमता बढ़ा सकते हैं, जिससे सूचित निर्णय लेने और शैक्षिक परिणामों में निरंतर सुधार हो सकता है।

आगे बढ़ने का रास्ता; बेहतर प्रभाव और परिणाम के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना

आज, भारत सभी क्षेत्रों और स्तरों पर तकनीकी उछाल का लाभ उठाने में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की शिक्षा और गैर-लाभकारी क्षेत्र में इस प्रगति को एकीकृत करने के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता है। इन क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करके, भारत के पास अपने शिक्षा परिदृश्य को बदलने और शिक्षित, कुशल और सशक्त व्यक्तियों की एक पीढ़ी का पोषण करने का एक अनूठा अवसर है। उचित बुनियादी ढांचे और आवश्यक समर्थन के साथ, देश में वैश्विक डिजिटल परिदृश्य के बराबर एक संपन्न परिवर्तन का निर्माण किया जा सकता है।

आप की बात

बढ़ती महंगाई

बढ़ती महंगाई से पूरी दुनिया परेशान है। लेकिन दुनिया के कुछ देशों में महंगाई के आंकड़े रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। इस कमरतोड़ महंगाई में रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोग होने वाली सारी चीजें पहुंच के बाहर हो रही हैं। सरकारी आंकड़े कुछ भी कहे लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बिल्कुल विपरीत है। देश में महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है। पेट्रोल, डीजल व घरेलू गैस के साथ-साथ दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली सब्जियों की कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी हो रही है। दालों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत किसी से छिपी नहीं है। इस बेतहाशा महंगाई से देश के आम नागरिक बेहद परेशान हैं। देश में लाखों युवा बेरोजगार हैं और गरीब लोग भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। केंद्र सरकार को तुरंत महंगाई कम करने और फल-सब्जियों के दाम कम करने के ठोस कदम उठाने चाहिए। विपक्षी दलों को केवल राजनीति करने के बजाय अपने शासन वाले राज्यों में पेट्रोल, डीजल तथा रसोई गैस पर वैट घटाना चाहिए। राज्य सरकारें सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से सब्जियों व फलों की उचित दाम पर बिक्री के कदम उठा सकती हैं। महंगाई पर दलगत राजनीति नहीं होनी चाहिए।

– **सदन जी,** पटना

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस

अंतरराष्ट्रीय विश्व न्याय दिवस मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के देशों में न्याय के लिए जागरूकता फैलाना है एवं इसे सुनिश्चित भी करना है। इस दिन लोगों को न्याय के समर्थन के लिए जागरुक एवं एकजुट करने के कार्य को महत्व दिया जाता है। अंतरराष्ट्रीय अपराधियों को सजा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का गठन किया गया था। उसकी स्थापना भी इसी दिन की गई थी। हमारे देश पर कुदृष्टि रखने वाले कई अपराधी हैं जिन्हें सजा देने की सख्त आवश्यकता है। इनमें अधिकांश अपराधी पाकिस्तान द्वारा पाले गए हैं जिन्होंने हमेशा भारत के खिलाफ कई-कई बार आपराधिक साजिश की है। इनमें दाऊद इब्राहिम, मसूद अजहर, हाफिज सईद, अब्दुल रहमान मक्की, आदि शामिल हैं। आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई ऐसे अपराधी है जिन्होंने अमेरिका जैसे बड़े देशों को भी नहीं छोड़ा है। इन्हीं में से एक ओसामा बिन लादेन था जिसने अमेरिका सरकार की नाक में दम कर रखा था। अंतरराष्ट्रीय विश्व न्याय दिवस की भावना मजबूत करने तथा सभी देशों के सहयोग से इसका पूरी दुनिया में विस्तार करने की आवश्यकता है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

स्वागत योग्य निर्णय

हाल में वस्तु एवं सेवा कर परिषद-जीएसटी परिषद ने कैंसर व अनेक गंभीर बीमारियों की दवाओं को जीएसटी टैक्स के दायरे से बाहर रखने का फैसला किया। इनमें विदेशों से आयातित कैंसर की दवा डाइनुटुक्सीमैब शामिल है जिसकी कीमत 36 लाख रुपए है। इस पर 12 प्रतिशत का जीएसटी देना पड़ता था। इसके साथ ही परिषद ने दुर्लभ बीमारियों में मरीजों को दिए जाने वाले विशेष खाद्य उत्पादों को भी कर से राहत देने की सिफारिश की है। इंटरनेट पर या अन्य स्थानों पर अक्सर ऐसे मार्मिक विज्ञापन दिख जाते हैं जिनमें मासूम बच्चों के इलाज के लिए उनके माता-पिता गिड़गिड़ाते हुए मदद मांगते हैं। पिछले वर्ष स्वास्थ्य मामलों पर राज्य सभा की स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट ने कहा था कि भर्ती होने वाले लगभग 40 प्रतिशत कैंसर मरीज उधार लेकर या संपति बेचकर खर्च का इंतजाम करते हैं। समिति का कहना था की निजी अस्पतालों में सरकारी अस्पतालों की तुलना में तीन गुना ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। जीएसटी परिषद का यह निर्णय निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। इसे अन्य महंगी दवाओं पर भी लागू करना चाहिए।

–**भूपेंद्र सिंह,** दिल्ली

नीतीश पर संकट

नीतीश कुमार देश की राजनीति पर पूरी नजर गड़ाए हुए हैं लेकिन अपने गृह राज्य में बीजेपी के दांवपेच के कारण बिहार की राजनीति में बिछड़ते जा रहे है। भाजपा ने बिहार की राजनीति पर अपना वर्चस्व स्थापित करने की जोरदार तैयारी की है। भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा, मुकेश सहनी, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, पशुपतिनाथ पारस और अब नागमणि जैसे कद्दावर नेताओं को साध लिया है। भारतीय जनता पार्टी राजग के कुनबे को लगातार बढ़ाने की कोशिश में है, जबकि नीतीश कुमार विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। इसी क्रम में 13 जुलाई को पटना में बीजेपी ने जोरदार प्रदर्शन किया जिसमे बिहार सरकार ने लाठीचार्ज भी किया है। यह भी एक बड़ा मुद्दा बनेगा। 17-18 जुलाई को बैंगलोर में विपक्षी दलों की बैठक के साथ ही बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की बैठक होगी। इन दोनों बैठकों के परिणाम से देश की राजनीति बड़े पैमाने पर प्रभावित होगी। बिहार में 9 दलों के साथ बीजेपी लोकसभा चुनाव जीतने की बड़ी तैयारी में है।

–**वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

एडीजी पीएसी को सुरक्षा शाखा का भी अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। शासन ने एडीजी पीएसी डॉ. केएस प्रताप कुमार को सुरक्षा शाखा का भी अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। वह 14 जुलाइ को यह प्रभार संभालेंगे। मौजूदा एडीजी सुरक्षा बिनोद कुमार सिंह के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कार्यमुक्त होने के कारण यह पद रिक्त होगा। वर्ष 1994 बैच के आईपीएस बिनोद कुमार सिंह को केंद्र सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में एडीजी पद पर नियुक्त किया है।

भाषा विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के कोर्सों की काउंसलिंग 17 से

लखनऊ। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए 17 जुलाई से काउंसलिंग शुरू होगी। प्रोफेशनल कोर्सों में 18 से प्रवेश परीक्षा कराकर दाखिले लिए जाएंगे। जबकि सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन जारी हैं। भाषा विवि में सत्र 2023.24 की प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ हो गई है। 17 जुलाई से बीए, बीबीए, बीकॉम, बीएजेएमसी, एमबीए, एमए, एमएजेएमसी और एमकॉम सहित अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग की शुरुआत होगी। प्रवेश समन्वयक प्रो. सैय्यद हैदर अली ने बताया कि प्रोफेशनल कोर्सेज बीटेक, एमटेक, एमबीए और एमसीए में प्रवेश विवि परीक्षा 18 जुलाई से होगी।

जीएसटी को ईडी के तहत लाने के फैसले के खिलाफ सपा व्यापार सभा ने दिया ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जीएसटी को ईडी के तहत लाने के फैसले के खिलाफ आज समाजवादी व्यापार सभा ने नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को प्रदेश के व्यापारियों की तरफ से ज्ञापन देते हुए सरकार तक आवाज उठाने की मांग की। साथ ही प्रदेशव्यापी विरोध ज्ञापन देकर सरकार से इस निर्णय को वापिस लेने की मांग की। प्रदेश के हर जिले में समाजवादी व्यापार सभा की जिला इकाइयों ने राष्ट्रपति को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन दिया। ज्ञापन के अनुसार जीएसटी को पीएमएल एक्ट के तहत लाने की अधिसूचना भाजपा के व्यापारी विरोधी चेहरे को उजागर करती है। अब जीएसटी पंजीकृत किसी भी व्यापारी पर ईडी कार्यवाई कर करेगा। सरकार के इस निर्णय से इंस्पेक्टर राज और भ्रष्टाचार बढ़ेगा। व्यापारी व्यापार बंद करने की मजबूर हो जाएंगे। देश के किसी भी व्यापारी को केंद्र सरकार जब चाहे जेल भेज देगी। ये बेहद खतरनाक है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आश्वासन दिया कि व्यापारियों की इस समस्या को वे सरकार के साथ उठाकर व्यापारियों को न्याय दिलवाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा व्यापारियों के लिए आवाज उठाई है। भोलेभाले व्यापारियों के साथ भाजपा बहुत बड़ा छल कर रही है। समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता एवं अजय सूदए उपाध्यक्ष विजय जायसवाल और प्रमुख महासचिव यासिर सिद्दीकी, संजय मिश्रा एवं आशीष चौरसिया आदि ने अखिलेश यादव को ज्ञापन सौंपा।

सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की 147 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की 147 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप की राज्य कार्यकारिणी में 9 उपाध्यक्ष-अशोक कुशवाहा, बृजेश विश्वकर्मा, श्याम कृष्ण गुप्ता 'साहू', रामसेवक पाल, तूफ ानी निषाद, देशराज सिंह जाट, कल्याण यादव, अमित प्रजापति, रामनरेश चौरसिया, 4 प्रदेश महासचिव-अब्दुल हफीज गांधी, रामचन्द्र राजभर, गिरीश मथोरिया सेन (सविता), महेन्द्र चौहान, कोषाध्यक्ष निशीथ रंजन (नयन वर्मा) और इनके अलावा 25 विशेष आमंत्रित सदस्य, 108 प्रदेश सचिव तथा 25 कार्यकारिणी सदस्य भी नामित किए गए हैं।

जन चेतना की जागरूकता को दर्शाता है रामलीलाओं का मंचन

● सीएम ने श्रीमद् देवी भागवत महापुराण की भावपूर्ण व्याख्या सहित डॉ. समीर त्रिपाठी के स्वर में संगीतमय प्रस्तुति का किया विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम अपनी भाषा में अपने इष्ट की आराधना के दौरान दो शब्द कहते हैं तो मान्यता है कि इष्ट से उसका सीधा संवाद होता है। मध्यकाल में संत तुलसीदास द्वारा रचित राम चरित्र मानस को पहले ही मेध एस्ट्रो द्वारा यूट्यूब पर सस्वर गायन के माध्यम से करोड़ों श्रोताओं तक पहुंचायी जा चुकी है। बताया जाता है कि जब संत तुलसीदास ने संस्कृत में आधुनिक रामायण लिखने का प्रयास किया तो ग्रंथ हमेशा नष्ट हो जाता था। अंतत: काशी में स्वयं भगवान विश्वनाथ ने दर्शन दे कर उन्हें संस्कृत नहीं, लोक भाषा में रचना करने को कहा। उस समय लोक भाषा के रूप में अवधी को महत्व दिया गया और तुलसीदास काशी से अयोध्या आए। उन्होंने राम चरित्र मानस को अवधी में लिखना प्रारंभ किया। एक ओर जब मुगल आक्रांता भारत के सनातन धर्म और संस्कृति को नष्ट करने के लिए उतावले दिख रहे थे तो उस समय गांव-गांव में रामलीलाओं का आयोजन किये जा रहे थे। यह रामचरित्र मानस की प्रेरणा को दर्शाता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बातें श्रीमद् देवी भागवत महापुराण की भावपूर्ण व्याख्या सहित डॉ. समीर त्रिपाठी के स्वर में संगीतमय प्रस्तुति के विमोचन पर कहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामलीला में आज भी जाति-वर्ण को पीछे छोड़कर सब एकजुट होकर उसका मंचन करते हैं। यह जन चेतना की जागरूकता को दर्शाता है। पूरी दुनिया में भारत ही ऐसा देश है जहां साल में दो बार शक्ति की आराधना की जाती है। उसी शक्ति को हम अपने जीवन में अंगीकार कर सकें इसलिए हमारे यहां अनुष्ठान, गोत्र और उपासना का महत्व है। यह मान्यता है कि विश्व में जो भी शक्ति है वह देवी के रूप में है। हम जगत जननी मां भगवती, दुर्गा, मां सरस्वती, मां लक्ष्मी और महाकाली के रूप में उनकी आराधना कर सकते हैं। शक्ति की उपासना सनातन हिंदू धर्मावलंबी पौराणिक काल से ही करता आया है। हर एक काल, खंड में स्वरूप बदले होंगे लेकिन हम सभी रूपों की आराधना करते आए हैं। उसका एक रूप आज यूट्यूब में रुचि रखने वाले उन सभी दर्शकों और श्रोताओं के लिए मेधज एस्ट्रो एक नए रूप में उपलब्ध करवाया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि शब्द शुद्ध और नियत हों तो वह ब्रह्म का प्रतीक होते हैं। शब्द अपने आप में एक मंत्र है। शब्द को भारतीय मनीषा में हमेशा महत्व दिया गया है। हमेशा इस बात को माना गया है कि हर अक्षर, शब्द में मंत्र बनने का सामर्थ्य है। उस शब्द को बोला कैसे जा रहा है और उस शब्द को व्यक्त करने का तरीका क्या है यह वक्ता पर निर्भर करता है इसलिए शब्द को ब्रह्म के रूप में मान करके जब हम उसका अनुसंधान और अनुष्ठान करते हैं तो वह अपने आप में मंत्र बनता है। कार्यक्रम में मेधज एस्ट्रो के सीएमडी समीर त्रिपाठी, उनके माता रेखा त्रिपाठी, अलका त्रिपाठी, गुंजन त्रिपाठी, एसटीएफ के अपर पुलिस महानिदेशक के अमिताभ यश आदि मौजूद रहे।

संवेदनशील गांवों में बाढ़ प्रबंधन के लिए होगा राहत चौपाल का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● आपदा के समय होने वाले नुकसान को कम करना, रोकना होगा राहत चौपाल का उद्देश्य

प्रदेश के कुछ जनपदों में अत्यधिक वर्षा और नदियों की स्थिति के चलते बाढ़ की आशंका को देखते हुए योगी सरकार ने अभी से कमर कस ली है। सीएम योगी के निर्देश पर जनपदों के संवेदनशील गांवों में बाढ़ प्रबंधन एवं राहत व बचाव के लिए राहत चौपाल आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। राहत चौपाल का उद्देश्य बाढ़ जैसी आपदा के समय होने वाले नुकसान को कम करना या रोकना है। साथ ही भविष्य में होने वाली आपदाओं के प्रति लोगों को सचेत करना भी है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि गत दिनों से प्रदेश के कुछ जनपदों में अत्यधिक वर्षा हो रही है। प्रदेश में हो रही वर्षा को देखते हुए जनपदों में बाढ़ प्रबंधन एवं राहत व बचाव कार्यों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त बाढ़ संवेदनशील ग्रामों में राहत चौपाल आयोजित किया जाना है। इन चौपालों में जन समुदाय के लोगों व ग्राम प्रधान के साथ-साथ राजस्व, सिंचाई, पुलिस, स्वास्थ्य, पशुपालन, पंचायती राज, बाल विकास एवं पुष्टाहार, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, कृषि, ग्राम विकास, खाद्य एवं रसद विभाग एवं उर्जा विभाग आदि अन्य विभागों के क्षेत्रीय ग्राम स्तरीय कर्मचारी एवं प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। राहत आयुक्त ने बताया कि राहत चौपाल का मुख्य उद्देश्य मुख्यत: आपदाओं से होने वाली हानियों को रोकना, कम करना तथा ग्रामीण स्तर तक आम जनमानस को संभावित बाढ़ के दुष्प्रभाव से बचाना है। इसके साथ ही भविष्य में घटित होने वाली आपदाओं के प्रति जागरूक कर लोगों को सचेत करना भी है। राहत आयुक्त ने निर्देश दिए कि जनपद में आयोजित ग्राम स्तरीय राहत चौपालों में जिलाधिकारी द्वारा कम से कम पांच राहत चौपाल, अपर जिलाधिकारी द्वारा कम से कम 10 राहत चौपाल, उप जिलाधिकारी द्वारा कम से कम 15 राहत चौपाल, तहसीलदार द्वारा कम से कम 20 राहत चौपाल में व्यक्तिगत रूप से प्रतिभाग किया जाए। उन्होंने नायब तहसीलदार एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनके क्षेत्र के सभी राहत चौपालों में प्रतिभाग करने के भी निर्देश दिए।

राहत आयुक्त ने कहा कि संभावित बाढ़ को देखते हुए संवेदनशील गांव के प्रत्येक मजरे में राहत चौपाल प्राथमिकता के आधार पर आयोजित की जाए तथा चौपाल में ग्रामवासियों से उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को विशेष रूप से राजस्व कर्मी जो आपदा राहत हेतु सीधे तौर पर उत्तरदायी होते हैं, जैसे- स्थानीय लेखपाल, राजस्व निरीक्षक, नायब तहसीलदार आदि का परिचय ग्राम वासियों से कराया जाए। इससे ग्रामवासियों को यह जानकारी रहेगी कि किसी भी आपदा के समय उन्हें किससे संपर्क करना है। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग के प्रतिनिधि विभाग द्वारा कराए जा रहे बाढ़ रोधी कार्यों के संबंध में उपस्थित जनसमुदाय को बताएं, साथ ही प्रबंधों की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं, यह भी सूचित किया जाए।

प्रदेश में व्यापक स्तर पर चलेगा 'एक नल, एक पेड़ अभियान'

● 16 से 22 जुलाई तक वृहद पौधरोपण अभियान में सहयोगी बनेगा जल निगम (ग्रामीण) विभाग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार के निर्देशन में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंचने के साथ ही घर-घर में फलदार वृक्ष भी रोपे जाएंगे। ग्रामीण परिवारों को नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने संग पर्यावरण के क्षेत्र में सबसे बड़े अभियान को शुरू करने की तैयारी विभाग ने कर ली है। राज्य को हरा-भरा बनाने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल को साकार रूप देने के लिए विभाग 16 से 22 जुलाई तक 'एक नल एक पेड़' कार्यक्रम के जरिए वृहद पौधरोपण अभियान में सहभागी बनेगा। ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के साथ हरियाली के इस सात दिवसीय अनूठे अभियान में करीब 1 करोड़ से अधिक फलदार वृक्ष रोपे जाएंगे। अब तक की सबसे बड़ी टीम जमीनी स्तर पर कमान संभालती नजर आएगी।

प्रदेश भर के सभी क्लस्टरों की 150 आईएसए एजेंसियों के लगभग 3750 सदस्य, अधिशासी अभियंता, जिला समन्वयक, डीसीए अधिकारी और कर्मचारी इस अभियान में अहम भूमिका निभाएंगे। इस महाअभियान की मॉनिटरिंग की कमान प्रमुख सचिव ने जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह को सौंपी है। अधिकारियों को प्रतिदिन पोर्टल पर पौधरोपण की रिपोर्ट को अपडेट करने के निर्देश दिये गए हैं। बता दें कि हर घर जल योजना के तहत एक करोड़ 38 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देकर देश में यूपी दूसरे पायदान पर काबिज है।

स्थानीय निकाय निदेशालय ने निकायों में वृक्षारोपण की शुरू की निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के महत्व को देखते हुए इस पूरे कार्यक्रम की विभागीय स्तर पर निगरानी भी की जा रही है। इसी क्रम में नगरीय निकाय निदेशालय ने वृक्षारोपण अभियान के तहत सभी नगर निकायों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण की अपील की गई है। साथ ही निदेशालय ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक कितने वृक्ष लगाए गए हैं, इसकी भी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। ताकि शासन को इसकी सूचना दी जा सके। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश को हरित प्रदेश बनाने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार ने मिशन मोड में वृक्षारोपण अभियान शुरू किया है। सभी विभागों को भी वृक्षारोपण का लक्ष्य दिया गया है। नगर विकास विभाग को पूरे प्रदेश में करीब 35 लाख वृक्ष लगाने का लक्ष्य मिला है। उत्तर प्रदेश में बीते एक वर्ष में 35 करोड़ वृक्ष लगाए गए थे। इस वर्ष भी इस लक्ष्य को हासिल किया जाना है। इसी के अंतर्गत सभी विभागों में युद्धस्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किया गया है। नगर विकास विभाग को भी करीब 35 लाख लाख, वृक्ष लगाने का लक्ष्य दिया गया है। इसी के सापेक्ष नगरीय निकाय निदेशालय की ओर से समस्त नगर आयुक्तों को पत्र लिखकर अभियान में अब तक की प्रगति की रिपोर्ट मांगी है। सहायक निदेशक सविता शुक्ला की ओर से कहा गया है कि नगरीय निकायों में वृक्षारोपण के लिए निकायवार उपलब्ध कराए गए वृक्षारोपण के लक्ष्य के सापेक्ष निकायों द्वारा अब तक कराए गए वृक्षारोपण की सूचना शासन द्वारा तत्काल उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गई है। निकाय तत्काल निदेशालय के गूगक लिंक पर अब तक किए गए वृक्षारोपण की सूचना उपलब्ध कराएं, ताकि उसे शासन को उपलब्ध कराया जा सके।

इससे पूर्व में निदेशक डॉ नितिन बंसल द्वारा जारी आदेश में नगरीय निकाय निदेशालय के सभी 762 निकायों को उसके क्षेत्रफल के हिसाब से वृक्षारोपण का लक्ष्य दिया गया था। इसके अनुसार कुल 11257.98 यूएलबी एरिया में कुल 3497000 पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सीएम आज करेंगे राज्य स्तरीय आम महोत्सव का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 725 से अधिक प्रजातियों का किया जाएगा प्रदर्शन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अवध शिल्प ग्राम में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राज्य स्तरीय आम महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर वह रूस को भेजे जाने वाले 15 टन आम को हरी झंडी भी दिखायेंगे। वहीं उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि महोत्सव में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, प्रदर्शनी, सेमिनार, प्रतियोगिताओं में शामिल होकर लोग लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आम महोत्सव 2023 में इस बार विभिन्न संस्थानों, विभागों एवं निजी उत्पादकों द्वारा 725 से अधिक आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया जायेगा तथा आम के सभी हितधारकों की सहभागिता रहेगी। तीन दिवसीय उप्र आम महोत्सव 2023 का आयोजन अवध शिल्प ग्राम, अमर शहीद पथ के निकट लखनऊ में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्टेकहोल्डर, राज्य सरकार एवं आम कृषक को एक मंच पर लाकर प्रदेश में आम उत्पादन बढ़ाने तथा उच्च गुणवत्ता के आम के अधिकतम निर्यात से संबंधित संभावनाओं पर व्यापक विचार विमर्श किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उप्र उत्पादन एवं निर्यात क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं। राज्य सरकार आम उत्पादकों को प्रोत्साहित करके रोजगार के साथ ही उत्पादकों की आमदनी बढ़ाने पर जोर दे रही है।

उद्यान मंत्री ने बताया कि किसानों से लेकर पैकहाउस तक एवं निर्यातकों से लेकर खुदरा व्यापारियों तक आम के व्यापारिक क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा खपत बढ़ाने के लिए आम महोत्सव 2023 का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आम महोत्सव में प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली एवं हरियाणा व अन्य प्रदेशों के उद्यान विभाग के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान-बागवान, स्टेकहोल्डर, निर्यातक भाग लेंगे।

मोदी सरकार महंगाई पर नियंत्रण लगाने में पूरी तरह असफल: प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस नेता व राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि मोदी सरकार मंहगाई पर नियंत्रण लगाने में पूरी तरह असफल हो गयी है। उन्होंने महाराष्ट्र में ताजा राजनैतिक घटनाचक्र पर भाजपा गठबंधन की राज्य सरकार में मंत्रियों के विभागों के बंटवारे को लेकर मची रार पर भी तंज कसा है।

तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा देश की अर्थव्यवस्था पर लगातार चोट पहुंचायी जा रही है। परिणाम स्वरूप महंगाई अनियंत्रित हो गयी है खाद्यान्न सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है जिसका खामियाजा आम आदमी तथा मध्यम वर्ग को भुगतना पड़ रहा है। तिवारी ने कहा कि पेट्रोल तथा रसोई गैस की कीमत भाजपा सरकार मे थम नहीं रही है और अब इस समय सब्जियों तथा दाल सहित खाने पीने की वस्तुओं की कीमतें में तेजी से उछाल आ रहा हैं। सब्जियों में मंहगाई का औसत दोगुना से अधिक फीसदी आ पहुंचा है। दाल की कीमत में भी उछाल ग्यारह फीसदी से अधिक हो चुकी है। बाजार के लड़खड़ाने से किसान तथा व्यापारी दोनों परेशान हैं। उन्होंने कहा कि सरकार खेल के क्षेत्र में भी घुड़दौड़ तक में जीएसटी का जोखिम ले आयी है।

भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सुदूर पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव की बड़ी चिंता हो रही है जबकि भाजपा के सत्ता संरक्षण में उत्तर प्रदेश के होने वाले हर चुनाव में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का दम घोंटा गया है। यहां पंचायत चुनाव में विपक्ष के मतों पर खुला डाका डाला गया। इन चुनावों में भाजपा द्वारा जो जोर-जबरदस्ती मतदाताओं के साथ की गई उसकी अनदेखी कैसे की जा सकती है।

यादव ने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या की है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने पुलिस प्रशासन और धनबल से लोकतंत्र का अपहरण कर लिया है। पिछले 6 सालों में उत्तर प्रदेश पंचायत, नगर निकाय और ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में वोटो की खूब लूट हुई। प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को धमकाया गया। उन्हें वोट डालने नहीं दिया गया। प्रत्याशियों के नामांकन पर्चे जबरन छीन लिए गए। भाजपाराज में यूपी में पंचायत चुनावों में फायरिंग हुई थी। बम फोड़े गए थे। बैलेट बाक्स लूटे गए थे। महिलाओं की साड़ी फाड़ी गई थी और मारपीट खून खराबा तक हुआ था। भाजपा द्वारा सत्ता का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को कलंकित किया गया है। यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान पर गम्भीर खतरा है। सत्ता का दुरूपयोग के कारण नौकरशाही का राजनीतिकरण कर दिया है। चुनाव में विपक्षी दलों के प्रत्याशियों को प्रताड़ित किया जाता है। भाजपा राजनीतिक विरोधियों के साथ दुश्मनों की तरह व्यवहार करती है। भाजपा बदले की भावना से काम कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र का ढिंढ़ोरा पीटने वाली उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में चुनाव महज दिखावा बन कर रह गए हैं।

पैंतीस करोड़ पौधे रोपित करने का लक्ष्य: दुर्गा शंकर

● मुख्य सचिव ने वृक्षारोपण अभियान-2023 को सफल बनाने के लिए की तैयारियों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान-2023 के तहत मुख्यमंत्री द्वारा 35 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 22 जुलाई 2023 को 30 करोड़ और 15 अगस्त 2023 को 5 करोड़ पौधों को रोपित किया जाना है। इस वर्ष सभी विभागों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। सभी विभागों द्वारा लक्ष्य के अनुरूप माइक्रो प्लान तैयार कर लिया जाए।

मुख्य सचिव गुरुवार को वृक्षारोपण अभियान-2023 को सफ ल बनाने के लिए समस्त विभागों के साथ तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उन्होंने सभी विभागों से वृक्षारोपण की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की और अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि 22 जुलाई से पूर्व चिन्हित स्थानों में गड्ढ़ों की खुदाई तथा रोपित किए जाने वाले पौधे की प्रजाति व हितधारक के चयन की कार्यवाही प्रत्येक दशा में पूरा कर ली जाए। पौधों की निगरानी के लिए शत-प्रतिशत पौधों की जियो टैगिंग करायी जाए। पुन: उसी स्थान पर वृक्षारोपण न होए इसके लिए टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग किया जाए। जीआईएस तकनीकी से वृक्षारोपण स्थलों का पॉलीगन निर्माण कराया जाए।

उन्होंने कहा कि जनपदों के लिये नामित नोडल अधिकारी 20 जुलाई को अपने जनपदों में पहुंचकर वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा कर इस अभियान को सफल बनाएं। समस्त नोडल अधिकारियों द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान न्यूनतम 3 स्थलों पर वृक्षारोपण में प्रतिभाग किया जाए। वृक्षारोपण अभियान का आयोजन एक उत्सव के रूप में किया जाए। जलवायु परिवर्तन से बचने, पर्यावरण को बचाने और जीवित रहने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण आवश्यक हैए इसलिए पर्यावरण संरक्षण को समर्पित इस आंदोलन को सभी सक्रिय सहभागिता कर सफल एवं सार्थक बनाएं। निर्धारित लक्ष्य को कम मानते हुए प्रदेश में लक्ष्य से अधिक पौधों का रोपण होना चाहिए। पौध रोपण के साथ-साथ उनके सर्वाइवल पर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के दृष्टिगत आगामी 22 जुलाई प्रदेश के सभी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिन प्रदेश के समस्त कर्मियों द्वारा कम से कम एक पेड़ घर, घर के बाहर, पार्क, सड़क, कॉलोनी आदि में अवश्य लगाया जाए और पेड़ के साथ तस्वीर को हरीतिमा अमृत वन मोबाइल एप पर अपलोड किया जाए। इसके अलावा कर्मियों द्वारा स्वत: प्रेरणा से अपनी कॉलोनी, मोहल्ले में वृहद वृक्षारोपण महोत्सव का आयोजन कर लोगों को इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक राजस्व ग्राम व नगरीय क्षेत्र में प्रत्येक वार्ड में कम से कम 1000 पेड़ लगाए जाएं। ग्राम सभा की खुली बैठक में प्रस्ताव पारित किया जाए। 'हर खेत में मेड़, हर मेड़ पर पेड़' के तहत किसानों को मेड़ों पर पेड़ लगाने के लिये प्रोत्साहित किया जाए। नगर निकायों में इस सम्बन्ध में विशेष बैठक का आयोजन कराया जाए। हर घर नल योजना के तहत जिन लोगों को नल कनेक्शन दिए गए हैं, उनके द्वारा भी कम से कम एक पौधे का रोपण कराया जाए।

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान में निजी क्षेत्रों, एनजीओए धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं, एनएसएस, स्काउड गाइड, एनसीसी आदि को भी सम्मिलित किया जाए। दो लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में नन्दन वन की स्थापना की जाए। इसके अतिरिक्त अभियान के तहत ग्राम वन और आयुष वन की स्थापना करायी जाए। शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के द्वारा पौधारोपण कराया जाये। उन्होंने कहा कि ग्राम्य विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत सामुदायिक व अन्य खाली पड़ी भूमि पर वृक्षारोपण कराया जाए। ग्राम सभा, नवीन, पुरानी परती भूमि बंजर भूमि, चारागाह, नदी किनारे की भूमि, ग्रामीण सड़कों के किनारे, खेल के मैदान, अमृत सरोवर के चारो तरफ वृक्षारोपण कराया जाए। बैठक में बताया गया कि अभियान के तहत कुल निर्धारित लक्ष्य 35.24 करोड़ पौधा रोपण के सापेक्ष वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन को 14 करोड़, ग्राम्य विकास को 12.59 करोड़, राजस्व को 1.06 करोड़, पंचायतीराज को 1.28 करोड़, कृषि को 2.50 करोड़, उद्यान को 1.55 करोड़ सहित अन्य समस्त विभागों के लिए भी लक्ष्य निश्चित किए गए हैं।

अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण में दें अपना सहयोग: धर्मवीर प्रजापति

● होमगार्ड्स मंत्री ने मुख्यालय में किया पौधरोपण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड्स राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने गुरुवार को होमगार्ड मुख्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री द्वारा 22 जुलाई को प्रदेश में 30 करोड़ पौधे लगाये जायेंगे एवं 5 करोड़ पौधे 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लगाए जायेंगे।

प्रजापति ने इस अवसर पर कहा कि आज विभिन्न किस्म के 100 से अधिक पौधे लगाग गए। इसके माध्यम से पर्यावरण को हरा-भरा रखने में सहयोग मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि होमगार्ड्स विभाग ने विगत वर्ष लगभग 5 लाख पौधरोपण किया था। इस वर्ष होमगार्ड्स विभाग ने इससे अधिक पौधे लगाए जाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों का अक्षरश: पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रजापति ने कहा कि होमगार्ड्स जवान अधिक से अधिक पौधरोपण करेंगे। उन्होंने होमगार्ड्स जवानों को निर्देश दिए कि पौधरोपण के साथ ही उनकी देखभाल भी करें। साथ ही उन्होंने लोगों से भी अपील की, कि अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करें एवं पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन में सरकार का सहयोग करें। पेड़-पौधे एवं जल संरक्षण वर्तमान समय का सबसे ज्वलन्त मुद्दा है। इस दौरान अपर मुख्य सचिव अनिल कुमार ने भी पौधरोपण किया एवं लोगों से पर्यावरण को बचाने एवं बनाये रखने की अपील की। साथ ही डीजी होमगार्ड्स विजय कुमार मौर्य ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में आईजी होमगार्ड्स धर्मवीर, डीआईजी होमगार्ड्स विवेक कुमार सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों की नामांकन दर बढ़ाने को 31 जुलाई तक विशेष नामांकन अभियान

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की नामांकन दर बढ़ाने हेतु महत्त्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिविनि ने जानकारी देते हुए जिलाधिकारी महोदय को बताया कि कक्षा आठ 8 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की माध्यमिक स्तर की शिक्षा सुनिश्चित करने, माध्यमिक स्तर पर नामांकन दर बढ़ाने तथा कक्षा 8 से कक्षा 9 की ट्रांजिशन दर बढ़ाने के उद्देश्य से माध्यमिक स्तर पर 1 जुलाई 2023 से दिनांक 31 जुलाई 2023 तक विशेष नामांकन अभियान संचालित जाएगा। कक्षा आठ उत्तीर्ण प्रत्येक छात्र छात्रा का नामांकन राजकीय माध्यमिक विद्यालय अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय स्ववित्त पोषित माध्यमिक विद्यालय अथवा अन्य बोर्ड सीबीएसई आईसीएसई संस्कृत शिक्षा परिषद आदि के माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 में सुनिश्चित किया जाना है।

विद्यालयों में विद्यार्थियों की नामांकित दर बढ़ाने हेतु डीएम ने निर्देशित करते हुए कहा की जिला विद्यालय निरीक्षक बीएसए के साथ संयुक्त रूप से एक कार्य योजना विकसित कर विशेष नामांकन अभियान संचालित करें। विगत शैक्षिक वर्ष में कक्षा 8 उत्तीर्ण करने वाले छात्र छात्रा का विवरण तथा उसके द्वारा कक्षा 9 में प्रवेश लेने की स्थिति कक्षा 9 में प्रवेश की दशा में विद्यालय का नाम आदि उल्लेख कर रजिस्टर तैयार करें। जिलाधिकारी निर्देशित करते हुए कहा कि नामांकन अभियान हेतु प्रत्येक विकासखंड में अवस्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय के वरिष्ठ प्रधानाचार्य प्रधानाध्यापक को विकास खंड के लिए विकास खंड प्रभारी नामित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में उत्तरदायित्व नगर में अवस्थित जीआईसी,जीजीआईसी के प्रधानाचार्य मैं से वरिष्ठतम को नोडल नामित किया जाए। एबीएसए प्रतिदिन राजकीय अथवा एडेड विद्यालयों में भ्रमण करेंगे। विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता का निरीक्षण कर एबीएसए क्वालिटी चेक रिपोर्ट बीएसए को प्रस्तुत करें।

खीरी पहुंचे कबीना मंत्री, अफसरों की ली समीक्षा बैठक, जानी प्रगति, दिए निर्देश

- पशुधन मंत्री ने कैटल कैचर को दिखाई हरी झंडी, किया रवाना
- चरागाह की भूमि से हटवाए अवैध कब्जेः धर्मपाल

लखीमपुर खीरी। गुरुवार को यूपी के पशुधन एवं दुग्ध विकासए राजनैतिक पेंशनए अल्पसंख्यक कल्याणए मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा विभाग के मंत्री धर्मपाल सिंह अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद खीरी पहुंचे, जहां उनके जनपद आगमन पर डीएम महेंद्र बहादुर सिंहए सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने पुष्प देकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंचकर कबीना मंत्री धर्मपाल सिंह ने जिले में चरागाहए गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराकर नैपियर घासए चारा इत्यादि उगानेए निराश्रित गोवंश को गो.आश्रय स्थल पर पहुँचानेए देशी गाय के संरक्षण एवं रोग निदान के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में जरूरी बैठक कीए संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। शुरुआत में उन्होंने एक.एक अफसरों का परिचय जाना। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने गोवंश संरक्षण के लिए जनपद स्तर पर किए गए नवाचारों की जानकारी दी।

अध्यक्षता करते हुए पशुधन मंत्री ने निर्देश दिए कि हर गांव में चारागाहए गोचर की भूमियों को एसडीएम चिन्हित करें। एसडीएम.सीओ की संयुक्त टीमें उन्हें कब्जा मुक्त कराएं। उस पर नेपियर घास लगवायें, जिससे गौशालाओं में संरक्षित निराश्रित गौवंशों को हरा चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सके। सभी एसडीएम अपनी तहसील के बीडीओ एवं वीओ के साथ तथा विकास खण्ड स्तर पर बीडीओ ब्लॉक के सभी वीओ के साथ बैठक कर गौ.आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्ययोजना बनायें। पशुधन मंत्री ने कहा कि चरागाह की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए 45 दिनों का विशेष अभियान कुछ जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करें। गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराकर वहां निराश्रित गोवंश के लिए बहुवर्षीय चारा ;नैपियर घासद्ध का उत्पादन शुरू किया जाए। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाये जाने के लिए समुचित रणनीति बनानेए सभी बीडीओ एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा गौशालाओं का नियमित भ्रमण, निराश्रित गौवंशों को संरक्षित कराना, बधियाकरण अभियान में तेजी लाने, ग्राम चौपाल के माध्यम से पशुपालकों से अपील करें कि वह अपने पालतू गौवंश को न छोड़े अन्यथा गौवंश छोडने वालों पर कार्यवाही की जायेगी।

पशुधन मंत्री ने कहा कि देसी गाय का दूध अमृत है। अफसर कृतिम गर्भाधान के लिए विशेष प्रयास करें। किसानों को अच्छी गायए भैंसए भेड़ए बकरी पालने के लिए प्रोत्साहित करने को विशेष प्रयास करें। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए पूर्ण मनोयोग से काम करें। जिले में लंपी रोग की रोकथाम के लिए किए प्रयासों को सराहा। बाढ़ के मद्देनजर पशुओं को संक्रामक रोगों के टीके जरूर लगाएं। उन्होंने जिले में संचालित 12 मोबाइल वेटरनरी यूनिट के क्रियान्वयनए प्राप्त काल के सापेक्ष रिस्पांस जाना। टोल फ्री नंबर 1962 का व्यापक प्रचार.प्रसार कराएं। पीएम के सपने का उत्तर प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित होकर काम करें। पशुधन मंत्री ने विशेषतौर पर नंद बाबा मिशन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री स्वदेशी गोसंवर्द्धन योजना लागू की जा रही है। स्वदेशी गाय की योजना में पशुपालकों को 50 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाएगा। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि जिले में 4.68608 लाख गोवंश, 8.36358 लाख महिषवंश हैं। जिले में कुल 13 लाख चार हजार 966 पशु है। जिले में छह माह पूर्व 48 गो आश्रय स्थल संचालित थेए जो वर्तमान में बढ़कर 101 हो गए। जिले में 27665 निराश्रित गोवंश को 101 गो आश्रय स्थलों में संरक्षित है। वही पांच हजार गोवंश सुपुर्दगी हैं। जिले में अभी भी गोवंश को संरक्षित करने का सिलसिला जारी है। जिले में 87 अस्थाई गोवंश आश्रय स्थलए पांच वृहद गौ संरक्षण केंद्र, जिला पंचायत द्वारा 02, नगर पालिका परिषद द्वारा 05 एवं दो कान्हा उपवन संचालित है।

नगर पंचायत की लापरवाही से लगातार बढ़ती जा रही हैं नागरिकों की दुश्वारियां

- 20 साल पहले पूर्व चेयरमैन मौलाना अफजल ने बनवाया था मैरिज हॉल
- नगर फीलखाना में स्थित है मैरिज हॉल
- गंदगी, जलभराव के बीच शादी समारोह संपन्न कराने की मजबूरी

सीतापुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वच्छता अभियान यूपी के सीतापुर में दम तोड़ता नजर आ रहा है।स्वच्छता अभियान की हवा यहां ग्रामीण इलाका नहीं बल्की नगर पंचायत पैंतेपुर निकाल रही है। नगर पंचायत की लापरवाही से नागरिकों की दुश्वारियां लगातार बढ़ती जा रही है। नगर में मामूली बरसात होने पर होने वाले जलभराव और नगर के एक मात्र मैरिज हाल में व्याप्त भीषण गंदगी, उगी घास को देखकर तो यही लगता है कि नगर पंचायत पैंतेपुर प्रशासन को न तो साफ-सफाई और न ही नागरिकों की सुख सुविधाओं से कोई सरोकार है। नगर पंचायत पैंतेपुर में होने वाले जलभराव की समस्या से आपको रुबरु कराया था। आज आई इंडिया आपको ले चल रहा है नगर फीलखाना स्थित एक मात्र मैरिज हॉल। मैरिज हॉल के वीडियो देखकर आप अंदाजा लगा सकते है कि नगर पंचायत प्रशासन नागरिकों की मूलभूत जरुरतों के लेकर कितना संजीदा है। नगर पंचायत पैंतेपुर का यह बारात घर किस कदर एक तालाब की शक्ल में तब्दील होता जा रहा है। परिसर के अंदर बड़े-बड़े गड्ढे और जलभराव एंव उगी घास से यह कही भी नहीं लगता है कि यह नगर पंचायत का मैरिज हॉल है। मैरिज हाल की छत से पानी टपकता रहता है। सफाई व्यवस्था के प्रति यह लापलवाही तब है जब इन दिनों मुस्लिम समुदाय में निकाह हो रहे है ऐसे में इन्ही अव्यवस्थाओं के बीच नागरिक शादी समारोह संपन्न कराने को विवश है।

पुलिस ने दो साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

- साइबर सेल और शहर कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़े साइबर ठग
- बिहार और नई दिल्ली के रहने वाले है साइबर ठग
- पुलिस ने इनके कब्जे से 9 मोबाइल फोन और 14 प्री एक्टिवेटेड सिम किये बरामद

सीतापुर। आनलाइन समान मंगाने वालों के लिये यह खबर सावधान करने वाली हैं। सीतापुर पुलिस ने साइबर अपराध से जुडे 2 ऐसे अपराधियों को पकडा है जिनके कारनामें सुनकर आप के पैरों तले जमीन खिसक जायेगी। पुलिस की गिरफ्त में महज 20 और 21 साल के यह आरोपी आनलाइन समान मगानें वालो को कैसे चूना लगाते थे यह हम आपको पहले बताते है और फिर बताते है कि यह कहां के रहने वाले है और कहां से गैंग को संचालित करते थे। पुलिस के मुताबिक इनके अपराध करने का तरीका आपको भी जान लेना जरूरी है क्योकि इनकी ठगी के टारगेट पर आप भी हो सकते हैं।

अब आईये आपको इनके अपराध करने के तरीके को भी बता देते हैं। यह आरोपी पहले गूगल कोरियर ट्रैकर नाम से एक साइट बनाकर डाले रहते है जैसे ही कोई कस्टमर कोरियर टैऊक करने के लिए गूगल पर सर्च करता है इनकी साइट सर्च करता है वैसे ही कस्टमर की डिटेल इनके पास आ जाती है फिर यह आरोपी उसको फोन करके कहते है कि उनकी कोरियर फंस गई है अथवा डिएक्टिवेट हो गई है। एक्टिवेट करने के लिए 3 या 5 रुपये भेजने के लिए एक लिंक भेजते है जैसे ही लिंक से 3 या 5 रूपये कोई ट्रांसफर करता है उस कस्टमर की यूपीआई पिन इनके पास आ जाती है फिर यह आरोपी कस्टमर को एक मैसेज भेजते है और उसे फारवर्ड करने के लिये कहते है जैसे ही मैसेज कस्टमर फारवर्ड करता है कस्टमर की यूपीआई लॉगिन हो जाती है फिर पेजप के माध्यम से पैसा ट्रांसफर कर लेते है। पकडे गये आरोपियों के नाम मोहित इस्लाम पुत्र नूर इस्लाम निवासी इन्दिरा गांधी कैंप तैमूर नगर नाला पेड न्यू फ्रैन्डस कालोनी नई दिल्ली और सोनू कुमार पुत्र अरुण राम निवासी हाजीपुर जिला वैशाली बिहार है। यह दो अन्य साथियों के साथ फ्लैट में रहते थे पुलिस के मुताबिक सिटी स्टेशन के पास से इनकी गिरफ्तारी की गई है। इनके कब्जे से 9 मोबाइल फोन और 14 प्री एक्टिवेटेड सिम बरामद हुये है। क्षेत्राधिकारी नगर सुशील कुमार सिंह और शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आलोक मणि त्रिपाठी के निर्देशन में साइबर सेल प्रभारी राजीव कुमार सिंह, अपराध निरीक्षक कृष्ण बली सिंह, हेड कांस्टेबल उमेश मिश्रा, अनुराग पांडेय, आनंद कुमार, कांस्टेबल राजू, निकित कुमार, भूपेंद्र राणा को यह कामयाबी मिली। ऑनलाइन सामान मंगाने वाले अब हो जाये सावधान, अगर समान मंगवाया भी है तो उसे ट्रैक करने में सतर्कता बरते क्योंकि कही ऐसा न हो कि आप मगांये गये समान को ट्रैक कर रहे हो और उधर आप धोखा-धडी का शिकार बन जाये।

लोस के बीएलओ को बीएलओ ऐप के बारे में एसडीएम ने दिया प्रशिक्षण

गोला गोकर्णनाथखीरी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 139 गोला गोकर्णनाथ के अन्तर्गत लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की तैयारी के लिये उप जिलाधिकारी रत्नाकर मिश्रा के द्वारा बी एल ओ को प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण में उप जिला अधिकारी रत्नाकर मिश्रा ने बीएलओ को बीएलओ ऐप के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी, कैसे चलाना है और कैसे उस पर कार्य करना हैए तथा बीएलओ रजिस्टर तैयार करने के भी निर्देश दिये। साथ समस्त बीएलओ का घरदृघर सर्वे करने के भी निर्देश दिये गये। प्रशिक्षण में 4 पालियों में सम्पन्न कराया गया। जो 12.07.2023 को पहली पारी में बूथ सं0 01 से 103 तक 12 बजे से 02 बजे तक सम्पन्न हुई एवं 12 जुलाई को द्वितिय पाली में बूथ सं0 104 से 208 तक व अगले दिन 13.07.2023 को तीसरी पाली में बूथ सं0 209 से 312 तक करायी गयी एवं 13 जुलाई को चतुर्थ पाली में बूथ सं0 313 से 410 तक शकुशल सम्पन्न् हुई।

क्विक न्यूज

तीन लोगों को एसएसबी ने भारत नेपाल सीमा पर पकड़ा

तिकुनिया खीरी। 70 वाहिनी एसएसबी पोस्ट बरसोला में आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद के मालिक के घर से चोरी करके फरार हुए पति पत्नी सहित 3 लोगों को एसएसबी ने भारत नेपाल सीमा खखरौला मार्ग पार करते समय पकड़ लिया। बरामद सामान मे लाखों की नगदी 400 ग्राम सोना साढ़े चार किलो चांदी समेत करीब 5 करोड रुपए की संपत्ति बरामद हुई है। जानकारी मिलने पर डी आई जी जेडी वशिष्ठ 70वी वाहिनी कमांडेंट वीरेंद्र कुमार वर्मा सहित तमाम एसएसबी के जवान मौजूद रहे। चोरी की पकड़ी गई संपत्ति को हैदराबाद पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा। घटना के बाबत डीआइजी जेडी वशिष्ठ ने बताया कि गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर एसएसबी पोस्ट बरसोला के अधिकारियों तथा तथा जवानो ने तिकुनिया से नेपाल जाने वाले मार्ग पर इनोवा गाड़ी से आ रहे सुबह सात बजे नेपाली नागरिकों को खखरौला मार्ग पर दबोच लिया इस दौरान जामा तलाशी में नेपाली महिला पार्वती साउद पति शंकर साउद तथा सुनील चौधरी इनोवा का ड्राइवर विनोद को हिरासत में ले लिया गया। बरामदगी में गाड़ी से बरामद हुए सामान में साढ़े 4 किलो चांदी के बिस्कुट 400 ग्राम सोना जिसमें बिस्किट सिक्का ब्रेसलेट कीमती घड़ियां और डायमंड ज्वेलरी शामिल है इसके अलावा इनके पास से करीब रु. 36 लाख की नकदी बरामद हुई है।

बॉयलर से नीचे गिरकर मजदूर की मौत

बरेली । चीनी मिल में काम के दौरान वायलर से नीचे गिर कर घायल हुए मजदूर की इलाज के लिए जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हाफिज गंज थाना क्षेत्र के गांव औरंगाबाद निवासी 50 वर्षीय नन्हे लाल पुत्र मूलचंद की आज सुबह जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो गई अस्पताल में मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि नंदलाल नवाबगंज स्थित ओसवाल चीनी मिल में ठेकेदार के पास मजदूरी करता था और आज सुबह रोजाना की तरह काम करने के लिए मिल पहुंचा था लेकिन कुछ देर बाद ही फैक्ट्री में एक बॉयलर पर चढ़ते समय नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया साथ काम कर रहे मजदूरों ने घटना की जानकारी ठेकेदार और मिल प्रबंधन को दी मौके पर पहुंचे ठेकेदार और उसके साथियों ने उसे स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से हालत नाजुक देख कर उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया जहां पहुंचते ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया मिल प्रबंधन ने बताया कि नंदलाल जमीन पर रहकर ही काम करता था लेकिन आज पता नहीं किस कारण वह वायलर पर चढ़ गया और ऊंचाई पर चक्कर आने से वह जमीन पर गिर पड़ा जिससे उसकी मौत हो गई।

नदी में डूब कर ग्रामीण की मौत

बरेली । खेत पर जाने के लिए रास्ते में पड़ने वाली नदी को तैरकर पार करने की कोशिश कर रहा ग्रामीण गहरे पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। भमोरा थाना क्षेत्र के गांव सेधी निवासी राम बहादुर पुत्र गंगाशील की बुधवार शाम गांव के पास से बहने वाली अरिल नदी में डूबने से मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद उसके घर वालों ने बताया की राम बहादुर का खेत अरिल नदी के दूसरी ओर है वह रोजाना खेत पर जाने के लिए नदी को तैरकर पार करता था। अरिल नदी को तैर कर पार कर रहा था लेकिन बरसात के कारण नदी के पानी अधिक था और इसी के चलते वह गहरे पानी में डूब गया।

बेटी बरामद नही हुई तो माँ भूख हड़ताल पर बैठेगी

बरेली । थाना भमोरा के ग्राम खेड़ा निवासी बसंती देवी पत्नी कल्लू ने जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए चेतावनी दी है कि उसकी बेटी को बरामद ना करने पर 17 जुलाई से वह अनशन पर बैठ जाएगी। प्रार्थनी ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय पेटी का 19 जून 2030 को अपहरण हो गया था जिसका थाना भमोरा में ज्ञानी आदि के नाम मुकदमा दर्ज किया गया है । परंतु पुलिस राजनीतिक दबाव के चलते अभी तक नाबालिक को बरामद नहीं कर रही है।

सांड के हमले से व्यापारी घायल

बरेली । दुकान पर बेचने के लिए सामान खरीद कर घर लौट रहे बाइक सवार व्यापारी को रास्ते में मिले सांड ने रास्ते में घेर कर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों ने सांड को भगा दिया और घटना की जानकारी उसके घर वालों को दी जो मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया ।बिथरी चौनपुर थाना क्षेत्र के बिचपुरी निवासी शोभित सक्सैना को बीती रात एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसके घर वालों ने बताया कि शोभित सक्सैना घर के पास ही परचून की दुकान चलाता हैं और कल दिन में मोटरसाइकिल से अपनी दुकान पर बेचने के लिए सामान खरीदने को श्यामगंज के बाजार गया था जहां से वापस लौटते समय डोहरा मोड़ पर एक आवारा सांड ने उसे रास्ते में घेर कर हमला कर दिया जिससे वह मोटरसाइकिल समेत जमीन पर गिर पडा और गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी उसके घर वालों को देकर सांड को भगा दिया।

खीरी आएंगे उप्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष

लखीमपुर खीरी। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि उप्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष (राज्यमंत्रीस्तर) डॉ. देवेन्द्र शर्मा 13 व 14 जुलाई को दो दिवसीय भ्रमण पर आएंगे। आयोग के अध्यक्ष 13 जुलाई को जनपद खीरी पहुंचकर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। 14 जुलाई को सुबह 09.30 बजे जिला अस्पताल, पीकू वार्ड, प्रा., उच्च प्रा. विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पोषण पुनर्वास केन्द्र एवं आंगनवाडी केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे। 1.30 कलेक्ट्रेट में जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की टास्क फोर्स के नामित अधिकारी, पुलिस, सीएमओ, एएलसी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई की अध्यक्ष/सदस्य, बाल कल्याण समिति, चाइल्ड लाइन, जिविनि, बीएसए, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा बैठक लेंगे।

कीड़े वाले आटे की रोटी का मामला प्रधानाध्यापक समेत दो का तबादला

शाहजहांपुर। कीड़े वाले आटे की रोटी खिलाने का दोषी मानते हुए प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है। वहीं शिक्षा मित्र को भी विद्यालय से हटा दिया गया। बीएसए ने इस प्रकरण में शिक्षा मित्र को भी दोषी माना है। कीड़े वाले आटे को गूंदते समय उसका वीडियो शिक्षामित्र ने ही बनाकर वायरल किया था। बीएसए का कहना है कि, अगर आटे में कीड़े थे तो उसका वीडियो बनाने से पहले सूचना अधिकारियों को देना चाहिए थे। स्कूल में शिक्षामित्रों के बीच गुटबाजी भी देखने को मिली है। बता दें कि, सोमवार को अहमदपुर टिक्कल प्राथमिक विद्यालय में मिड-डे-मिल के आटे में कीड़े होने के बावजूद उसकी रोटी बनाकर बच्चों को खिलाई गई थी।

शाहजहांपुर में अहमदपुर टिक्कल प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को मिड-डे-मिल के आटे कीड़े होने के बावजूद उसकी रोटी बनाकर बच्चो को खिलाई गई थी। शिक्षा मित्र गौरी मिश्रा ने उसी आटे को गूंदते समय उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया था। आटे में कीड़े थे इसकी सूचना शिक्षा मित्र ने न तो प्रधानाध्यापक वंदना रस्तोगी दी थी और न ही उसकी सूचना किसी अधिकारी को दी थी। इस मामले में हंगामे के बाद बीएसए रणवीर सिंह ने तीन सदस्य कमेटी बनाकर जांच के आदेश दिए थे। प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए प्रधानाध्यापक वंदना रस्तोगी निलंबित कर दिया है। शिक्षा मित्र गौरी मिश्रा को दोषी मानते हुए उनको दूसरे विद्यालय तबादला किया है। बीएसए रणवीर सिंह ने बताया कि, एक ज्ञापन के साथ वीडियो भी दिया गया था। आटे को गूंदते समय उसका वीडियो शिक्षामित्र ने बनाकर वायरल किया था। ऐसा करना गलत है। इसकी सूचना शिक्षा मित्र सबसे पहले अधिकारियों को देते, लेकिन उन्होंने ऐसा नही किया। इसलिए वो भी दोषी हैं। प्रधानाध्यापक वंदना रस्तोगी को निलंबित कर शिक्षा मित्र को दूसरे विद्यालय भेजा गया है।

दिव्यांग से ब्याह करने पर सरकार देगी पुरस्कार

लखीमपुर खीरी। दिव्यांग से व्याह रचाने पर युवाओं को दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का लाभ मिलेगा। इसके तहत पति के दिव्यांग होने पर 15 हजार पत्नी के दिव्यांग होने पर 20 हजार व दोनों के दिव्यांग होने पर 35 हजार रुपए दिया जाएगा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अभय कुमार सागर ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत दिव्यांग व्यक्तियों से विवाह करने पर प्रोत्साहन राशि दी जाती है। पति के दिव्यांग होने पर 15 हजार, पत्नी के दिव्यांग होने पर 20 हजार तथा पति एवं पत्नी दोनों के दिव्यांग होने पर 35 हजार राशि अनुदान स्वरूप प्रदान किया जाता है। इसके लिए जरूरी है कि दोनों दंपति प्रदेश के मूल निवासी होए दंपति में पति की उम्र 21 वर्ष से 45 वर्ष तथा पत्नी की उम्र 18 वर्ष से 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। पति एवं पत्नी में से कोई भी आयकर दाता की श्रेणी में न आता हो। दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए। ऐसे दिव्यांग दम्पति पात्र होगे जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष अथव वर्तमान वित्तीय वर्ष मे हुआ हो। दिव्यांग शादी.विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत इच्छुक दिव्यांग दम्पति जिनकी चालू एवं गत वित्तीय वर्ष में सम्पन्न हुई शादी सम्पन्न हुई है वह शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए आनलाइन पर आवेदन कर सकते है। आनलाइन फार्म भरते समय आवेदक दम्पति को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटोए आयए जाति प्रमाण पत्रए युवक एवं युवती का आयु का प्रमाण पत्र ;जिसमें जन्मतिथि का अंकन होद्धए सक्षम अधिकारी से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्रए राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाताए अधिवास का प्रमाण पत्र, युवक व युवती की आधार कार्ड की छायाप्रति आदि अभिलेखो के साथ आवेदन पत्र आनलाइन उपरोक्त वेबसाइट पर करना अनिवार्य है। आनलाइन सबमिट आवेदन पत्र की प्रिंट प्रति एवं वांछित प्रपत्रो की हार्डकापी कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को उपलब्ध करायेगे।

दुकान निर्माण, संचालन योजना के लिए दिव्यांगजन करें आवेदन

लखीमपुर खीरी। दिव्यांगजनो को पुनर्वासित करने के उद्देश्य से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उप्र द्वारा संचालित दुकान निर्माण/संचालन योजनान्तर्गत वर्ष 2023-24 के लिये आवेदन फार्म आमंत्रित गए है। (रू. 10000 ; ऋण रू0 7500.00 व अनुदान 2500) स्वीकृत किया जायेगा। वेवसाइट के माध्यम से स्थापित जन सुविधा केन्द्रो आदि के माध्यम से आवेदन आनलाइन करेगे। दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला नवीनतम फोटो, आयु प्रमाण पत्र, जन्मतिथि का अंकन हो, सक्षम प्राधिकारी के स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र बैक खाता संबंधी प्रपत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, खोखा गुमटी आदि की रसीद (दुकान का मालिकाना हक सम्बन्धी प्रपत्र) तथा आधार कार्ड की स्व.प्रमाणित प्रति तथा एक गवाह के सहमति पत्र (आधार कार्ड) साथ आवेदन करेगे।

साफ-सफाई का प्रबंध सुनश्चित करने का फरमान

- जिलाधिकारी ने विद्यालय मे अभिलेखों के रख-रखाव को भी देखा

शाहजहांपुर। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने बृहस्पतिवार को राजकीय इण्टर कालेज, शाहजहाँपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रभारी प्रधानाचार्य शैलेन्द्र विक्रम सिंह से विद्यालय मे दी जा रही शिक्षा की शैक्षिक गुणवत्ता के विषय मे जानकारी ली। अंग्रेजी विषय के अध्यापक से फोन पर वार्ता भी की। डीएम ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिये जाने हेतु निर्देशित किया। सभी अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे। डीएम ने प्रभारी प्रधानाचार्य शैलेन्द्र विक्रम सिंह व सहायक अध्यापक प्रेम शंकर सक्सेना से उनके कार्यो के विषय में भी जानकारी ली। इस दौरान टीसी वितरण रजिस्टर भी चेक किया। डीएम ने विद्यालय मे अभिलेखों के रख-रखाव को भी देखा।

डीएम ने जीआईसी के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई का प्रबन्ध सुनश्चित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने विद्यालय में अभिलेखों तथा पुस्तकालय की पुस्तको को व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि पुस्तकालाय की जिन पुस्तकों की स्थिति खराब है उनपे जिल्द साजी करवाये। डीएमी ने स्थापित पुस्तकालय को किसी अन्य कक्ष में स्थानान्तरित करने हेतु निर्देश दिये। पुस्तकालय को स्थनान्तरण कर नियमति साफ-सफाई कर संचिलत रखा जाये। डीएम ने जीआईसी की खाली पड़ी भूमि पर वृक्षारोपण कराने के भी निर्देश दिये। डीएम ने निर्देशित करते हुये कहा कि सभी अध्यापक निर्धारित समयावधि तक विद्यालय में अवश्यक रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। साथ ही डीएम ने सभी अध्यापकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिये जाने हेतु निर्देश दिये। डीएम ने प्रभारी प्रधानाचार्य शैलेन्द्र विक्रम सिंह व सहायक अध्यापक द्वारा निर्धारित समय उपरान्त भी कार्य करते पाये जाने पर उनकी प्रशंसा की साथ ही प्रशस्ति पत्र देने की भी बात कही। उन्होने टीसी वितरण रजिस्टर भी चेक किया। टीसी राजिस्टर के पृष्ठ प्रमाणित न पाये जाने पर 02 दिनो में प्रष्ठ प्रमाणित करने के निर्देश डीएम ने दिये।

आरेडिका के इको.कम जॉगर्स पार्क में किया गया वृक्षारोपण

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में पर्यावरण संरक्षण एवं कार्वन उत्सर्जन को कम करने के लिए कॉलोनी परिसर में महाप्रबंधक श्री पी के मिश्रा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जामुनए करेंज, अर्जुन, सागौन के 2000 वृक्षों का रोपण आरम्भ किया।यह वृक्षारोपण कार्यक्रम सीएओ एसके कटियार के मार्गदर्शन में किया गया। वृक्षारोपण के लिए पौधों की उपलब्धता एनजीओ के द्वारा सुनिश्चित की गयी। श्री कटियार ने बताया कि महाप्रबंधक महोदय ने ईको पार्क में 20000 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया था जिसके प्रथम फेज में प्रोजेक्टए सिविल कॉस्ट्रक्शन तथा स्पोर्ट विभाग के कर्मचारियों द्वारा स्वंय श्रमदान कर पौधे लगाए। इसी कड़ी में आगे महाप्रबंधक महोदय ने यूनियन प्रतिनिधियों के साथ टाइप.3 कालौनी के पार्क में वृक्षारोपण किया तथा कॉलोनी के निवासियों से वार्तालाप कर उनको मिल रही सुविधाओं एवं अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकताओं के बारे में समझा एवं उपस्थिति संबंधित विभाग के अधिकारियों से समाधान के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर आरेडिका के पीसीएमई श्री शमशेर सिंह कलसीए पीसीएमएम श्री एन डी रावए पीसीईई श्री हरीश चन्द्रए पीसीपीओं श्री अमर नाथ दुवेए पीसीएमओ श्री एम के शकरवालए सीई श्री सत्य प्रकाश यादवए पीसीएससी श्री रमेश चन्द्र सहित प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं उच्च अधिकारीगण तथा कर्मचारियों ने वृक्षारोपण में सहभागिता की।

नवागत सहायक उप नियंत्रक पकज कुदेशिया का शाल ओढ़ाकर पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया

बरेली । नागरिक सुरक्षा कोर की नगर स्तर की बैठक मुख्यालय पर आहूत की गई,बैठक प्रारम्भ होने से पूर्व चीफवार्डन महोदय राजीव शर्मा द्वारा प्रफुल्लित मन से पुनः नवागत सहायक उप नियंत्रक पकज कुदेशिया का शाल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। बैठक में मुख्य रूप से उपनियन्त्रक राकेश मिश्र वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक प्रमोद डागर ,डिप्टी चीफ वार्डन दिनेश कटियार,स्टाफआफिसर्स टू चीफवार्डन अमित पन्त एवम प्रभागीय वार्डन अलखनाथ, बारादरी एवम सिविल लाईन्स डा हरिओम मिश्र, रंजीत बशिष्ठ, दिनेश यादव मिशबाहुल इस्लाम, कलीम हैदर सैफी, डा उस्मान नियाज, डा अनवर हुसैन , शुभलेश पाण्डेय, संजय पाठक, हरीश भल्ला, कवलजीत सिंह, अनिल शर्मा, जफर वेग, गीता दोहरे, राजीव छाबड़ा, स्वदेश कुमारी, हैदर, संजीव दुस्सा आदि वरिष्ठ वार्डन आदि उपस्थित रहे।

केंद्र की टीम ने किया पीएचसी लघुचा का गहन निरीक्षण, परखीं व्यवस्थाएं

संवाददाता। लखीमपुर.खीरी

फरधान सीएचसी की पीएचसी व हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर लघुचा का भारत सरकार की टीम द्वारा भ्रमण कर मूल्यांकन किया गया। टीम डॉ तोमेश के नेतृत्व में एचडब्ल्यूसी पहुंची। जहां टीम ने ग्रामीण स्तर पर आम जनमानस को शासन द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानी। फरधान सीएचसी अधीक्षक डॉ अमित बाजपेई ने बताया कि भारत सरकार की टीम डॉ तोमेश के नेतृत्व में भ्रमण कर सीएचसी पीएचसी व उपकेंद्र सहित हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर आम जनमानस को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी एकत्रित कर रही है। साथ ही इस बात का भी मूल्यांकन कर रही है कि जिले में आम जनमानस को कैसी स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। शासन स्तर से चलाई जा रही योजनाओं का आम जनमानस को लाभ मिल रहा है या नहीं! साथ ही योजनाओं का क्रियान्वयन गांव.गांव तक किस तरह से किया जा रहा है।

इन सभी पहलुओं के साथ ही टीम द्वारा डीवीडीएमएस पोर्टलए ऑनलाइन मेडिसिनए इन्डेंट कैसे किया जाता है व किस तरह से मेडिसिन मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही हैए मेडिसिन के अच्छे रख रखाव सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। टीम ने दवा की उपलब्धता स्टॉक रजिस्टर मेंटेनेंस व साफसफाई व्यवस्था का भी मूल्यांकन किया। इस दौरान टीम ने डॉण् ताजुद्दीन, फार्मासिस्ट मुनेंद्र वर्मा व सीएचओ हेमलता से भी दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी की।

सोमवती अमावस्या मेले के आयोजन के मद्देनज़र प्रशासन ने की तैयारी

● मेला परिक्षेत्र में डीएम ने की जोनल/ सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला की उपस्थिति में श्रावण मास की सोमवती अमावस्या मेला को सकुशल संपन्न कराए जाने के संबंध में एक आवश्यक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने समस्त जोनल/ सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार 17 जुलाई को श्रावण मास की सोमवती अमावस्या मेला है। जिन अधिकारियों कि ड्यूटी अमावस्या मेले को संपन्न कराने के लिए लगाई गई है वह अपने अपने स्थान पर तैनात रहकर पुलिस अधिकारियों के साथ संपर्क स्थापित करते हुए अमावस्या मेला को सकुशल संपन्न कराएं। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि साफ-सफाई पूरे मेला क्षेत्र की अच्छी तरह से करा दिया जाए। बरसात को देखते हुए मंदाकिनी गंगा में अगर जलस्तर बढ़ता है तो उसकी भी व्यवस्था करानी होगी। उन्होंने अधिशासी अधिकारी विद्युत से कहा कि विद्युत व्यवस्था रामघाट एवं परिक्रमा मार्ग पर लगातार निर्बाध रूप से बनी रहे।

उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों से कहा कि अपने क्षेत्र में जो शिवालय है वहां पर सुरक्षा की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराएं। उन्होंने एआरटीओ को निर्देशित किया कि कोई भी बस, टेंपो, ई रिक्शा में ओवरलोडिंग होकर गाड़ियां न आए व नए बस स्टॉप पर ही बसों को रोकें। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने पुलिस और मजिस्ट्रेटों से कहा कि मेला के दौरान पर्यटन तिराहा से चार पहिया वाहन रामघाट की तरफ न जाने दिया जाए।

साइकिल सवार को रौंदकर कार पलटी, दारोगा सहित दो की मौत

संवाददाता। चित्रकूट

चित्रकूट जिले में तेज रफ्तार कार अनयिंत्रति होकर साइकिल सवार को रौंदते हुए पलट गई। जिससे कार में सवार दरोगा की हादसे में मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। मिली जानकारी के मुताबिक झांसी - मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में चत्रिकूट जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र के बगरेही गांव के पास गुरुवार को दर्दनाक हादसा हुआ। अनियंत्रित कार साइकिल सवार को रौंदते हुए पलट गई। जिससे कार में सवार दारोगा श्याम प्रकाश (38)समेत साइकिल सवार रामशेखन (52) की मौत हो गई। घटना गुरुवार को करीब साढ़े दस बजे रैपुरा थाना के बगरेही गांव में झांसी-मीरजापुर हाईवे पर हुई है।

जनपद प्रयागराज थाना सोरांव के सेवहटा में रहने वाले उप निरीक्षक श्याम प्रकाश जनपद बांदा थाना अतर्रा की महुटा चौकी में तैनात थे। बताते हैं कि गुरुवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह अपनी कार से घर जा रहे थे। जैसे ही बगरेही के पास पहुंचे तो अचानक उनकी कार से सामने साइकिल सवार आ गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर साइकिल सवार को रौंदती हुई खेत में पलट गई। रामशेखन की मौके पर मौत हो गई है जबकि घायल दारोगा को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां पर उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

दबंगों ने महिला चिकित्सक आवास पर किया पथराव

●घटना के बाद आला अधिकारियों के साथ सीएमओ पहुंचे मौके पर

●घटना के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने ओपीडी बंद कर जताया विरोध

संवाददाता। जालौन, उरई

सीएचसी पहुंची गर्भवती महिला के परिजनों ने महिला चिकित्सक के अस्पताल परिसर में स्थित आवास का गेट खुलने में देरी होने से गाली, गलौज कर न सिर्फ दरवाजे पर लातें मारी बल्कि आवास पर पथराव भी कर दिया। घटना के बाद सीएमओ सहित एसडीएम व सीओ भी मौके पर पहुंचे। बाद में चिकित्सा अधीक्षक के द्वारा महिला चिकित्साधिकारी ने कोतवाली में तहरीर दी।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। नगर क्षेत्र में देवनगर चौराहे के पास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित है। गुरुवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुढ़ार निवासी अजीत सिंह अपनी तीन माह की गर्भवती पत्नी अंकिता को लेकर अस्पताल परिसर में पहुंचे। उस समय महिला चिकित्सक अपने आवास पर थीं। सुबह लगभग पौने छह बजे महिला के परिजन अस्पताल परिसर में ही मौजूद महिला चिकित्सक के आवास पर पहुंच गए।

पहले उन्होंने दरवाजा खुलवाने के लिए दरवाजा खटकाया। चिकित्सक के अनुसार जिस समय परिजनों ने दरवाजे को खटखटाया तब वह बाथरूम में थी। इसलिए वह तुरंत दरवाजा नहीं खोल सकी। उधर दरवाजा खुलने में देरी होती देख परिजनों ने गाली, गलौज शुरू कर दरवाजे पर लातें मारना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं परिजनों ने आवास पर पत्थर भी फेंके। जिससे खिड़की के शीशे टूट गए। महिला चिकित्सक ने इसकी सूचना चिकित्सा अधीक्षक डॉ. केडी गुप्ता को मोबाइल पर दी।

लगभग आधा घंटे बाद मौके पर पहुंची पुलिस के आने से पूर्व ही महिला के परिजन महिला को लेकर वहां से भाग गए। लगभग एक घंटे बाद परिजन महिला को लेकर पुन: सीएचसी पहुंचे। जहां उन्होंने महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद अस्पताल में तैनात डॉक्टरों ने ओपीडी बंद कर दी। सूचना मिलने पर एसडीएम सुरेश कुमार, सीओ रविंद्र गौतम एवं बाद में सीएमओ एनडी शर्मा भी अस्पताल पहुंच गए और घटना को लेकर जानकारी ली।

खुद चोरी कर फ़र्जी रिपोर्ट दर्ज कराने वाला सेल्समैन गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद पुलिस ने चोरी की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वाले सेल्समैन के कारनामे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने थाना शमशाबाद के ग्राम सिरपालपुर निवासी सेल्समैन उपेंद्र पाल व उसके भाई रोहित को गिरफ्तार कर घर में चोरी के छिपाए गए 95050 रुपए व घटना में प्रयोग किए गए मोबाइल फोन को बरामद कर लिया हैं।

कोतवाली मोहम्मदाबाद के इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह ने गिरफ्तार दोनों भाइयों को पुलिस लाइन में मीडिया के सामने पेश किया। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय सिंह ने मीडिया को बताया कि ताजपुर देशी शराब ठेके के सेल्समैन उपेंद्र पाल ने बीते दिनों शराब ठेके से 1,18 लाख रूपयों की चोरी की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सर्विलांस टीम को पता चला कि चोरी की घटना में उपेंद्र ही शामिल है। पुलिस ने रोहित के द्वारा घर में छिपाए गए 95050 रुपए बरामद किए। उपेंद्र ने पुलिस को बताया कि मेरी मां छत से गिरकर घायल हो गई थी उनके इलाज के लिए रुपयों की जरूरत थी। भाई रोहित को शराब ठेके पर बुलाकर उसे शराब बिक्री के रुपए दे दिए थे। इसलिए मैने मनगढ़ंत कहानी बनाकर झूठा मुकदमा लिखाया था। उन्होंने बताया कि खुलासे के बाद सेल्समैन उपेंद्र व उसके भाई रोहित को चालान करके जेल भेज दिया गया है।

नारायण नगर अध्यक्ष और गोपाल बने युवा नगर अध्यक्ष

फतेहपुर। भारती दोसर वैश्य महासमिति एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष नारायण गुप्ता ने कहा कि संगठन को गतिशील बनाने के लिए नए पदाधिकारियों को संगठन से जोड़ने की आवश्यकता है जिसको ध्यान में रखते हुए आज दो पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया है। जिसमें युवा अध्यक्ष गोपाल गुप्ता तथा मेन बॉडी का नगर अध्यक्ष नारायण बारदाना वालों को बनाया गया है। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महासमिति के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि नए पदाधिकारियों के मनोनयन से संगठन और गतिशील होगा। संचालन जिला महामंत्री राजन गुप्ता ने किया। इस मौके पर लालजी गुप्ता, सुशील गुप्ता, भरत गुप्ता, सुधीर गुप्ता, मनीष गुप्ता मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति कम देखकर डीएम ने जताई नाराजगी

●ड्यूटी से गायब मिली प्रधानाध्यापिका का वेतन रोकने के दिये निर्देश

संवाददाता। उरई, जालौन

गुरुवार को जिलाधिकारी चांदनी सिंह परिषदीय विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता परखने की मंशा से कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय कुसमिलिया व आदर्श प्राथमिक विद्यालय मौखरी का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। औचक निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य ममता स्वर्णकार अनुपस्थित पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की साथ ही नो वर्क नो पे के आधार पर वेतन रोकने के निर्देश दिये।

उन्होंने विद्यालय में छात्र-छात्रायें उपस्थित पंजिका का निरीक्षण करने पर छात्र-छात्राओं के पंजीकरण के सापेक्ष उपस्थिति कम होने पर संबंधित अध्यापक को पंजीकृत बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराये तथा दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये। कक्षा-4 व कक्षा-5 में प्रकाश की व्यवस्था कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान देखा गया कि स्कूल परिसर की एक कक्ष में दो खिड़की है जिस पर संबंधित ग्राम के दबंगों द्वारा एक खिड़की ईट लगाकर बंद कर दी गयी व दूसरी खिड़की के पास दुर्गन्धित कूड़ा डाला जा रहा है जिससे छात्र-छात्राओं में संक्रमण फैलने की सम्भावना बनी हुयी हैं। जिलाधिकारी ने उक्त प्रकरण का संज्ञान गंभीरता से लेते हुये उप जिलाधिकारी उरई व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उक्त प्रकरण के निस्तारण के लिये त्वरित मौके पर पहुंचकर दबंग व्यक्ति के खिलाफ जांच कर आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जाये।

जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई, किचिन, पेयजल, अग्निशमन यंत्र, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जायजा लिया और सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिये।

क्विक न्यूज

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

फर्रुखाबाद। दहेज के लिए हत्या का आरोप ससुराल में नवविवाहिता की मौत हो गयी। मौके पर पंहुचे मृतका के स्वजनों नें दहेज के लिए हत्या किये जाने का आरोप लगाया। पुलिस नें शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना नवाबगंज के ग्राम सोना जानकीपुर निवासी सुमित कुमार राजपूत का विवाह बीते 22 जून 2022 को जनपद कन्नौज के गोसाईगंज के ग्राम भवानीपुर निवासी नन्ही देवी राजपूत के साथ हुआ था। मृतका नन्ही देवी के भाई कश्मीर सिंह नें बताया कि बुधवार शाम नन्ही नें फोन कर बताया था कि ससुराली उसके साथ मारपीट कर रहे है। जिसके बाद नन्ही का फोन बंद हो गया। लगभग रात 9. 30 बजे वह बहन की ससुराल जानकीपुर पंहुचे तो ससुराल वाले घर से फरार थे। उसका शव घर पर रखा था। घटना की सूचना पुलिस को दी तो पुलिस मौके पर पंहुची। मृतका के 10 दिन की दुधमुही बच्ची है।

पुलिस ने 24 घंटे में किया चोरी का खुलासा

मानिकपुर/चित्रकूट। एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ मऊ राजकमल की देखरेख में मानिकपुर पुलिस टीम ने चोरी की घटना का 24 घंटे में खुलासा कर चार चोरों के कब्जे से दो क्विंटल सरसों व 32 हजार रुपये समेत गिरफ्तार किया। ज्ञात है कि मानिकपुर कस्बे के दीपक साहू पुत्र रामबाबू साहू निवासी बाल्मीकिनगर के घर से 12 जुलाई को अज्ञात चोरों ने दुकान की कुण्डी खोलकर नकदी व सरसों चुरा ले गये थे। पुलिस ने मामला दर्जकर दरोगा हारुन रशीद खां की टीम को विवेचना सौंपी। पुलिस ने डब्बू कोल, सत्येंद्र कोल, कुड्डू कोल व छोटू कोल निवासी गोविंदनगर कस्बा मानिकपुर को गिरफ्तार किया।

18 खाद्य कारोबारियों पर लगा 3,19,500 रुपये अर्थदंड

फतेहपुर। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय देवेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम- दो हजार छः के अन्तर्गत मिलावटी खाद्य पदार्थो से संबंधित खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा दायर वादों में 18 खाद्य कारोबारकर्ताओं/खाद्य व्यवसायियों के विरूद्ध जून माह में तीन लाख उन्नीस हजार पांच सौ रूपये अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। उन्होने बताया कि दूध एवं दुग्ध उत्पाद व मिठाई के आठ वादों में कुल एक लाख सैतालीस हजार रूपये अर्थदण्ड, दाल व बेसन के तीन वादों में कुल पैसठ हजार रूपये अर्थदण्ड, सरसों तेल के तीन वादों में कुल सोलह हजार पाच सौ रूपये अर्थदण्ड, खाद्य मसालें के दो वादों में कुल पैसठ हजार रूपये अर्थदण्ड तथा नमकीन व अन्य के दो वादों में कुल छब्बीस हजार रूपये अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है।

पेज एक का शेष

यमुना में...

कैलाश गहलोत ने कहा कि यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर एहतियाती कदम के रूप में राज्य सरकार ने सिंधु बार्डर सहित शहर की चारों सीमाओं से आवश्यक सामान लाने वाले वाहनों को छोड़कर भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। मेट्रो की ब्लू लाइन पर यमुना बैंक स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश व निकास अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है और उसकी गति भी सीमित कर दी गई है। दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि यमुना बैंक स्टेशन की ओर आने वाली सड़क पर पहुंच भी अभी संभव नहीं है। ओल्ड रेलवे ब्रिज पर नदी का जलस्तर बुधवार रात 208 मीटर के निशान को पार कर गया था। वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल शोधक संयंत्र बंद कर दिए गए, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। लोगों की परेशानियां बढ़ने पर उन्होंने विधायकों, पार्षदों, स्वयंसेवकों और अन्य लोगों से राहत शिविरों तक पहुंचने और वहां लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। यमुना का जल स्तर बढ़ने से बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय में पानी भर गया, जहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके मंत्रिमंडल और अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों के आवास-कार्यालय हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें दिल्ली सचिवालय में पानी भरने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि वे स्थिति को लेकर यातायात पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीरी गेट और पुराना लोहे के पुल के बीच रिंग रोड पर पानी भर गया है और इसलिए वहां यातायात रोक दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट (पूर्व) के एक आदेशानुसार, जल स्तर अत्यधिक बढ़ने के कारण गीता कॉलोनी में शमशान घाट को बंद कर दिया गया है। लोगों के घुटनों तक गहरे पानी से गुजरते और निचले इलाकों में अपना सामान ले जाते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं। यमुना का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर दिल्ली यातायात पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक परामर्श जारी किया है। परामर्श के अनुसार आईपी फ्लाईओवर और चंदगी राम अखाड़े के बीच महात्मा गांधी मार्ग, कालीघाट मंदिर और दिल्ली सचिवालय के बीच महात्मा गांधी मार्ग, और वजीराबाद ब्रिज तथा चंदगी राम अखाड़े के बीच बाहरी रिंग रोड पर यातायात बाधित है। परामर्श में कहा गया कि ऐसे व्यावसायिक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिनके गंतव्य तय न हो। उन्हें पूर्वी तथा पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे की ओर भेजा जाएगा। व्यावसायिक वाहनों का मार्ग मुकरबा चौक से बदला जाएगा इसके अलावा मुकरबा चौक और वजीराबाद पुल के बीच किसी भी व्यावसायिक वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परामर्श के अनुसार, व्यावसायिक वाहनों को सराय काले खां से अन्य मार्ग पर भेजा जाएगा। सराय काले खां और आईपी फ्लाईओवर के बीच ऐसे किसी भी वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गाजीपुर बॉर्डर तथा अक्षरधाम से भी उनके मार्ग परिवर्तित किए जाएंगे। अक्षरधाम और सराय काले खां के बीच भी ऐसे किसी वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हर गुजरते घंटे के साथ स्थिति बिगड़ने के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और पुलिस ने एहतियाती तौर पर राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में बुधवार को धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। इस धारा के तहत चार से अधिक लोगों के एक ही स्थान पर एकत्रित होने पर रोक होती है।

हादसों में...

बजे किसी राहगीर ने फोन कर सूचना दी कि सिरसपुर जीटी रोड पर दो ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई है, जिसमें कई लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने हादसे में घायल कावड़ियों व उनके ट्रक में सवार अन्य लोगों को एंबुलेंस व स्थानीय लोगों की मदद से अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने चार कांवड़ियों को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान कांवड़ियों के ट्रक चालक ने भी दम तोड़ दिया। छानबीन में पता चला कि ट्रक कांवड़ यात्रियों को लेकर दिल्ली नांगलोई इलाके से हरिद्वार जा रहा था। इस दुर्घटना में संदीप कुमार, रजत, आर्यन, जगमिंदर बल्हारा और ट्रक चालक राजू की मौत हुई है। हादसे में घायल 19 लोगों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान पप्पू कुमार के रूप से हुई है। वहीं गाजियाबाद में हुए हादसे के बारे में ग्रामीणों के बताया कि यह हादसा उस समय हुआ कि जब डाक कांवड़ लाने के लिये चिरोड़ी गांव के युवक कैंटर से हरिद्वार जा रहे थे। गांव से निकलते ही उनके वाहन में ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसके बाद डाक कांवड़ वाला कैंटर अनियंत्रित होकर वहां से गुजर रही एचटी लाइन से टकरा गया। इस हादसे में जहां चिरोड़ी निवासी कांवडिया गौरव पुत्र सतीश की मौत हो गई वहीं चिरोड़ी निवासी ब्रजपाल, नीरज, सचिन, तरूण, जयदीप, कुलदीप, सुमित व गौरव आदि गंभीर रूप से घायल हो गये।

मोदी ने...

करने पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद, मोदी ने प्रधानमंत्री बोर्न से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। इस दौरान वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ व्यापक वार्ता करेंगे और विशिष्ट अतिथि के रूप में फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होंगे। मोदी ने पेरिस में होटल में पहुंचने के बाद बच्चों और भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। होटल के बाहर इंतजार कर रहे भारतीय समुदाय के उत्साही सदस्यों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान भारत माता की जय के नारे लगाए। मोदी ने कहा, पेरिस में भारतीय प्रवासियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दुनिया भर में, हमारे प्रवासियों ने अपनी पहचान बनाई है और उनके परिश्रम एवं मेहनती प्रकृति की प्रशंसा की जाती है। पेरिस में प्रधानमंत्री मोदी के फ्रांसीसी नेतृत्व, भारतीय प्रवासियों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और प्रमुख हस्तियों के साथ कई कार्यक्रम निर्धारित हैं। दिल्ली से फ्रांस के लिए प्रस्थान से पहले, मोदी ने विश्वास जताया था कि उनकी यात्रा द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को एक नई गति प्रदान करेगी। मैक्रों के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के विस्तार पर मुख्य ध्यान रहने की उम्मीद है। मोदी ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा, मैं राष्ट्रपति मैक्रों से मिलने और अगले 25 वर्ष में इस दीर्घकालिक और समय पर खरी उतरी साझेदारी को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, मैं अपने मित्र, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर 13 से 14 जुलाई तक फ्रांस के राजकीय दौरे पर रहूंगा। मोदी ने कहा कि उनकी फ्रांस यात्रा विशिष्ट है क्योंकि वह फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस या बैस्टिल दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की सामरिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए कहा, इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी की वर्षगांठ है। गहरे विश्वास और संकल्प में निहित हमारे दोनों देशों के बीच रक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु, नीली अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच मेल-मिलाप सहित विभिन्न क्षेत्रों में करीबी सहयोग हो रहा है। उन्होंने कहा, हम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि2022 की उनकी पिछली फ्रांस यात्रा के बाद से उन्हें राष्ट्रपति मैक्रों से मिलने के कई अवसर मिले हैं और हाल ही में मई 2023 में जी-7 शिखर वार्ता के दौरान जापान के हिरोशिमा में भी उनसे मुलाकात हुई थी। बैस्टिल दिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए भारतीय सेना के तीनों अंगों की 269 सदस्ईय टुकड़ी यहां पहुंची है। इसमें फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों के साथ भारतीय वायुसेना के तीन राफेल लड़ाकू विमान भी हिस्सा लेंगे।

फ्रांस से...

पहलुओं पर विचार करने के बाद फ्रांस की सरकार के साथ मूल्य और खरीद की अन्य शर्तों पर बातचीत की जाएगी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आवश्यक बातचीत के बाद भारत द्वारा डिजाइन उपकरणों के एकीकरण को और अनुबंध दस्तावेज में अनेक प्रणालियों के लिए रख-रखाव, मरम्मत और परिचालन (एमआरओ) हब की स्थापना को शामिल किया जाएगा। रक्षा सूत्रों ने बताया कि 26 राफेल एम विमानों में से चार विमान प्रशिक्षक होंगे। राफेल-एम विमान इस डेक आधारित प्लेटफॉर्म का नौसैनिक प्रारूप है। डीएसी रक्षा खरीद पर निर्णय लेने वाली रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च इकाई है। उसने भारत में तीन और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के विनिर्माण के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी। रक्षा खरीद बोर्ड (डीपीबी) ने एक सप्ताह पहले ही परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी थी। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय नौसेना स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के लिए 26 डेक-आधारित लड़ाकू विमानों की खरीद पर विचार कर रही है। नौसेना ने लंबी प्रक्रिया के बाद खरीद के लिए बोइंग एफाए-18 सुपर हॉर्नेट और फ्रांसीसी कंपनी दासॉल्ट एविएशन के राफेल एम विमान के बारे में विचार किया। बाद में राफेल एम इस दौड़ में विजेता रहा। भारतीय वायुसेना के लिए फ्रांस से 36 राफेल विमान पहले ही खरीदे जा चुके हैं।

प्रोफेसर का...

होने का मौलिक अधिकार है। अदालत ने कहा, मामले के दोषियों ने अपनी हिंसक आतंकवादी गतिविधियों से वास्तव में लोगों के मन में दहशत पैदा कर दी थी। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए आरोपियों को कड़ी सजा देना बहुत जरूरी है। साजिल को विशेष अदालत ने यूएपीए के तहत आतंकवादी कृत्य करने और आतंकी कृत्य करने की साजिश रचने, आईपीसी के तहत हत्या का प्रयास करने और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत विस्फोटकों के इस्तेमाल के अपराध के लिए 10-10 साल की सजा सुनाई। अदालत ने साजिल की मांग के अनुसार स्वास्थ्य के आधार पर उसे कोई रियायत देने से इनकार कर दिया और कहा कि जेल अधीक्षक को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश देकर उसकी चिकित्सा संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। अदालत ने नासर और नजीब को भी हत्या के प्रयास और विस्फोटकों के इस्तेमाल के प्रत्एक अपराध के लिए 10 साल की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। अदालत ने दोषियों पर कुल चार लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया और निर्देश दिया कि इसे पीड़ित जोसेफ को दिया जाए। मामले की सुनवाई के दूसरे चरण में बुधवार को अदालत ने छह लोगों को दोषी ठहराया था। सुनवाई के पहले चरण में 10 लोगों को यूएपीए के साथ-साथ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और आईपीसी के तहत दोषी करार दिया गया था। इसके अलावा अदालत ने तीन अन्य को आरोपियों को शरण देने के लिए भी दोषी करार दिया था। अदालत ने तीन को दोषी ठहराते हुए कहा था कि दूसरा आरोपी साजिल हमले में शामिल था जबकि तीसरा आरोपी नासर मामले में मुख्य साजिशकर्ता है और पांचवे आरोपी नजीब ने इस आतंकवादी कृत्य की सारी योजना बनाई थी लेकिन इसमें शामिल नहीं हुआ। यह हमला उस वक्त किया गया था जब वह (प्रोफेसर) अपने परिवार के साथ एर्नाकुलम जिले के मूवाट्टुपुझा स्थित एक गिरजाघर से रविवार की प्रार्थना के बाद घर लौट रहे थे। सात लोगों के समूह ने प्रोफेसर जोसेफ का वाहन रोका, उन्हें बाहर खींचा और उनके साथ मारपीट कर उनका दाहिना हाथ काट दिया। घटना का मुख्य आरोपी सवाद अभी भी फरार है। मामले की शुरुआती जांच करने वाली पुलिस के मुताबिक, आरोपी न्यूमैन कॉलेज में बी.कॉम की सेमेस्टर परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र में जोसेफ की कथित अपमानजनक धार्मिक टिप्पणियों को लेकर उनकी जान लेना चाहते थे। यह प्रश्न पत्र जोसेफ ने तैयार किया था।

भाजपा के...

है। इसमें कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग कर उन्हें तितर-बितर किया गया। इस बीच सूचना मिली कि जहानाबाद के एक व्यक्ति की पटना मेडिकल कालेज अस्पताल (पीएमसीएच) में मृत्यु हो गई है। इसके अनुसार, उनके साथी भरत प्रसाद चन्द्रवंशी जो जहानाबाद के निजामुदीपुर के रहने वाले हैं, द्वारा बताया गया कि वे लोग कार्यक्रम स्थल पहुंचे भी नहीं थे कि पता चला वहां भगदड़ हो गई है और बहुत लोग उधर से वापस भाग रहे थे, इसी बीच विजय सिंह बेहोश हो कर गिर गए। इसमें कहा गया है कि उन्हें तुरंत पीएमसीएच ले जाया गया जहां थोड़ी देर बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बयान में कहा गया है कि विजय सिंह के शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं पाया गया है। दण्डाधिकारी के समक्ष मृतक विजय सिंह का अंत्यपरीक्षण किया गया। पटना जिलाधिकारी द्वारा मेडिकल बोर्ड गठित कर मृतक का पोस्टमार्टम कराने और संपूर्ण पोस्टमार्टम प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का निदेश दिया गया है। इसके बाद ही मृत्यु का वास्तविक कारण की जानकारी मिल सकती है। सीसीटीवी फुटेज से भी पूरे मामले की जांच की जा रही है। पटना के जि़लाधिकारी ने पूरे घटनाक्रम पर अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था और नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य) से 24 घंटे के अंदर संयुक्त जाँच प्रतिवेदन की मांग की है। पीएमसीएच के अधीक्षक डाक्टर आई एस ठाकुर ने कहा कि सिंह को अचेत अवस्था में उनके अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया था। उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया पर इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड दिया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने संवाददाताओं से कहा, पार्टी के जहानाबाद जिले के महासचिव विजय सिंह की मृत्यु एक आहुति है। उन्होंने आरोप लगाया, इसके अलावा राज्य के छात्रों एवं युवाओं को अपनी आवाज देते हुए हजारों भाजपा कार्यकर्ता घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में कई महिलाएं, संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्य शामिल हैं। उजियारपुर लोकसभा सीट से संसद सदस्य राय ने ट्वीट कर कहा, भाजपा कार्यकर्ता की मौत की जिम्मेदार बर्बर नीतीश-तेजस्वी सरकार। युवाओं, महिलाओं, किसानों के अधिकारों के लिए बिहार की बर्बर नीतीश-तेजस्वी सरकार के खिलाफ संघर्ष करते हुए भाजपा के जहानाबाद के महामंत्री विजय सिंह ने अपनी आहुति दे दी। इससे पहले पटना जिला प्रशासन ने कहा, जहानाबाद के रहने वाले एक व्यक्ति विजय सिंह छज्जू बाग में सड़क किनारे अचेत अवस्था में पाए गए थे। शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं है। उन्हें पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। विस्तृत विवरण प्राप्त किया जा रहा है। पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताला (पीएमसीएच) के अधीक्षक ने भी कहा कि सिंह के शरीर पर बाहरी चोट के कोई निशान नहीं थे।

उत्तराखंड में...

हमारा कर्त्तव्य उत्तराखंड में आई बाढ़ व भूस्खलन के संकट में जनता की मदद करना और सरकारी तंत्र से मदद दिलवाना है। हम हिमालई राज्यों के लिए जलवायु परिवर्तन और प्रकृति से खिलवाड़ के चलते हुए दुष्प्रभाव पर ऐसी ठोस नीति बनाने के पक्षधर है, जिसमें विकास का कोई भी कार्य स्थानीय लोगों के सहमति से ही हो। खरगे ने बताया कि आगामी लोक सभा चुनाव की तैयारी को लेकर उत्तराखंड के नेताओं के साथ यह बैठक हुई है। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, कांग्रेस पार्टी उत्तराखंड के युवाओं के लिए अग्निपथ योजना जैसे अन्याय और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के खिलाफ़ आवाज़ उठाएगी और राज्य में पदयात्रा के माध्यम से जनता से संवाद स्थापित करेगी। उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव ने संवाददाताओं से कहा, बैठक में आगामी रणनीति तैयार की गई। उत्तराखंड कांग्रेस नेताओं को कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का मार्गदर्शन मिला है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा ने कहा, अग्निपथ योजना से उत्तराखंड को बड़ा नुकसान हुआ है। उत्तराखंड में अग्निवीर योजना को लेकर कांग्रेस पार्टी आगामी दिनों में पदयात्रा निकालेगी। इस यात्रा की जल्द ही पूरी रूपरेखा बनाई जाएगी। उन्होंने बताया, राहुल गांधी करीब 10 दिन इस यात्रा में शामिल होंगे। प्रियंका गांधी जी भी यात्रा में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि अंकिता हत्याकांड और महिला अत्याचार जैसे मुद्दे भी अलग से उठाए जाएंगे।

चंद्रयान-3 मिशन...

उपकरण ले जाने की इसकी क्षमता के कारण अंतरिक्ष वैज्ञानिक इसे फैट बॉय भी कहते हैं। अगस्त के अंत में चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की योजना बनाई गई है। उम्मीद है कि यह मिशन भविष्य के अंतरग्रही अभियानों के लिए सहायक होगा।

डिजिटल,खाद्य सुरक्षा व नौवहन पर चर्चा : जयशंकर

● विदेश मंत्री ने इंडोनेशिया में आसियान समूह के अपने समकक्षों से मिले

भाषा। जकार्ता

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ आसियान के अपने समकक्षों के साथ सार्थक वार्ता की और फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और नौवहन सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। जयशंकर अभी इंडोनेशिया की राजधानी में आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने आए हैं। जयशंकर ने सिंगापुर के भारतीय मूल के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति का उल्लेख किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट किया, आज सुबह आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की गर्मजोशी भरी और सार्थक बैठक हुई। मेरे साथ सह अध्यक्षता करने के लिए विवियन बाला का धन्यवाद। समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति को नोट किया। उन्होंने कहा, डिजिटल, फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और नौवहन जैसे क्षेत्रों में अधिक ध्यान केंद्रित करने पर चर्चा की। म्यांमा की स्थिति पर विचारों का आदान प्रदान किया। जयशंकर ने कहा कि विवियन बाला से मुलाकात सुखद रही और वर्तमान वैश्विक स्थितियों एवं चुनौतियों पर अच्छी चर्चा हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रम का सकारात्मक आंकलन किया। म्यांमा में फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था और इसके बाद से देश में लोकतंत्र बहाली की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन चल रहा है। म्यांमा में सेना द्वारा विरोधियों के खिलाफ हवाई हमला किए जाने की खबरें भी आई थीं। इंडोनेशिया की राजधानी में विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रुनेई के अपने समकक्ष दातो इराइवान पेहिन युसुफ से भी मुलाकात की। जयशंकर ने ट्वीट किया, आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर ब्रुनेई के विदेश मंत्री दातो इराइवान पेहिन युसुफ से मुलाकात की। हमारा द्विपक्षीय सहयोग सतत रूप से बढ़ रहा है। कारोबार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, हमने खाद्य सुरक्षा, आवाजाही, अंतरिक्ष सहयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। आसियान देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलिपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम शामिल हैं। जयशंकर ने इंडोनेशिया की विदेश मंत्री रेंटो मार्सुदी से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट कर यह जानकारी दी। विदेश मंत्री ने कहा कि रेंटो मार्सुदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों का जायजा लिया और जी20 के त्रिगुट सदस्य के रूप में इंडोनेशिया के समर्थन को हम महत्व देते हैं। बैठक से इतर जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन से मुलाकात की और महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने ट्वीट कर कहा हमने अप्रैल में उनकी भारत यात्रा के दौरान हुई चर्चा को आगे बढ़ाने पर बातचीत की। विदेश मंत्री ने कहा, हमने महत्वपूर्ण व उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। बैठक से इतर जयशंकर ने थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री डॉन प्रामुदविनाई से भी मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट किया, जकार्ता में थाईलैंड के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री डॉन प्रामुदविनाई से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमने ज्वलंत क्षेत्रीय चिंताओं और सम्पर्क से जुड़े हमारे साझे हितों के बारे में चर्चा की। बैंकाक में आगे चर्चा को लेकर आशान्वित हूं।

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सीनेट में टाई-ब्रेकिंग वोट के साथ इतिहास रचा

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सीनेट में एक मतदान में दोनों पक्षों के समान वोट पड़ने की स्थिति में अपना मत (टाई-ब्रेकिंग वोट) डालकर अमेरिका के इतिहास में एक और नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। इस तरह हैरिस ने उपराष्ट्रपति के रूप में टाई-ब्रेकिंग वोट डालने के 191 साल पुराने रिकार्ड की बराबरी की और संघीय एजेंसी की सदस्य के रूप में भारतीय मूल की कल्पना कोटागल के नामांकन का समर्थन किया। हैरिस ने इस तरह सीनेटर जॉन सी कैलहौन के रिकॉर्ड की बराबरी की है। कैलहौन ने 1825 से 1832 तक पूर्व राष्ट्रपति जॉन क्विंसी एडम्स और एंड्रयू जैक्सन के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। इससे पहले हैरिस ने 2020 में अमेरिका की पहली महिला एवं प्रथम अश्वेत उपराष्ट्रपति बनकर इतिहास रचा था। हैरिस (58) ने बुधवार को समान रोजगार अवसर आयोग के सदस्य के रूप में सेवा करने के लिए विविधता, समानता और समावेशन विशेषज्ञ, कोटागल के नामांकन के लिए अपना वोट डाला।

2.4 अरब लोगों को लगातार भोजन नहीं मिला : संरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (संरा) ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर एक चिंताजनक रिपोर्ट में बुधवार को कहा कि पिछले साल 2.4 अरब लोगों को लगातार भोजन की प्राप्ति नहीं हुई और कम से कम 78.3 करोड़ लोगों को भूख से जूझना पड़ा। वैश्विक संस्था ने बताया कि इस वजह से 14.8 करोड़ बच्चों का विकास भी अवरुद्ध हुआ। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों ने खाद्य सुरक्षा एवं पोषण स्थिति रिपोर्ट 2023 में कहा कि 2021 और 2022 के बीच विश्व में भूखे लोगों की संख्या में कोई खास बदलाव नहीं हुआ लेकिन बहुत सी जगहों पर लोगों को गंभीर रूप से खाद्य संकट का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में पश्चिमी एशिया, कैरिबियाई देशों और अफ्रीका को चिन्हित किया गया, जहां 20 फीसदी आबादी को भूख से जूझना पड़ा और यह वैश्विक औसत से दोगुना से भी ज्यादा है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के महानिदेशक क्यू डोंग्यू ने कहा, वैश्विक महामारी से पहले के हालात में लौटने की गति असमान रही है और यूक्रेन में युद्ध ने पोषक तत्वों से संपन्न भोजन और स्वस्थ आहार को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, यह नई सामान्य स्थिति है, जहां जलवायु परिवर्तन, संघर्ष और आर्थिक अस्थिरता हाशिए पर रहने वाले लोगों को सुरक्षा से और दूर धकेल रही है।

प्राइम ने पीएसए के कार्यालय के साथ हाथ मिलाया

मुंबई। भारत का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन प्राइम विडियो ने मिशन स्टार्ट अब बनाने के लिए भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के साथ हाथ मिलाया। मिशन स्टार्ट अब, अपनी तरह की पहली सीरीज़ है जिसमें भारत के जमीनी स्तर के इनोवेटर्स को दिखाया जाएगा क्योंकि वे अपने व्यवसाय को बेहद तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। सात-एपिसोड की यह सीरिज उन होनहार उद्यमियों को दिखाएगी। जो सामाजिक,आर्थिक परिवर्तन को प्रभावित करने की क्षमता वाले भारत के लिए बने इनोवेशन्स को आगे बढ़ाने में केंद्रित है, इसमें वे अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाने और उसके लिए फंडिंग हासिल करने के लिए चुनौतियों का सामना करेंगे। चूंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे जीवंत स्टार्ट अप इकोसिस्टम में से एक हैए यह पूरी तरह से मेड इन इंडिया सीरिज तीन प्रसिद्ध निवेशकों को भी एक साथ लाती है जो गहन अभ्यास और सिमुलेशन की एक श्रृंखला के माध्यम से भारत के अगले यूनिकॉर्न की खोज करेंगेए और इन दस शुरुआती चरण के संस्थापकों की उद्यमशीलताए प्रबंधनए संचार और संकट प्रबंधन कौशल का परीक्षण करेंगे। सुशांत श्रीराम कंट्री डायरेक्टर प्राइम वीडियो इंडिया कहते हैं प्राइम वीडियो में हमारा मिशन हमेशा भारत की अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सक्षम बनाना रहा है।

पाकिस्तानी नाटकों का होगा प्रसारण

दुबई। भावनाओं के तूफान में उड़ जाने के लिये तैयार हो जाइयेए क्योंकि दिल को छूने वाले और विचारों को झकझोर देने वाले पाकिस्तानी नाटकों के लिए एक बेहतरीन डेस्टिनेशन ज़िंदगी ने मॉनसून सीजन के लिये अपने आकर्षक कंटेन्ट लाइनअप की पेशकश की है। अलग-अलग तरह के शोज का आनंद उठाने की तैयारी कर लीजिए जो रिश्तों की खूबसूरती का और मानवीय भावना की जीत का जश्न मनाते हैं। ज़िंदगी बड़े गर्व के साथ ऐसा लाइनअप पेश कर रहा है, जो हर उम्र के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा और जिसका सीमा के पार वाला कंटेन्ट देशों के बीच की दूरी को कम करेगा। शोज का यह असाधारण संग्रह देखने के लिये टाटा स्काईए डिश टीवीए डी2एच और एयरटेल पर जाइये। सबसे आगे है रुह में उतर जाने वाला ड्रामा बाबा जानीष्जोकि 11 जुलाई से शुरू हो रहा है और जिसमें अद्भुत अदाकार फैज़ल कुरैशीए प्रतिभाशाली मदिहा इमाम और यादगार सवीरा नदीम हैं। 24 जुलाई से प्रसारित होने जा रहे स्लष् में मानवीय सम्बंधों की दिलचस्प खोज कीजिये। यह शो लैंगिक भूमिकाओं पर बात करता है और जीवन की कई शिक्षाएं देता है। उनके संघर्षोंए जीत और साझा किस्मत के साक्षी बनें। क्या वे एक दूसरे को सुख दे पाएंगे या किस्मत उन्हें बिखेर देगी। 21 जुलाई से शुरू हो रहे आसमानों पे लिखा के साथ एक जादुई सफर शुरू कीजिये।

पश्चिमी नेपाल में 4.6 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के हुमला जिले में बृहस्पतिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.6 मापी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के कारण किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नही है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप के यह झटके सुबह 11:17 बजे दर्ज किए गए, जिसका केंद्र हुमला के कालिका इलाके में स्थित था।

पश्चिम दारफुर में 87 लोगों के शव मिले: संयुक्त राष्ट्र

काहिरा। सूडान के पश्चिमी दारफुर में सूडानी अर्धसैनिक और सहयोगी मिलिशिया द्वारा कथित तौर पर मारे गए कई लोगों के शव मिले हैं। संयुक्त राष्ट्र ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, गेइनिना के पश्चिमी दारफुर शहर के पास दो कब्र में कम से कम 87 शव मिले हैं। इनमें कुछ शव अफ्रीकी मसालिट जनजाति से ताल्लुक रखने वालों के है। सूडान में 15 अप्रैल को सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) खुलकर एक दूसरे के आमने-सामने आए गए थे।

अमेज़ॅन पर हिप हॉप डान्सर की खोज

मुंबई। अमेज़ॅन मिनी टीवी पर जल्द ही एक डांस शो प्रसारित किया जाएगा। इस शो का नाम हिप हॉप इंडिया है। शो के प्रीमियर से पहले ही यह शो काफी चर्चा में है। यह प्रतियोगिता भारत में सर्वश्रेष्ठ हिप हॉप नर्तकों को खोज निकालने के लिए आयोजित की गई है। अमेज़ॅन मिनी टीवी द्वारा आयोजित यह डांस शो, हिप हॉप डांसर्स के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सुनहरा मौका है। यह शो 21 जुलाई से शुरू हो रहा है और आप इस शो को अमेज़ॅन शॉपिंग ऐप और फायर टीवी के जरिए अमेज़ॅन मिनी इस शो को लेकर पिछले कुछ दिनों से काफी उत्सुकता है, अमेज़ॅन मिनी टीवी ने घोषणा की है, कि इस शो में अपने डांस का जलवा बिखेरने वाली नोरा फतेही नजर आएंगी। नोरा शो में जज की भूमिका निभाएंगी और मशहूर कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा उनके सह जज होंगे।

पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के 600 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया

लाहौर। पाकिस्तान पुलिस ने अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय के 600 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया और कई अन्य लोगों को ईद-अल-अजहा के दौरान अपनी धार्मिक आस्था का पालन करने से रोक दिया था। अहमदिया मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान नामक अल्पसंख्यक समुदाय के संगठन ने एक बयान जारी उसके सदस्यों के खिलाफ पुलिस कार्वाई के बारे में जानकारी दी। बयान के मुताबिक पुलिस ने कुछ सप्ताह पहले ईद के दौरान अहमदिया समुदाय के खिलाफ ईशनिंदा के आरोप समेत बेहद मामूली आरोपों के सिलसिले में मामले दर्ज किए है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mohammad Azeem Ashraf Qureshi, R/o. 202, 1st Floor, Ashraf Apartment 58/29, Saqlain Road, Jogabai Extn., Jamia Nagar, New Delhi-110025 have changed my son's name from Mohammad Azam Azeem Ashraf to Azam Azeem for all future purposes.

PD/098/A

यूक्रेन ने रूस के 20 ड्रोन मार गिराए, दो लोग घायल

भाषा। कीव

यूक्रेन ने कहा कि देश के वायु रक्षा बलों ने बृहस्पतिवार सुबह कीव क्षेत्र में रूस द्वारा दागे गए ईरान निर्मित 20 ड्रोन मार गिराए, लेकिन इनका मलबा राजधानी के चार जिलों में गिरा, जिससे दो लोग घायल हो गए और कई घर नष्ट हो गए। यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों में विस्फोटों के धमाके सुने गए और मार गिराए गए ड्रोन का मलबा यूक्रेन की राजधानी के चार जिलों में जा गिरा। मंत्रालय ने कहा कि कुछ इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और दो लोग घायल भी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले, नगर निकाय के अधिकारियों ने संदेश ऐप टेलीग्राम पर पांच जिलों में मलबा गिरने की जानकारी दी थी। बचावकर्मियों ने 16 मंजिला इमारत के साथ-साथ एक गैर-आवासीय इमारत में लगी आग को बुझाया। मंत्रालय के अनुसार, ड्रोन के मलबे से 25 मंजिला एक इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। इस बीच, दक्षिणी यूक्रेन में कीव के हालिया जवाबी हमले के खिलाफ रूसी सेना का नेतृत्व करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल ओलेग त्सोकोव कथित तौर पर यूक्रेन के मिसाइल हमले में मारे गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने त्सोकोव की मौत की कोई सूचना नहीं दी है।

वैग्नर समूह के लड़ाके अपने हथियार जमा करा रहे हैं: रूसी रक्षा मंत्रालय

मॉस्को। रूस में हाल में बगावत के कारण चर्चा में आए निजी सेना वैग्नर समूह के लड़ाके अपने हथियार सेना के पास जमा करा रहे है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।वैग्नर समूह के विद्रोह को रूस की सत्ता के लिए अहम चुनौती के तौर पर देखा जा रहा था। निजी सेना के लड़ाकों के हथियार जमा कराने का यह कदम अधिकारियों के प्रयासों का नतीजा है, साथ ही रूस की तरफ से यूक्रेन के खिलाफ लड़ने की निजी सेना के अभियान का अंत भी है। हालांकि अभी वैग्नर प्रमुख एवगेनी प्रिगोझिन को लेकर तथा विद्रोह समाप्त कराने के लिए हुए समझौतों के बारे में स्थिति स्पष्ट नही है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वैग्नर लड़ाकों ने जो हथियार जमा कराए है उनमें टैंक, रॉकेट लॉन्चर, तोपें, 2,500 मीट्रिक टन गोला बारूद, हवाई रक्षा प्रणाली, 20,000 अग्नेयास्त्र आदि शामिल है। सोमवार को क्रेमलिन ने सूचित किया था कि विद्रोह के पांच दिन बाद 29 जून को प्रिगोझिन ने अपने 34 शीर्ष अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था कि वैग्नर कमांडरों ने पुतिन के प्रति प्रतिबद्धता जताई थी और कहा था वे मातृभूमि के लिए लड़ने के वास्ते तैयार है। पुतिन ने कहा था कि वैग्नर समूह को इस बात पर निर्णय करना है कि उन्हे रक्षा मंत्रालय के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करके बेलारूस जाना है अथवा सेवानिवृत्त होना है।यूक्रेन में लड़ने वाले रूसी समूह के डिप्टी कमांडर जनरल सर्गेई सुरोविकिन के संबंध में भी अनिश्चितता बनी हुई है। उनके कथित तौर पर प्रिगोझिन के साथ संबंध थे। सुरोविकिन को विद्रोह के बाद देखा नही गया है, उन्होंने एक वीडियो जारी कर विद्रोह समाप्त करने की अपील की थी। मामले की जानकारी रखने वाले अमेरिका के दो अधिकारियों ने जून में बताया था कि सुरोविकिन को हिरासत में ले लिया गया है।

सिंगापुर में कार्यस्थल पर दुर्घटना में भारतीय कर्मचारी की मौत

सिंगापुर। सिंगापुर के जुरोंग वेस्ट औद्योगिक क्षेत्र में एक कार्यस्थल पर पीछे जा रहे वाहन की चपेट में आने से 33 वर्षीय एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने बुधवार को जनशक्ति मंत्रालय (एमओएम) के हवाले से बताया कि कर्मचारी अपने टिपर ट्रक को सामान उतारने के लिए तैयार कर रहा था।

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री वरिंदर पल सिंह कंधारी, उक्त सम्पति Apartment No. 801 on Eight Floor having super area of 545.62 Sq. Mtrs. (5873 Sq. Ft. approximately), in Block No. J, in the multi storeyed buildings " Lagoon" residential apartments complex at " Ambience Island" integrated township on National Highway (NH-8) Situated in the revenue estate of Village Nathupur, Tehsil & District Gurgaon (Haryana), को श्रीमती स्नेहा को बेच रहे है। उपरोक्त संपति मेरे मुवक्किल एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित व बंधक प्रस्तावित है। उपरोक्त संपति के स्वामित्व सम्बंधित मूल दस्तावेज़ Original Will dated 08.12.2005, & Will dated 13.06.2008, कहीं खो गए है। इस सन्दर्भ में उद्योग विहार पुलिस को सुचना दिनांक 27.05.2023 को NCR No. 023 में दर्ज करवाई गई है।यदि मूल दस्तावेज़ किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में दावा अमान्य माना जाएगा।

राघव तिवारी, अधिवक्ता
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.:+91-8076188328

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that the Certificate for 300 Equity Shares, **Folio No. 03469379, Certificate No. – 5362, 189413, 318516, 423230 and Distinctive No.-258426-258475, 140189136-140189185, 574167251-574167350, 616787349-616787448 of LARSEN & TOUBRO LIMITED standing in the name of INDRA KUMARI VARMA & DHARMENDRA SINGH VARMA** have been lost or mislaid and the undersigned have applied to the Company to issue duplicate Certificate for the said shares. Any person who has any claim in respect of the said shares should write to our Registrar, **KFin Technologies Private Limited.** Selenium Tower B, Plot 31-32, Gachibowli, Financial District, Hyderabad-500032 within one month from this date else the company will proceed to issue duplicate Certificates

Date: 14.07.2023
INDRA KUMARI VARMA

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of **Mrs. Hemlata** W/o Mr. Kailash Babu who is/arepurchasing the Entire Third Floor, without roof rights, area measuring 30 sq. yards, of property No. 1446-B/1, Gali No. 13, Khasra No. 600/93, situated at Govindpuri, Kalkaji, New Delhi: from Mr. Sparsh Garg S/o Late Mr. Ramesh Garg, who is owner/ attorney holder of the aforesaid property by virtue of notarized General Power of Attorney, Special Power of Attorney, Agreement to sell & WILL dated 01.03.2019; and intend tomortgage the same against the financial assistance from **Shubham Housing Development Finance Company Limited.** That, original 1) Sale Deed dated 29.10.2010, registered vide Document No.19428, registered with the office of the Sub-Registrar-New Delhi; are/is not available/ misplaced. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any person(s) having any objection regarding ownership and/or creating mortgage of the said property is/are hereby requested to intimate in writing to the undersigned within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Lucem Legal LLP
Plot no.136, (Basement) Uday Park,
New Delhi-110049; Contact# 011-40046316

ब्रिटेन: हजारों चिकित्सकों ने शुरू की सबसे लंबी हड़ताल

●सरकार ने लाखों सरकारी कर्मचारियों के वेतन वृद्धि का प्रस्ताव रखा

भाषा। लंदन

ब्रिटिश सरकार ने चिकित्सकों के पांच-दिवसीय वॉकआउट सहित विभिन्न हड़तालों को समाप्त करने के प्रयास के तहत लाखों सरकारी कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर सहमत जताई है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बृहस्पतिवार को इस बात की पुष्टि की कि सरकार वेतन पुनरीक्षण निकायों से प्राप्त उन सिफारिशों को मंजूर कर रही है, जिसके तहत पुलिसकर्मियों के वेतन में सात प्रतिशत, शिक्षकों में साढ़े छह प्रतिशत तथा जूनियर चिकित्सकों के लिए छह प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। सुनक ने कहा कि यह प्रस्ताव अंतिम है और वेतन के मामले में और अधिक बातचीत नहीं की जाएगी। ब्रिटेन में सरकारी वित्त-पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचस) को अब तक की सबसे लंबी हड़ताल का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इंग्लैंड में हजारों चिकित्सकों ने वेतन के मुद्दे पर आज से पांच-दिवसीय वॉकआउट शुरू कर दिया है। मेडिकल की पढ़ाई के बाद के वर्षों में अपने करियर के शुरुआती चरण वाले तथाकथित जूनियर चिकित्सकों ने सुबह सात बजे अपनी हड़ताल शुरू कर दी। इनमें से कई ने इंग्लैंड के अस्पतालों के बाहर पंक्तिबद्ध होकर 35 प्रतिशत वेतन वृद्धि को लेकर अपना पक्ष रखा। चिकित्सकों के संघ ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमए) ने मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए जूनियर चिकित्सकों के वेतन को 2008 के स्तर पर वापस लाने के लिए 35 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मांग की है। इस बीच, इंग्लैंड के 75,000 या उससे अधिक जूनियर चिकित्सकों पर काम का बोझ बढ़ गया है।

परमाणु युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाएंगे : किम

●उ.कोरिया के नेता ने देश के लिए संकल्प किया

भाषा। सियोल

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अमेरिका की सरजमीं पर हमला करने के लिए बनाई गई नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के दूसरे परीक्षण का निरीक्षण किया तथा देश की परमाणु युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाने का संकल्प लिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। किम के बयान से स्पष्ट है कि अमेरिका द्वारा अपने सहयोगी दक्षिण कोरिया के प्रति अपनी सुरक्षा प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए हाल में उठाए गए कदमों के जवाब में उत्तर कोरिया अपने शस्त्रागार का विस्तार करने के लिए हथियार परीक्षण गतिविधियां तेज करेगा।कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने कहा, (किम ने) एक बार फिर स्पष्ट किया कि और विकसित, प्रभावी एवं भरोसेमंद हथियार प्रणाली के विकास को लगातार तेज करने के (उत्तर कोरिया के) रणनीतिक रूख और नति में कोई बदलाव नहीं आएगा। किम ने कहा कि चूंकि शत्रुतापूर्ण ताकतों द्वारा हर समय कोरियाई प्रायद्वीप में सुरक्षा माहौल पर गंभीर खतरा उत्पन्न किया जा रहा है, इसलिए उत्तर कोरिया देश की परमाणु प्रतिरोधकता को बढ़ाने के लिए बाध्य है।केसीएनए ने बुधवार को उत्तर कोरिया द्वारा ह्वासोंग-18 आईसीबीएम के सफल प्रक्षेपण की पुष्टि करने के एक दिन बाद किम का बयान साझा किया। ह्वासोंग-18 आईसीबीएम का पहला परीक्षण अप्रैल में किया गया था। किम ने इसे अपनी परमाणु शक्ति का सबसे शक्तिशाली हथियार बताया है। प्रक्षेपण के तुरंत बाद उत्तर कोरिया के पड़ोसी देशों ने ससे पहले इसकी सूचना दी थी।केसीएनए के अनुसार, प्रक्षेपण का मकसद मिसाइल की तकनीकी विश्वसनीयता और परिचालन विश्वसनीयता की पुष्टि करना था। किम ने इस प्रक्षेपण को उत्तर कोरिया की रणनीतिक ताकतों को बढ़ावा देने के प्रयासों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम करार दिया है।

बेरोजगारी और आत्महत्या के बीच सीधा संबंध

भाषा। सिडनी

पारंपरिक सांख्यिकीय तरीकों का उपयोग करके किए जाने वाले अध्ययनों ने लंबे समय से बेरोजगारी और आत्महत्या के बीच संबंध का संकेत दिया है। लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह रिश्ता कारणात्मक है या नहीं। अर्थात, भले ही बेरोजगारों में आत्महत्या की दर अधिक है, क्या हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि बेरोजगारी सीधे तौर पर आत्महत्या की ओर ले जाती है? अब हम ऐसा कर सकते हैं। पारिस्थितिकी से मिली उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग करके हमें कारण-कार्य संबंध के स्पष्ट प्रमाण मिले हैं। ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो के श्रम और आत्महत्या दरों से जुड़े आंकड़ों के आधार पर, हमारा अनुमान है कि 2004 से 2016 तक 13 वर्षों में बेरोजगारी और अल्परोजगार के परिणामस्वरूप 3,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने आत्महत्या की – औसतन 230 प्रति वर्ष। इन निष्कर्षों के गहरे राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और कानूनी निहितार्थ हैं, विशेष रूप से सरकार और केंद्रीय बैंक नीतियों के प्रकाश में जिनके लिए बेरोजगारी की जरूरत है।हमने कार्य-कारण का पता कैसे लगायाआत्महत्या पर बेरोजगारी और अल्परोजगार के कारणात्मक प्रभावों का परीक्षण करने के लिए, हमने अभिसरण क्रॉस मैपिंग नामक एक तकनीक लागू की।जटिल पारिस्थितिकी प्रणालियों में कारण का पता लगाने के लिए यह विधि पिछले एक दशक में विकसित की गई है। अन्य बातों के अलावा, इसका उपयोग कॉस्मिक किरणों और वैश्विक तापमान, आर्द्रता और इन्फ्लूएंजा के प्रकोप के बीच कारण संबंधों का अध्ययन करने और दिखाने के लिए किया गया है। हमारे अध्ययन की अवधि (2004 से 2016) उपलब्ध डेटा की गुणवत्ता से बंधी थी।आर्थिक रूढ़िवादिता को चुनौती देनाबेरोजगारी और आत्महत्या के बीच स्पष्ट संबंध सरकारों और संस्थानों को नीतियों और कार्यों के प्रभाव के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने की चुनौती देता है। यह उन विचारों की नैतिकता को चुनौती देता है जिनके लिए आर्थिक दक्षता के लिए कुछ स्तर की बेरोजगारी की आवश्यकता होती है।उदाहरण के लिए, पिछले महीने रिज़र्व बैंक ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी गवर्नर, मिशेल बुलॉक ने कहा था कि मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए बेरोज़गारी दर को बढ़ाना होगा। केंद्रीय बैंक को उम्मीद है कि 2024 के अंत तक बेरोजगारी दर बढ़कर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। वर्तमान दर 3.6 प्रतिशत है, इसके अलावा 6.3 प्रतिशत श्रमिक अल्प-रोज़गार हैं।जैसा कि बुलॉक ने कहा, अधिकांश लोगों के लिए पूर्ण रोजगार का मतलब है कि जो कोई भी नौकरी चाहता है (

कला दिखाने का मौका देता है नया प्लेटफार्म

मुंबई। अभी हाल ही में एक नया ओ टी टी प्लेटफॉर्म लॉन्च हुआ है चनाजोर् जो एक बेजोड़ कॉमेडी एक्सपीरियंस प्रदान कर रहा है। चनाजोर के सभी शोज में आपको नए चेहरे ही देखने को मिलेंगे। ये फ्रेश कलाकार हैं जो अभी तक किसी बड़े पर्दे पर या डिजिटल स्क्रीन पर नहीं गए हैं या ज्यादा फेमस नहीं हुए हैं, पर एक्टिंग की इनके अंदर कोई कमी नहीं है और ये किसी को भी अपने निराले अंदाज़ से गुदगुदाने का पूरा दम रखते हैं। चनाजोर पर एक शो है भूतिया और इसके कलाकार हैं प्रतीक शुक्ला, देव जोशी और कृपा मिश्रा। ये तीनों ही गुजराती थिएटर आर्टिस्ट्स हैं पर इस शो के संवाद और एक्टिंग ऐसी है कि आप हँसते हँसते लोटपोट हो जाएंगे। ठीक इसी प्रकार से नहीं आज नहीं में संजीत धूरी, निहारिका शर्मा और भावेश प्रजापति ने काफी अच्छा काम किया है। हम निकम्मा बनाते हैं वेब सीरीज जो कि कानपुर के काकादेव में शूट हुई है वह होस्टल में रह रहे उन लड़कों की कहानी बताती है जिन्होंने अपने जीवन से सारी उम्मीदें छोड़ दी है और बस अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। फिर उनकी जिंदगी में एक घटना घटित होती है जिससे उन्हें सबक मिलता है और वह सही जिंदगी की और अग्रसर होते हैं। इस सीरीज में टेलीविजन के उभरते हुए कलाकार हरवीर सिंह, आशुतोष सेमवाल, अलीशा प्रवीण, रूचि त्रिपाठी, राकेश श्रीवास्तव, संजय चौधरी और प्रतीक सिंह ने काफी अच्छा काम किया है। चनाजोर के शोज सामान्य लोगों के जीवन की कहानियां हैं जो हर किसी के लाइफसे जुड़ी हुई हैं। उन कहानियों को हंसी के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है और आप तक लाया गया है।

SRF LIMITED

Regd. Office: The Galleria, DLF Mayur Vihar, Unit No. 236 & 237, 2nd Floor, Mayur Vihar Place, Noida Link Road, Mayur Vihar Phase I Extn, Delhi-110091
Corporate Office: Block-C, Sector 45, Gurugram, Haryana-122 003
Tel. No (Regd office) : (+91-11) 49482870; Fax : (+91-11) 49482900
E-mail: cs@srf.com, Website: www.srf.com; CIN: L18101DL1970PLC005197

NOTICE

Notice is hereby given that Share Certificates pertaining to shares of the Company detailed below have been reported lost and request(s) for issue of duplicate Certificates in lieu thereof have been received by the Company. Shareholder(s)/Claimant(s) shall also be entitled to Bonus Shares in the ratio of (4:1) on these shares from Investor Education & Protection Fund Authority :-

Sl. No.	Folio No.	Name of the Share Holder / Legal Heir (Claimant)	Cert-No.	Dist-No. (from)	Dist-No. (to)	Lost Shares
1	R0001274	SANDHYA UMESH MUNSHI (Claimant) RAMPRASAD KESHAVLAL GANDHI (Deceased)	1138955	296638834	296639029	196
			14401	1707176	1707200	25
			74909	3540258	3540265	8
			139953	5700246	5700261	16
2	SRF0109755	SANTOSH KUMAR GUPTA (Holder) PREETI GUPTA (JT1)	553768-71	25769544	25769562	19
			1136154	296078710	296078985	276
3	S 0002447	SRINIVAS THUNUGUNTLA (Claimant) SIVAKRISHNAIH TUNUGUNTLA (Deceased)	18529	1824426	1824450	25
			78386	3594755	3594762	8
			144221	5803276	5803291	16
			339269-72	16505714	16505742	29
			1133535	295541018	295541445	428
4	SRF0118640	AMEETA KATHURIA (Claimant) ARJUN DEV KATHURIA (Deceased)	424358-59	18223252	18223276	25
			424848	18239273	18239322	50
			573358-59	26243044	26243068	25
			1132451	295316614	295317013	400
5	SRF0155373	S VATHSALA (Holder)	367232-33	17002048	17002072	25
			516232-33	25021840	25021864	25
			90065785	8926306	8926325	20
			90189898	14928530	14928559	30
			1138755	296601118	296601517	400
6	SRF0138343	HEMANT NAVINCHANDRA SHAH(Claimant)	674929-34	54876685	54876984	300
		NAVINCHANDRA K SHAH (Deceased)	1138263	296491994	296493193	1200
7	SRF0138344	HEMANT NAVINCHANDRA SHAH (Claimant)	587349	31495842	31495891	50
		NAVINCHANDRA K SHAH (Deceased)	1137003	296234466	296234665	200

Any person having any claim /objection in respect of the above requests should lodge such claim/ objection with the company at its Corporate Office within 15 days of the publication of this notice, failing which the company will consider to give effect to the above requests.
Public is hereby cautioned against dealing with the aforesaid share certificates.

For **SRF LIMITED**
Sd/-
RAJAT LAKHANPAL
Sr. VP (Corporate Compliance) & Company Secretary

Place: Gurugram
Date: 13-07-2023

ग्लोबल साउथ पर रूस-यूक्रेन संघर्ष के प्रभाव को लेकर चिंतित हूं

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ने वाले असर को लेकर भारत बहुत चिंतित है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।चीन की आक्रामकता के बारे में पूछे गए एक सवाल पर फ्रांसीसी समाचार पत्र लेस इकोस को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हमेशा वार्ता और कूटनीति के माध्यम से मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान और सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान करने का पक्षधर रहा है। चीन के बारे में यह पूछे जाने पर कि क्या रक्षा क्षमताओं में उसके भारी निवेश से क्षेत्र की सुरक्षा को खतरा है, मोदी ने कहा कि भारत जिस भविष्य का निर्माण करना चाहता है, उसके लिए शांति जरूरी है। उन्होंने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारे व्यापक हित हैं और हमारे संबंध गहरे हैं। मैंने इस क्षेत्र के लिए हमारे दृष्टिकोण का एक शब्द में वर्णन किया है - सागर, जो इस क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास से जुड़ा है। हम जिस भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, उसके लिए शांति जरूरी है, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत संबंधित अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करता है।उन्होंने कहा, आपसी विश्वास और भरोसे को बनाए रखने के लिए यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हमारा मानना है कि इसके माध्यम से ही स्थाई क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में सकारात्मक योगदान दिया जा सकता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से कई बार बात की है और इस संघर्ष को समाप्त करने में मदद करने वाले सभी वास्तविक प्रयासों का समर्थन करने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया है।उन्होंने कहा, भारत का रुख स्पष्ट, पारदर्शी और सुसंगत रहा है। मैंने कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। हमने दोनों पक्षों से बातचीत और कूटनीति के माध्यम से मुद्दों को हल करने का आग्रह किया है। मोदी बृहस्पतिवार को फ्रांस के लिए रवाना हो गए, जहां वह बैस्टिल दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि होंगे। पश्चिमी देशों द्वारा भारत को रूस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के लिए कहे जाने पर प्रधानमंत्री ने दोहराया कि सभी देशों का दायित्व है कि वे अन्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें, अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन करें।उन्होंने कहा, हम व्यापक दुनिया, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ पर संघर्ष के प्रभाव के बारे में भी गहराई से चिंतित हैं। पहले से ही कोविड महामारी के प्रभाव से पीड़ित देश अब ऊर्जा, खाद्य और स्वास्थ्य संकट, आर्थिक मंदी, मुद्रास्फीति और बढ़ते ऋण बोझ का सामना कर रहे हैं। संघर्ष समाप्त होना चाहिए। चीन के साथ गतिरोध में रणनीतिक समर्थन के संदर्भ में फ्रांस से भारत की उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र सहित दोनों देशों के बीच साझेदारी किसी देश के खिलाफ या उसकी कीमत पर नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है जिसमें राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, आर्थिक, मानव केंद्रित विकास और स्थिरता सहयोग शामिल हैं।उन्होंने कहा, जब समान दृष्टिकोण और मूल्यों वाले देश द्विपक्षीय रूप से, बहुपक्षीय व्यवस्था में या क्षेत्रीय संस्थानों में एक साथ काम करते हैं, तो वे किसी भी चुनौती से निपट सकते हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र सहित हमारी साझेदारी किसी भी देश के खिलाफ या उसकी कीमत पर नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य अपने आर्थिक और सुरक्षा हितों की रक्षा करना, नौवहन और वाणिज्य की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना, क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा, हम अन्य देशों के साथ उनकी क्षमताओं को विकसित करने और मुक्त संप्रभु विकल्प बनाने के उनके प्रयासों का समर्थन करने के लिए काम करते हैं।

अदालत ने यूपीएससी मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित करने संबंधी फैसले पर रोक लगाने से इनकार किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2023 के लिए आवेदन आमंत्रित करने संबंधी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के फैसले पर रोक लगाने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह ने कुछ सिविल सेवा अभ्यर्थियों द्वारा दायर उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें परीक्षा के लिए यूपीएससी द्वारा 10 जुलाई, 2023 को जारी विस्तृत आवेदन पत्र पर रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति ने कहा, अर्जी खारिज की जाती है। यह अर्जी इस साल की शुरुआत में आयोजित प्रारंभिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिका की मांग कर रहे 17 असफल अभ्यर्थियों द्वारा दाखिल याचिका का हिस्सा थी। याचिकाकर्ताओं ने पहले अदालत को बताया कि वे इस वर्ष के लिए यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने संबंधी अपनी अर्जी को लेकर इस स्तर पर दबाव नहीं डालेंगे।

एनएमसी ने 2019 बैच के अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्रों के लिए नेशनल एग्जिट टेस्ट स्थगित किया

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने 2019 बैच के अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्रों के लिए होने वाले नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) को बृहस्पतिवार को स्थगित कर दिया।

हालांकि, अभी इस बात की घोषणा नहीं की गई है कि 28 जुलाई के लिए निर्धारित नेक्स्ट का मॉक टेस्ट होगा या नहीं। एनएमसी ने एक संक्षिप्त सार्वजनिक सूचना में कहा, सभी छात्रों को यह सूचित किया जाता है कि नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) परीक्षा को 11 जुलाई 2023 तिथि को मंत्रालय की सलाह पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। एम्स, दिल्ली को मॉक टेस्ट आयोजित कराने का काम सौंपा गया था।

एनएमसी ने हाल ही में नेक्स्ट नियमावली 2023 जारी की थी, जिसमें परीक्षा को साल में दो बार नेक्स्ट स्टेप। और नेक्स्ट स्टेप 2 के अंतर्गत दो चरणों में आयोजित कराए जाने की जानकारी दी गई थी।

एक राजपत्रित अधिसूचना में एनएमसी ने कहा कि नेक्स्ट, भारत में आधुनिक चिकित्सा की प्रैक्टिस के लिए पंजीकरण कराने वाले चिकित्सीय स्नातक की पात्रता को प्रमाणन करने का आधार होगा और एक लाइसेंस परीक्षा के रूप में कार्य करेगा। एनएमसी ने कहा कि नेक्स्ट की परीक्षा, व्यापक चिकित्सा विशिष्टताओं के साथ देश में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए प्रवेश की पात्रता और रैंकिंग निर्धारित करने का आधार भी बनेगी और पीजी चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक प्रवेश परीक्षा के रूप में काम करेगी।

क्विक न्यूज

तमिलनाडु में आएसएस की प्रचारक बैठक में भाग लेते संघ प्रमुख मोहन भागवत व उप सरसंघचालक दत्तात्रेय हॉसबोले

चीनी ऋण ऐप के एजेंट से परेशान छात्र ने की आत्महत्या

बेंगलुरु। कर्नाटक में ऋण देने वाले एक चीनी ऐप के कुछ एजेंट द्वारा ऋण चुकाने को लेकर परेशान किए जाने और अंतरंग तस्वीरें सार्वजनिक करने की धमकी दिए जाने के बाद इंजीनियरिंग कॉलेज के एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक तेजस (22) ने मंगलवार को जलाहल्ली स्थित अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तेजस के परिवार के सदस्यों ने कहा कि उसने अपने दोस्त के लिए पैसे उधार लिए थे और उसे ऋण की किश्त का भुगतान करना था, लेकिन उसने नही किया। ऐसा आरोप है कि ऐप के ऋण वसूली एजेंट तेजस के घर पहुंचे और उसे धमकी दी। वे धमकी भरे कॉल भी कर रहे थे। तीन दिन पहले तेजस के पिता गोपीनाथ ने बकाया चुकाने के लिए समय मांगा था, लेकिन ऋण देने वाले नही माने। इसके बाद तेजस ने परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

मुझे नजरबंद कर दिया गया है: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि 1931 में आज के ही दिन डोगरा शासक की सेना के हाथो मारे गए 22 कश्मीरी लोगो को श्रद्धांजलि देने से रोकने के लिए उन्हे घर में नजरबंद कर दिया गया है। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हमारे इतिहास को विकृत करने या हमारे नायको को भूला देने नही देंगी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, आज शहीदो की कब्र पर जाने से रोकने के लिए मुझे घर में नजरबंद कर दिया गया है। यह ऐसे समय किया गया है जब भारत सरकार ने एससी (उच्चतम न्यायालय) में विश्वासघात-अनुच्छेद 370 के अवैध निरसन- को सही ठहराने के लिए स्थिति सामान्य हो जाने के अपने ऊंचे दावो का इस्तेमाल किया है। महबूबा ने तस्वीरें और वीडियो भी पोस्ट किए जिसमें शहर के बाहरी इलाके खिंबर में उनके आवास का मुख्य द्वार बाहर से बंद दिख रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा घृणा फैलाने एवं समाज में विभाजन पैदा करने वाले अपने नायको वीर सावरकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, गोलवलकर और गोडसे को हम पर नही थोप सकती है। हमारे लिए जिन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की जड़े जमाने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया, उनके साहसपूर्ण कार्य की हमेशा सराहना की जाएगी। महबूबा ने कहा, हम आपको हमारे इतिहास को विकृत करने या हमारे नायको को भूला देने की अनुमति नही देंगे। शहीद दिवस के मौके पर, मैं तानाशाहो के खिलाफ बहादुरी से लड़ने के लिए उनके साहस को सलाम करती हूं।

पॉक्सो का मकसद नाबालिगों को यौन शोषण से बचाना, न कि सहमति से बनाए गए संबंधों को अपराध मानना : अदालत

नई दिल्ली। यौन अपराधो से बच्चो का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के पीछे का उद्देश्य नाबालिगो को यौन शोषण से बचाना था न कि युवा वयस्कों के बीच सहमति से प्रेम संबंधो को अपराध बनाना। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए एक नाबालिग लड़की के अपहरण और यौन उत्पीड़न के आरोपी 25 वर्षीय व्यक्ति को जमानत दे दी। उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में महत्वपूर्ण गवाह लड़की ने अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन नही किया है और उसके बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि वह उस आदमी के साथ प्रेम संबंधो में थी। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कहा, इसमें कोई संदेह नही है कि पीड़ित नाबालिग है और एमएलसी (मेडिकल रिपोर्ट) यौन उत्पीड़न की आशंका से इनकार नही करती है, लेकिन अभियोजक की गवाही के आलोक में एमएलसी को क्या महत्व दिया जाना है, इस पर सुनवाई पूरी होने के बाद निचली अदालत निर्णय ले। उच्च न्यायालय ने कहा, इस अदालत ने...पाया कि पॉक्सो अधिनियम का उद्देश्य 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण से बचाना था। इसका उद्देश्य युवा वयस्कों के बीच सहमति से बने प्रेम संबंधो को अपराध बनाना कभी नही था। लड़की की मां ने 2022 में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी 15 वर्षीय बेटी को पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति ले गया है और वह वापस नही लौटी। पिछले 11 महीने से हिरासत में बंद व्यक्ति ने जमानत की मांग करते हुए कहा कि लड़की ने अपनी गवाही में अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन नही किया है, जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि दोनो में प्रेम संबंध थे। आरोपी के वकील ने कहा कि पीड़िता की गवाही से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि उसके माता-पिता घर पर उसके साथ अच्छा व्यवहार नही कर रहे थे और इसलिए उसने उसे अपने साथ ले जाने के लिए मना लिया। अभियोजक ने कहा कि चूंकि लड़की नाबालिग है ऐसे में भले ही वह अपनी इच्छा से युवक के साथ गई हो, ऐसी सहमति की कानून में कोई प्रासंगिकता नही है।

अमृतांजन सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांड का सम्मान

मुंबई। 130 साल के इतिहास वाली अग्रणी कंपनी अमृतांजन हेल्थकेयर को द इकोनॉमिक टाइम्स बेस्ट हेल्थकेयर ब्राण्ड्स इवेंट के छठे संस्करण में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांड सम्मान से सम्मानित किया गया। पिछले कुछ वर्षों में ईटी बेस्ट हेल्थकेयर ब्राण्ड्स ने उद्योग में नवीनतम प्रगति पर सार्थक चर्चा को बढ़ावा देने और हेल्थकेयर ब्रांडों को स्वीकार करने के लिए एक मंच के रूप में काम किया है, जिन्होंने इस क्षेत्र पर एक अमिट छाप छोड़ी है। कठोर चयन प्रक्रिया के बाद अमृतांजन हेल्थकेयर को 1,000 ब्रांडों में से चुना गया। यह मान्यता विशेष रूप से प्रतिष्ठित है क्योंकि केवल सीमित संख्या में ओवर द काउंटर ओटीसी ब्रांड ही मानदंडों को पूरा करने में कामयाब रहे हैं। अमृतांजन हेल्थकेयर, एक उद्देश्योन्मुखी और अभिनव संगठन, विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल श्रेणियों में विविधतापूर्ण उत्पाद पोर्टफोलियो प्रदान करता है। अमृतांजन हेल्थकेयर लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एस संभु प्रसाद ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांडों में से एक के रूप में पहचाने जाने पर हम बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

नई इनोवेंश के साथ उतरेगे

नई दिल्ली। अग्रणी ग्लोबल डिवाईसेज़ ब्रांड ओपो ने भारत में अपनी रेनो सीरीज़ में नई पेशकश दी है। ओप्पो के नए स्मार्टफोंस रेनो 10 5 जी और रेनो 10 5 जी में के टेक्नॉलॉजिकल इनोवेशंस जैसे बैटरीज़ के लिए बीएचई है। जो सालों तक चलती है, फास्ट चार्जिंग के लिए सुपावोक है, और डाईनैमिक कंप्यूटिंग इंजन है। जो बैकग्राउंड में 40 से ज्यादा ऐप्स सुगमता से चला सकता है। इसका का मूल्य 54,999 व 39,999 है। दमयंत सिंह खनोरिया चीफ मार्केटिंग ऑफिसर ओप्पो इंडिया ने कहा कि टेक्नॉलॉजिकल प्रगति की सीमाएं बढ़ा रहा है, और खुद को इस उद्योग में अग्रणी इनोवेटर के रूप में स्थापित कर रहा है।

हथिनीकुंड बैराज में अतिरिक्त पानी रखने से हो सकता है बहुत बड़ा नुकसान : हरियाणा के मंत्री

भाषा। यमुनानगर (हरियाणा)

हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने को लेकर आरोप-प्रत्यारोप के बीच हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैराज से अतिरिक्त पानी नहीं छोड़ने से बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था।

मंत्री ने कहा, जब बाढ़ आ जाए या भारी वर्षा हो जाए और हम बैराज से अतिरिक्त पानी नहीं छोड़े तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है जैसा कि पिछले कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश और हमारे राज्य में भी में देखा गया है। पानी छोड़ने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। यदि हम पानी रोक लेते हैं तो स्थिति विध्वंसकारी होगी।

पाल ने कहा कि हथिनीकुंड में जलाशय की भांति बहुत बड़ी मात्रा में पानी को भंडारित करने की प्रणाली नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि मान्य सीमा के बाद बैराज में पानी रखा जाता है तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। एक दिन पहले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया था, यदि संभव हो तो हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से सीमित रफ्तार से पानी छोड़ा जाए। उन्होंने इस बात की ओर भी इशारा किया कि दिल्ली कुछ सप्ताहों के अंदर जी 20 सम्मेलन की मेजबानी करने वाली है। मूसलाधार बारिश से दिल्ली में उफनती यमुना में बृहस्पतिवार को जलस्तर 208.48 मीटर तक पहुंच गया तथा आसपास की सड़कों, सरकारी एवं गैर सरकारी ढांचों भवनों में पानी घुस गया एवं नदी के समीप रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा हैं

हर घंटे बिगड़ रही स्थिति के मद्देनजर केजरीवाल ने केंद्र से हस्तक्षेप करने की अपील की तथा दिल्ली पुलिस ने बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में धारा 144 लगा दी ताकि चार या उससे अधिक लोग इकट्ठा न हों।

इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि बृहस्पतिवार पूर्वाह्न 10 बजे यमुनानगर में हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से जलप्रवाह 1.62 लाख क्यूसेक था जो मंगलवार सुबह के जलप्रवाह से काफी कम है। मंगलवार को यह करीब 3.21 लाख क्यूसेक था।

बैराज के तकनीकी पहलू को स्पष्ट करते हुए हथिनीकुंड बैराज के अधीक्षण अभियंता रवि मित्तल ने कहा, बांध और बैराज में मुख्य अंतर यह है कि बांध में पानी का भंडारण किया जा सकता है लेकिन बैराज में उसे नहीं रोका जा सकता। यह एक प्रकार से मार्ग परिवर्तन भर है जहां हमारे पास सीमित नियंत्रण होता है।

उन्होंने कहा, बैराज में जलाशय नहीं होता है और हमारे पास यहां पानी को रोककर रखने की कोई प्रणाली नहीं है। यदि बैराज में कुछ हजार क्यूसेक पानी है तो भी उसे यमुना नदी में छोड़ना होता है। हिमाचल प्रदेश में हाल की भारी वर्षा के बाद हमने हजारों क्यूसेक पानी बहते देखा।

विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त बनाएगा मशीन टूल एक्सपो 2023

नई दिल्ली। इंडियन मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित दिल्ली मशीन टूल एक्सपो डीएमटीएक्स 2023 का चौथा संस्करण 24 से 27 अगस्त 2023 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होने जा रहा है। डीएमटीएक्स 2023 में 250 से अधिक प्रदर्शक शामिल होंगे, जो लगभग 12,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में आयोजित होने जा रही इस प्रदर्शनी में धातु काटने, धातु निर्माण, धातु विज्ञान,उच्च परिशुद्धता मशीन टूल्स एवं प्रौद्योगिकी और समाधान में नवीनतम तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय और विदेशी प्रदर्शकों को मिलाकर 15,000 से अधिक आगंतुकों के जुड़ने की उम्मीद हैए जो एक्सपो में भाग लेने आयेंगें। आईएमटीएमए के अध्यक्षए रवि राघवन ने कहा कि 2017 में प्रगति मैदान में आयोजित हुए इस शो के पिछले संस्करण को विनिर्माण उद्योग से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी और शो में भाग लेने वाले मशीन टूल निर्माता अपनी पहुंच का विस्तार करने में सक्षम थे। मेरा दृढ़ विश्वास है कि डीएमटीएक्स 2023 उन्हें अपनी पिछली सफलता को आगे बढ़ाने और भारत के उत्तरी क्षेत्र में कई और नए उद्योगों तक पहुंचने में अवश्य मदद करेगा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दिनेश कुमार सिंह को केरल उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के तीन न्यायाधीशों की मनपसंद नियुक्ति संबंधी उनके अभ्यावेदन के बावजूद बुधवार को उनके स्थानांतरण की अपनी सिफारिशों को दोहराने का संकल्प लिया।

कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश गौरांग कांत को कलकत्ता उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश की। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम में न्यायमूर्ति एस के कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी शामिल हैं। न्यायमूर्ति कांत ने सात जुलाई, 2023 को एक अभ्यावेदन देकर मध्य प्रदेश या राजस्थान उच्च न्यायालय, या किसी पड़ोसी राज्य की अदालत में स्थानांतरण का अनुरोध किया था। एक अन्य फैसले में, कॉलेजियम ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दिनेश कुमार सिंह को केरल उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की अपनी सिफारिश दोहराई। न्यायमूर्ति सिंह ने 11 जुलाई, 2023 को एक अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था और दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश या राजस्थान जैसे नजदीकी राज्यों में स्थानांतरण के लिए अनुरोध किया था।

तीसरे फैसले में, कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मनोज बजाज को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की अपनी सिफारिश दोहराने का संकल्प लिया।

बहुविवाह पर तत्काल रोक लगाना चाहते हैं : हिमंत

- कहा, असम सरकार समान नागरिक संहिता की समर्थक

भाषा। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया है कि वह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के समर्थन में है और राज्य में तत्काल बहुविवाह पर रोक लगाना चाहती है।

शर्मा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा कि यूसीसी ऐसा विषय है जिस पर निर्णय संसद करेगी, लेकिन राष्ट्रपति की मंजूरी से राज्य भी इस पर फैसला कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, यूसीसी में अनेक मुद्दे हैं और विधि आयोग तथा संसदीय समिति इसे देख रही हैं। असम सरकार पहले ही बता चुकी है कि वह इसके समर्थन में है।

उन्होंने कहा कि जब तक यूसीसी पर निर्णय लंबित है, हम इसके एक पहलू -बहुविवाह को लेना चाहते हैं और इस पर तत्काल प्रतिबंध लागू करना चाहते हैं।

शर्मा ने कहा, हम इस पर रोक के लिए सितंबर में अगले विधानसभा सत्र में एक विधेयक लाने की योजना बना रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शर्मा ने कहा कि यदि राज्य सरकार किसी कारण से विधेयक नहीं ला पाई तो जनवरी में आहूत विधानसभा सत्र में इसे लाया जाएगा।

उन्होंने कहा, इस बीच यदि यूसीसी को लागू कर दिया जाता है तो हमें यह कवायद नहीं करनी पड़ेगी।

यूसीसी पर कांग्रेस के विरोध पर मुख्यमंत्री ने कहा, समस्या यह है कि कांग्रेस नेता मुस्लिम महिलाओं की पीड़ा नहीं समझते। वे वोट ले लेते हैं लेकिन वापस कुछ नहीं देना चाहते।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं दोनों के वोट चाहती है लेकिन वह केवल पुरुषों का भला चाहती है।

उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस ने तीन तलाक समाप्त करने का विरोध किया था और अब यूसीसी का विरोध कर रही है, अत: एक तरह से पार्टी मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ जंग छेड़ रही है।

पंचायत चुनाव में टीएमसी की भारी जीत

- भाजपा ने मतगणना केंद्रों में लूट का आरोप लगाया

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में संपन्न हुए पंचायत चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की भारी जीत के बाद सतारूढ़ टीएमसी और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। इसके साथ ही बृहस्पतिवार को राज्य में कई स्थानों पर हिंसा भी हुई।

टीएमसी ने त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली में सभी 20 जिला परिषद के साथ साथ कुल 928 सीटों में से 880 पर जीत हासिल की, जबकि प्रतिद्वंद्वी पार्टी भाजपा ने 31 सीटें जीतीं। वहीं, कांग्रेस- वाम मोर्चा गठबंधन ने 15 और अन्य ने दो सीट अपने नाम कीं।

ग्राम पंचायत की कुल 63,219 सीटों में से 35,000 पर टीएमसी ने जीत दर्ज की। भाजपा ने करीब 10,000, जबकि कांग्रेस-वाम मोर्चा गठबंधन ने 6000 सीटें जीतीं।

एक अधिकारी ने बताया कि वोटों की गिनती तो मंगलवार को शुरू कर दी गई थी, लेकिन राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) की ओर से सीटों का अंतिम परिणाम अभी तक जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान मतपत्रों के जरिए हुआ था इसीलिए जिलों से आंकड़ा संकलित करना पड़ रहा है। एसईसी के एक अधिकारी ने कहा, परिणाम जिला अधिकारियों द्वारा प्रमाणित किए जाने हैं, इसलिए इसमें कुछ समय लग रहा है। उम्मीद है कि अंतिम आंकड़ा शाम तक सामने आ जाएगा। विपक्षी पार्टी भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने ट्विटर पर कुछ वीडियो साझा करते हुए मतगणना प्रक्रिया में धांधली आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, मतगणना केंद्रों पर पूरे तंत्र ने विपक्ष दर किनार कर दिया और विपक्ष पर दबाव बनाया। उन्होंने दावा कि मतदान के दिन लोगों ने हिंसा का विरोध किया और अपने केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया, लेकिन मतगणना के दिन वो ऐसा नहीं कर सके क्योंकि प्रशासन लूट के लिए तैयार था। टीएमसी के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने पलटवार करते हुए कहा कि एक तरफ अधिकारी के गृह जिले पुरबा मेदिनीपुर में भाजपा ने तबाही मचाई गई दूसरी ओर वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पर उपदेश दे रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए तत्काल पंजीकरण बहाल

जम्मू। अमरनाथ यात्रा तीन दिन निलंबित रहने के बाद बहाल होने के अगले दिन तत्काल पंजीकरण भी पुन: शुरु हुआ और स्पॉट बुकिंग काउंटर पर बड़ी संख्या में लोग पवित्र गुफा की यात्रा के वास्ते पंजीकरण के लिए पहुंचे।

यात्रा के लिए तत्काल पंजीकरण बुधवार को बहाल किया गया। उससे पहले अमरनाथ यात्रा को शनिवार से सोमवार तक निलंबित कर दिया गया था। इसकी वजह खराब मौसम तथा जम्मू -श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को रामबन में मरम्मत कार्य हेतु बंद किया जाना था। गर्मी और उमस भरे मौसम में महिलाओं समेत श्रद्धालु पंजीकरण टोकन प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए आए महाराष्ट्र के कपिल देव पांडे ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम पंजीकरण के लिए सुबह से ही लंबी कतारों में इंतजार कर रहे हैं। पहले हम टोकन लेंगे और फिर स्वास्थ्य जांच कराएंगे। उसके बाद हम पंजीकरण प्रक्रिया में आगे बढ़ सकते हैं।

लाठी के दम पर बिहार नहीं चलेगा:अश्विनी चौबे

पायनियर समाचार सेवा। पटना

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार लाठी के दम पर नहीं चलेगा। चाचा-भतीजा की जोड़ी की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

चौबे ने एक बयान में बिहार भाजपा के विधानसभा मार्च पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि चाचा-भतीजा की जोड़ी ये जान ले, बिहार संपूर्ण क्रांति की भूमि रही है, अंहकारी और दम्भी सरकार को नहीं चलने दिया था। इस महागठबंधन सरकार को भी उखाड़ फेंकने का काम करेगी।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि महागठबंधन सरकार ने पूर्वनियोजित तरीके से पानी, आंसू गैस और लाठी के द्वारा मार्च में आई जनता व पार्टी कार्यकर्ताओं को पीटना शुरू किया।

एक शांतिपूर्ण मार्च पर इस प्रकार लाठी बरसाना सरेआम गलत है और नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के इस गुंडाराज को आज बिहार की जनता भुगत रही है। जब इसके विरोध में लोग सड़क पर उतरे तो, जयप्रकाश नारायण से लोकतंत्र की सीख लेने वाले नीतीश कुमार उसी लोकतंत्र के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

पटना में पुलिस कार्रवाई में जख्मी कार्यकर्ता से बात करते केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे

केंद्रीय मंत्री ने जहानाबाद से विधानसभा मार्च में आए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता विजय सिंह की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि हम विजय की कुर्बानी को बेकार नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा कि साजिश के तहत एंबुलेंस का इंतजाम नहीं किया गया, जिस वजह से घायलों को अस्पताल ले जाने में भारी परेशानी हुई है।

छत्तीसगढ़ के मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने इस्तीफा दिया, मरकाम होंगे नए मंत्री

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बृहस्पतिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके स्थान पर बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए मोहन मरकाम राज्य सरकार के नए मंत्री होंगे, जिन्हें शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।

टेकाम के मुताबिक उनसे इस्तीफा मांगा गया है और उन्होंने प्रक्रिया का पालन किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि मरकाम शुक्रवार को मंत्री पद की शपथ लेंगे।

टेकाम ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, मंत्रिमंडल में किसी को रखना और किसी को नहीं रखना यह मुख्यमंत्री के विवेकाधिकार पर निर्भर करता है। मुझे कहा गया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का निर्देश है कि आपको इस्तीफा देना है। मैने प्रक्रिया का पालन किया है।

उन्होंने कहा, संगठन और मंत्रिमंडल में फेरबदल चलते रहता है। यह संगठन और पार्टी की प्रक्रिया है। चुनाव में काम करना है। पार्टी का जो निर्देश होगा उसमें काम करना है।

जब उनसे पूछा गया कि पार्टी इस बार उनकी टिकट भी काट सकती है तब उन्होंने कहा, किसे टिकट मिलेगा, किसका कटेगा यह अलग बात है लेकिन पार्टी हित में काम करना है।

टेकाम के इस्तीफे को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है, प्रेमसाय सिंह टेकाम जी का इस्तीफा स्वीकृत किया गया है। मोहन मरकाम जी कल शपथ लेंगे। राजभवन को पत्र भेज दिया गया है, जैसे ही वहां से समय निर्धारित होगा उसके हिसाब से शपथ ग्रहण होगा। प्रदेश के वरिष्ठ आदिवासी नेता टेकाम (69) राज्य के सरगुजा इलाके अंतर्गत प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और वह प्रतापपुर अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है।

पहले ही मैच में जायसवाल ने बढ़ाया यश

● भारत ने पहली पारी में विंडीज पर ली बढ़त

भाषा। रोसेय

पदार्पण कर रहे सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रोहित शर्मा के उम्दा खेल से भारत ने पहली पारी मे बढ़त बना ली है। खबर लिखे जाने तक टीम इंडिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 81 ओवर में 245 रन बना लिए थे। रोहित ने 103 व गिल ने 6 रन बनाए। यश 116 व विराट 4 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले रोहित व यश ने नाबाद अर्धशतक जड़े जिससे भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां लंच तक पहली पारी में बिना विकेट खोए 146 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा।लंच के समय रोहित 68 जबकि जायसवाल 62 रन बनाकर खेल रहे थे। रोहित ने अपने 15वें अर्धशतक के दौरान अब तक 163 गेंद का सामना करते हुए छह चौके और दो छक्के मारे हैं। जायसवाल अब तक 167 गेंद का सामना कर चुके हैं और उन्होंने सात चौके मारे हैं।भारत अब वेस्टइंडीज के पहली पारी में 150 रन के स्कोर से सिर्फ चार रन पीछे है। विंडसर पार्क की पिच और धीमी हो गई है और अधिक गेंद रुककर बल्ले पर आ रही हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने सुबह के सत्र में कोई गैरजरूरी जोखिम नहीं उठाया। टीम ने इस दौरान कोई विकेट नहीं गंवाया लेकिन रन भी सिर्फ 66 ही बनाए। ऑफ स्पिनर राहकीम कोर्नवाल (बिना विकेट के 22 रन) और बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन (बिना विकेट के 34 रन) ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर बल्लेबाजी करने का मौका नहीं दिया लेकिन विकेट चटकाने में नाकाम रहे।पिच से गेंद के धीमे आने के कारण भारत के सलामी बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी करने में कोई परेशानी नहीं हुई।दिन की शुरुआत 40 रन से करने वाले जायसवाल ने सुबह के सत्र में अपने पहले चौके के साथ अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ पर पुल शॉट से चार रन बटोरे। सुबह के सत्र का सर्वश्रेष्ठ शॉट रोहित के बल्ले से निकला जिन्होंने जोसेफ पर मिड विकेट पर के ऊपर से छक्का जड़ा। उन्होंने वारिकन पर स्क्वायर कट से चौका जड़ने के बाद उनकी फुलटॉस को भी बाउंड्री के दर्शन कराए।

टेस्ट में पिता और पुत्र को आउट करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने अश्विन

रोसीयू। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के शुरुआती दिन तेगनारायण चंद्रपॉल को आउट कर अपने शानदार टेस्ट करियर में पिता और पुत्र दोनों के विकेट लेने का दुर्लभ गौरव हासिल किया।अश्विन ने इस दौरान टेस्ट पारी मे 33वी बार पांच विकेट लिए और उन्होने इस दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट क्रिकेट (टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में मिला कर) में 700 विकेट पूरे किए। वह अनिल कुंबले (956) और हरभजन सिंह (711) के बाद इस उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे भारतीय गेदबाज है। अश्विन ने 2011 मे नई दिल्ली मे टेस्ट क्रिकेट मे पदार्पण किया था। उन्होंने इस मैच में तेगनारायण के पिता शिवनारायण चंद्रपॉल को आउट किया था। बारह साल पहले हुए उस टेस्ट मैच की दूसरी पारी में अश्विन ने सीनियर चंद्रपॉल को पगबाधा किया था। इस मैच से पहले टेस्ट मे 474 विकेट लेने वाले अश्विन ने बुधवार को युवा बल्लेबाज तेगनारायण को अपनी फिरकी में फंसा कर बोल्ड किया। इस कारनामे के बाद वह अपने करियर के दौरान पिता और पुत्र दोनो को आउट करने वाले विश्व क्रिकेट के केवल पांचवे गेंदबाज बन गए।इस सूची मे शामिल पांच गेंदबाजो में से तीन ने शिवनारायण और तेगनारायण चंद्रपॉल को आउट किया है। अश्विन से पहले पिता - पुत्र की इस जोड़ी को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने आउट किया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले अन्य दो गेंदबाज इंग्लैंड के ऑलराउंडर इयान बॉथम और पाकिस्तान के दिग्गज वसीम अक्रम है।इन दोनों दिग्गजों ने न्यूजीलैंड के पिता पुत्र की जोड़ी लांस और क्रिस केर्न्स को आउट किया था।अश्विन ने दिन के दूसरे सत्र में अल्जारी जोसेफ (चार) को आउट कर अंतरराष्ट्रीय में अपने विकेटों की संख्या को 700 तक पहुंचाया। इस ऑफ स्पिनर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 271 मैच और 351 पारी में 702 विकेट हो गए है जिसमे से उन्होने अब तक 479 विकेट टेस्ट में चटकाए है।

स्कोरबोर्ड

वेस्टइंडीज पारी: क्रेग का रोहित बो अश्विन 20, चंद्रपॉल बो अश्विन 12रेमोन का किशन बो शारदुल 02, ब्लैक्वुड का सिराज बो जडेजा 14,अथानेज का शारदुल बो अश्विन 47, डासिल्वाका किशन बो जडेजा 02,होल्डर का शारदुल बो सिराज 18,जोसेफ का उनादकट बो अश्विन 04,कॉर्नवालनाबाद 19, रोच पगबाधा जडेजा 01, वारिकन का गिल बो अश्विन 01,**अतिरिक्त:** (बाई: 02, लेग बाई: 05, नोबॉल: 02, वाइड: 01) 10, कुल योग : (64.3 ओवर मे सभी आउट) 150,**विकेट पतन:** 1-31, 2-38, 3-47, 4-68 , 5-76, 6-117, 7-124, 8-129, 9-147,**गेंदबाजी:** सिराज 12-2-25-1,उनादकट 7-2-17-0,अश्विन 24.3-6-60-5,ठाकुर 7-3-15-1,जडेजा 14-7-26-3

निरंतर उत्कृष्टता हासिल करने के प्रयास काफी थकाऊ रहे : अश्विन

रोसीयू (डॉमिनिका)। भारतीय टीम के स्टार ऑफ स्पिनर आर अश्विन का कहना है कि लगातार बेहतर करने की ललक ने उन्हे नई ऊंचाईयो तक पहुंचाया है लेकिन यह सफर उनके लिए काफी थकाने वाला रहा है। अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को दो मैचो की श्रृंखला के पहले टेस्ट के शुरुआती दिन 60 रन देकर पांच विकेट झटके जिसकी बदौलत भारत ने मेजबान टीम को पहली पारी में महज 150 रन पर समेट दिया। अश्विन ने इस दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मे मिला कर) मे 700 विकेट पूरे किए। वह अनिल कुंबले (956) और हरभजन सिंह (711) के बाद इस उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद अश्विन से जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की लंबी यात्रा और इस दौरान हुए उतार चढ़ाव के बारे मे पूछा गया तो उन्होने कहा, इस दुनिया मे कोई भी क्रिकेटर या इंसान ऐसा नही है जो इस तरह के उतार चढ़ाव से नही गुजरा हो। जब आप असफलता के दौर से गुजरते हो तो आपके पास दो विकल्प होते है, या तो उदास हो जाओ, इसके बारे मे बात करो और फिर शिकायत करते हुए निराश हो जाओ। या फिर इससे सीख हासिल करो। इसलिए मै ऐसा व्यक्ति हू जो लगातार इन चीजो से सीख लेता रहता है। बल्कि आज (अपने अच्छे प्रदर्शन पर) मै अपने अच्छे दिन पर सबसे अच्छी चीज यही करूंगा कि मै अच्छा खाना खाऊंगा, अच्छी बातें करूंगा, अपने परिवार से बात करूंगा, बिस्तर पर जाऊंगा और इन सबके बारे मे भूल जाऊंगा। जब आपका अच्छा दिन होता है तो आप जानते हो कि आपके लिए दिन अच्छा रहा लेकिन ऐसी भी चीजे होती है जिन पर आप काम कर सकते हो और कल इन्हें बेहतर कर सकते हो। उत्कृष्टता की लगातार खोज करने ने ही मुझे अच्छी लय मे बनाए रखा हुआ है, लेकिन यह काफी थकाने वाला भी रहा है। यह सफर इतना आसान भी नही रहा है। मेरे लिए यह यात्रा काफी थकाने वाली रही है लेकिन मै उन सभी असफलताओ का बहुत बहुत शुक्रगुजार हूं क्योंकि इनके बिना सफलता नही मिल पाती। हाल मे आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल मे उन्हे अंतिम एकादश मे नही रखा गया था, जिससे वह काफी निराश थे। उन्होने कहा, मैने इसके बारे मे बात की है। यह किसी भी क्रिकेटर के लिए काफी मुश्किल होता है जब आपके पास डब्ल्यूटीसी फाइनल मे खेलने का मौका हो लेकिन अंत मे बाहर बैठना पड़े। लेकिन अगर मै ड्रेसिंग रूम मे निराशा मे बैठा रहूं तो मुझमे और एक अन्य व्यक्ति मे क्या अंतर होगा।

आईसीसी बोर्ड बैठक: भारत को मिलेगी राजस्व में अधिकतम हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व क्रिकेट की वित्तीय ताकत के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को डरबन में अपनी बोर्ड बैठक मे राजस्व वितरण मॉडल को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। आईसीसी ने साथ ही विभिन्न लीग मे टीमो के लिए विदेशी क्रिकेटरो की सीमा तय कर दी है जिससे नई प्रतियोगिताओं में हर टीम अपनी एकादश में चार विदेशी खिलाड़ियो को ही खिला पाएंगी। यह मुख्य रूप से हर कोने मे शुरू होने वाली टी20 लीग के लिए है जो खेल के अंतरराष्ट्रीय प्रारूप के लिए खतरा पैदा कर रहा है। हालांकि आईसीसी मीडिया विज्ञप्ति मे यह नही बताया गया है कि बीसीसीआई को वितरण मॉडल से कितना राजस्व मिलेगा लेकिन उम्मीद है कि भारतीय बोर्ड अगले चार वर्षों में 60 करोड़ डॉलर में से सालाना 23 करोड़ डॉलर कमाएगा। यह कुल राजस्व लगभग 38.4 प्रतिशत है और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से कम से कम छह गुना अधिक है जिसे 6.89 प्रतिशत के हिसाब से चार करोड़ 10 लाख डॉलर और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को तीन करोड़ 75 लाख डॉलर (लगभग 6.25 प्रतिशत) मिलेंगे। वे सूची मे दूसरे और तीसरे स्थान पर है। आईसीसी की विज्ञप्ति मे कहा गया है, आईसीसी बोर्ड ने अगले चार वर्षों के लिए वितरण मॉडल पर सहमति के बाद खेल में अब तक के सबसे बड़े निवेश की भी पुष्टि की है। इसमे आगे कहा गया है, प्रत्एक आईसीसी सदस्य को आईसीसी वैश्विक विकास रणनीति के अनुरूप वैश्विक विकास पहल को चलाने के लिए एक रणनीतिक निवेश कोष के साथ बढ़ी हुई राशि प्राप्त होगी।

पुरुषों और महिलाओं के लिए समान पुरस्कार राशि की घोषणा की

डरबन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वेतन समानता लाने की क्वायद के तहत गुरुवार को अपनी वैश्विक प्रतियोगिताओं मे पुरुष और महिला टीमो के लिए समान पुरस्कार राशि की घोषणा की जिससे विश्व क्रिकेट मे नए युग की शुरुआत हुई। पिछले 50 ओवर के पुरुष विश्व कप में चैपियन इंग्लैंड को 40 लाख डॉलर जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 20 लाख डॉलर मिले थे। आईसीसी ने बयान मे कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आज आईसीसी प्रतियोगिताओं में पुरुष और महिला टीमों के लिए समान पुरस्कार राशि की घोषणा की। यह निर्णय दक्षिण अफ्रीका के डरबन में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन में लिया गया और यह सुनिश्चित करता है कि आईसीसी बोर्ड ने 2030 तक पुरस्कार राशि में समानता लाने की अपनी प्रतिबद्धता को समय से काफी पहले पूरा कर लिया है।

अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन किए बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने

श्रीनगर। शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने गुरुवार को यहां दक्षिण कश्मीर हिमालय मे स्थित अमरनाथ की पवित्र गुफा मे प्राकृतिक रूप से बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन किए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइना सोनमर्ग में एक रिजॉर्ट मे ठहरी है जो यात्रा के बालटाल बेस कैंप के रास्ते में पड़ता है। अधिकारियों ने कहा कि साइना ने अपनी मां ऊषा नेहवाल के साथ भगवान शिव की पवित्र गुफा के दर्शन किए। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक वीडियो में साइना ने कहा, हमने अमरनाथ जी के बहुत अच्छे से दर्शन किए। मै अपनी मां के साथ दर्शन करके बहुत खुशी महसूस कर रही हूं।

राष्ट्रीय जूनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप में यूपी को एक स्वर्ण सहित तीन पदक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने शिमोगा कर्नाटक में गत 7 से 9 जुलाई तक आयोजित 40वीं राष्ट्रीय जूनियर क्योरगी एवं 13वीं राष्ट्रीय जूनियर पूमसे ताइक्वांडो चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य पदक जीते। अनुज सिंह शौराट ने बालक क्योरगी के अंडर.73 किग्रा में स्वर्ण जीता। प्रणव ओझा ने बालक पूमसे में रजत पदक जीता। वहीं श्रेया शर्मा को बालिका क्योरगी के 68 किग्रा से अधिक भार वर्ग में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

एंथनी को भारतीय महिला टीम का कोच बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की तकनीकी समिति ने गोकुलम केरल एफसी को पिछले दो सत्र मे इंडियन वूमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) खिताब दिलाने वाले एंथनी एंड्रयूज को भारतीय महिला टीम का कोच बनाने की सिफारिश की है।एंड्रयूज भारत के उन युवा कोच मे शामिल है जिनके पास एएफसी ए लाइसेंस है। उनके कोच रहते हुए गोकुलम केरल ने 2020-21 और 2022-23 में आईडब्ल्यूएल का खिताब जीता था।अपने जमाने के दिग्गज फुटबॉलर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने एंड्रयूज को भारतीय महिला टीम का कोच बनाने की सिफारिश की है। थॉमस डेनर्बी के त्यागपत्र देने के बाद यह पद खाली पड़ा है।

क्वार्टर फाइनल में हरियाणा, एसएससीबी के मुक्केबाजों का दबदबा

ईटानगर। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के 10 जबकि हरियाणा के छह मुक्केबाजों ने गुरुवार को यहां जूनियर बालक राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के चौथे दिन सेमीफाइनल में जगह बनाई।एसएससीबी के देवांग ने 54 किग्रा वर्ग में सिक्किम के हरिदास सुंदास को सर्वसम्मत फैसले से हराया। वह सेमीफाइनल मे उत्तर प्रदेश के सुंदरम यादव से भिड़ेंगे। एसएससीबी के दिवाश कटारे ने 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल मे पंजाब के गगनदीप को 5-0 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में उनकी भिड़ंत स्थानीय खिलाड़ी अरूणाचल प्रदेश के लोमा रियांग से होगी।

अमेरिका को हराकर पनामा कोनकाकाफ गोल्ड कप के फाइनल में

सेन डिएगो। पनामा ने बुधवार रात पेनल्टी शूट आउट में अमेरिका को 5-4 से हराकर कोनकाकाफ गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। निर्धारित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद पनामा ने पेनल्टी शूट आउट में जीत दर्ज की।

भारतीय बल्लेबाजों ने फिर किया निराश

● महिला टी-20- बांग्लादेश की सांत्वना भरी जीत

भाषा। मीरपुर

भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ जूझना जारी रहा जिससे बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम गुरूवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट की सांत्वना भरी जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत ने हालांकि तीन मैचों की यह श्रृंखला 2–1 से अपने नाम की लेकिन उन्हें प्रदर्शन में सुधार करने के लिए काफी कुछ करना होगा। अब 16 जुलाई से दोनों टीम तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए आमने सामने होंगी। भारत का बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जिसने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट गंवाकर 102 रन बनाए। पिछले मैच में बांग्लादेश की टीम 96 रन के लक्ष्य का पीछा भी नहीं कर पाई थी लेकिन वह 18.1 ओवर में इस लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही। उसके लिए सलामी बल्लेबाज शमिमा सुल्ताना (46 गेंद में 42 रन) ने पारी संभाली और टीम इस मैच में सांत्वना भरी जीत हासिल कर पाई। भारतीय बल्लेबाजों के लिए स्पिन के लिए मददगार विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं रहा और खिलाड़ियों में धीमी गेंदबाजों को दबाव में लाने के लिए जरूरी आक्रामकता की कमी दिखी। कप्तान हरमनप्रीत कौर के अलावा कोई भी बल्लेबाज तीन मैचों में बाउंड्री नहीं लगा सकीं। ऑफ स्पिनर मीनू मणि (28 रन देकर दो विकेट) का प्रदर्शन हालांकि भारत के लिए सकारात्मक चीज रही। हालांकि जब नया मुख्य कोच टीम की जिम्मेदारी संभालेगा तो उन्हें अगले साल टीम के टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश लौटने के लिए काफी काम करना होगा।

स्कोरबोर्ड

भारत पारी : मंधाना का फहिमा खातून बो सुल्ताना खातून 01,वर्मा का शोर्ना अख्तर बो सुल्ताना खातून 11, रोड्रिग्स स्ट निगार सुल्ताना बो शोर्ना अख्तर 28,हरमनप्रीत स्ट निगार सुल्ताना बो फहीमा खातून 40,भाटिया पगबाध बो राबिया खान 12,अमनजोत रन आउट 02,वस्त्राकर बो नाहिदा अख्तर 02,दीप्ति का नाहिदा अख्तर बो राबिया खान 04,मणि बो राबिया खान 01, वैद्य नाबाद 01,**अतिरिक्त** : 00, **योग** : 20 ओवर मे नौ विकेट पर 102 रन,**विकेट पतन** :1-7, 2-20, 3-65, 4-91, 5-93, 6-96, 7-97, 8-101, 9-102,**गेंदबाजी** : अख्तर 3-0-15-0,सुल्ताना 4-0-17-2,नाहिदा 4-0-23-1,फहिमा 4-0-25-1,राबिया 4-0-16-3,शोर्ना 1-0-6-1।

बांग्लादेश पारी : रानी का मंधाना बो मणि 10,सुल्ताना रन आउट 42,दिलारा स्ट भाटिया बो मणि 01,सुल्ताना का भाटिया बो वैद्य 14,शोर्ना अख्तर का वस्त्राकर बो रोड्रिग्स 02,सुल्ताना खातून का मंधाना बो वैद्य 12,रितु मोनी नाबाद 07,नाहिदा अख्तर नाबाद 10,अतिरिक्त : 05,**कुल योग** : 18.2 ओवर मे छह विकेट पर 103 रन,**विकेट पतन** :1-12, 2-15, 3-62, 4-69, 5-85, 6-85,**गेंदबाजी** : दीप्ति 3.2-0-15-0,मणि 4-0-28-2, कनौजिया 4-0-31-0,वैद्य 4-0-16-2, वर्मा 1-0-4-0,जेमिमा 2-0-9-1।

सिंधू और लक्ष्य पहले दौर में जीते, साई प्रणीत हारे

भाषा। काउंसिल ब्लफस (अमेरिका)

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने यहां अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के क्रमश: महिला और पुरुष वर्ग के पहले दौर में जीत दर्ज की। सिंधू ने भारतीय मूल की अमेरिकी खिलाड़ी दीक्षा गुप्ता को महज 27 मिनट में 21–15, 21–12 से पराजित किया तो सेन ने फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 30 मिनट के अंदर 21–8, 21–16 से हरा दिया। पुरुष एकल के एक अन्य मैच में एस एस सुब्रमण्यम ने पहले दौर में आयरलैंड के प्रतिद्वंद्वी नहाट एनगुएन को 44 मिनट में 21–11, 21–16 से शिकस्त दी। बी साई प्रणीत को हालांकि दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लि शि फेंग से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे 14 मिनट तक चले मैच में चीन के दूसरे वरीय शि फेंग ने प्रणीत को 16–21, 21–14, 21–19 से हराया। एक अन्य महिला एकल मैच में भारत की 61वीं रैंकिंग की रूतविका शिवानी को हार मिली। मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैम्पियन पी कश्यप अपने दूसरे मैच में रिटायर्ड हो गए थे। उन्होंने पहले मैच में इंग्लैंड के रोहन मिधा को हराया था। कृष्णा प्रसाद गारागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सकी, उन्हें चीनी ताइपे के लिन यु चिए और सु लि वेई से सीधे गेम में 14–21, 14–21 से हार मिली।

तारा और रक्षिता आसान जीत के साथ अगले दौर में

नई दिल्ली। भारत के उभरते खिलाड़ियों तारा शाह और रक्षिता श्री ने इंडोनेशिया के योग्यकार्ता में बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में गुरुवार को अपने-अपने मैच आसानी से जीत कर अगले दौर में जगह बनाई। तारा ने अपने कौशल और आक्रमक खेल का शानदार नमूना पेश किया तथा शुरू से लेकर आखिर तक अपनी प्रतिद्वंद्वी जापान की मिकू कोहारा पर हावी रहकर 21-6, 21-17 से जीत हासिल की। अगले दौर में तारा का मुकाबला चीन की जू वेन जिंग से होगा।

जेब्यूर फाइनल में

भाषा। विंबलडन

● स्वितोलिना का सामना वोंद्रोसोवा

ओन्स जेब्युर ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए गुरुवार को यहां एरिना सबालेंका को हराकर लगातार दूसरी बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बनाई। ट्यूनीशिया की जेब्युर ने सेमीफाइनल में सबालेंका को 6–7 (5), 6–4, 6–3 से हराया। जेब्युर ने पिछले पांच ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में तीन बार फाइनल में जगह बनाई है। पच्चीस साल की यह खिलाड़ी पहले ही ग्रैंडस्लैम के फाइनल में जगह बनाने वाली अरब देशों और उत्तर अफ्रीका की पहली और एकमात्र महिला खिलाड़ी बन चुकी है।जेब्युर ने हालांकि अब तक अपने दोनों ग्रैंडस्लैम फाइनल गंवाए हैं। पिछले साल जुलाई में ऑल इंग्लैंड क्लब पर उन्हें एलेना रिबाकिना ने हराया था जबकि पिछले सालही सितंबर में अमेरिकी ओपन में वह इगा स्वियातेक से हार गईं थी।गुरुवार को छठी वरीय जेब्युर ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए अंतिम 13 गेम में से 10 जीतकर फाइनल में जगह बनाई।ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता सबालेंका ने इस हार के साथ स्वियातेक को पछाड़कर नंबर एक खिलाड़ी बनने का मौका भी गंवा दिया।

बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी विंबलडन से बाहर

विंबलडन। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन गुरुवार को यहां सेमीफाइनल में नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्क की शीर्ष वरीय जोड़ी से सीधे सेटों में हारकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल से बाहर हो गए। बोपन्ना और एबडेन की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को एक घंटे 26 मिनट तक चले मैच में 5–7, 4–6 हार का सामना करना पड़ा। बोपन्ना अभी 43 साल के हैं और वह ओपन युग में एकल, युगल और मिश्रित युगल में सबसे उम्रदराज ग्रैंडस्लैम चैंपियन बनने से चूक गए। बोपन्ना और 35 वर्षीय एबडेन ने क्वार्टर फाइनल में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर और बार्ट स्टीवंस को 6–7(3) 7–5 6–2 से हराया था। बोपन्ना इस साल के शुरू में सानिया मिर्जा के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंचे थे।

विद्वत के चार विकेट, दक्षिण क्षेत्र ने दबदबा बनाया

●दलीप ट्राफी फाइनल के दूसरे दिन पश्चिम क्षेत्र को झकझोरा

भाषा। बेंगलुरु

दक्षिण क्षेत्र के तेज गेंदबाजों ने गुरुवार को यहां दलीप ट्राफी फाइनल के दूसरे दिन पश्चिम क्षेत्र के स्टंप तक 129 रन के स्कोर पर सात विकेट झटककर पहले दिन टीम के खराब प्रदर्शन की भरपाई करने में मदद की। पश्चिम की टीम अब भी दक्षिण क्षेत्र से 84 रन से पिछड़ रही है। इससे पहले दक्षिण क्षेत्र की टीम पहली पारी में 213 रन पर सिमट गई थी जिसने सुबह सात विकेट पर 182 रन से खेलना शुरु किया था। पृथ्वी साव और हार्विक देसाई ने पश्चिम क्षेत्र को एक विकेट पर 97 रन के स्कोर तक पहुंचाया। साव ने अपनी 65 रन की पारी के दौरान कुछ शानदार शॉट लगाए। साव बड़ी पारी की ओर बढ़ रहे थे और साफ दिख रहा था कि दक्षिण के गेंदबाजों को दूसरे विकेट की साझेदारी तोड़ने के लिए कुछ विशेष करना होगा। और यह काम शायद 65 मिनट के बारिश के ब्रेक ने कर दिया जो दूसरे सत्र में आई। इससे दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने का समय भी मिल गया। ब्रेक के बाद मैदान पर उनके गेंदबाजों के बदले रवैए को स्पष्ट देखा जा सकता था। वी विजयकुमार ने साव और हार्विक देसाई (21 रन) को अपनी शॉर्ट पिच गेंदबाजी से परेशान किया। विद्वत कावेरप्पा ने हार्विक देसाई को आउट कर यह भागीदारी तोड़ी। वी विजयकुमार ने साव को अपर कट शॉट खेलने के लिए बाध्य किया और यह थर्ड मैन पर खड़े विद्वत कावेरप्पा के हाथों में समा गया। उन्होंने 101 गेंद की पारी के दौरान नौ बाउंड्री लगाई। सूर्यकुमार यादव ने अपने चिर परिचित टी20 क्रिकेट अंदाज में खेलना शुरू किया और इसी चक्कर में एक बार आउट होने से बचे। लेकिन जल्द ही उनकी पारी का अंत हो गया, मुंबई का यह बल्लेबाज विद्वत कावेरप्पा की गुडलेंथ गेंद पर हनुमा विहारी के हाथों कैच आउट हुआ। विद्वत कावेरप्पा ने जल्द ही सरफराज खान को पगबाधा आउट किया जो खाता भी नहीं खोल सके। इससे आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी और अब जिम्मेदारी चेतेश्वर पुजारा के कंधों पर थी लेकिन यह अनुभवी बल्लेबाज इस दफा इसे निभाने में असफल रहा। विद्वत कावेरप्पा की गेंद पर आर समर्थ के कैच ने पुजारा की पारी खत्म की।

कई महिला पहलवानों ने निष्पक्ष ट्रायल्स के लिए प्रधानमंत्री मोदी, आईओए और साई को पत्र लिखा

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चैंपियनशिप की पदक विजेताओं सहित कई महिला पहलवानों ने प्रदर्शन करने वाले छह पहलवानों को छूट दिए जाने की खबरों के बीच गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को चलाने वाले तदर्थ पैनल को पत्र लिखकर एशियाई खेलों के लिए निष्पक्ष ट्रायल्स कराने की मांग की।रोहतक के सर छोटूराम अखाड़े की 24 महिला पहलवानों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान को भी पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह दो चरण के ट्रायल या प्रदर्शनकारी पहलवानों को मिलने वाली छूट को स्वीकार नहीं करेंगे।

शुभम को 67 किग्रा का स्वर्ण पदक

भाषा। ग्रेटर नोएडा

भारतीय भारोत्तोलक शुभम टोडकर ने गुरुवार को यहां राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप के दूसरे दिन 61 किग्रा स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया लेकिन वह इस वजन वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक नहीं बने, यह बाजी हमवतन सिद्धांत गोगोई ने जूनियर वर्ग में मारी। शुभम आगामी विश्व चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं, उन्होंने 259 किग्रा (115 किग्रा ़ 144 किग्रा) का वजन उठाया जबकि सिद्धांत का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 260 किग्रा (112 किग्रा ़ 148 किग्रा) का रहा जिससे वह जूनियर चैम्पियन बने। सीनियर, जूनियर और युवा स्पर्धाएं यहां गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित की जा रही हैं। सिद्धांत ने शंकर लापुंग को पछाड़ा जिन्होंने 249 किग्रा का वजन उठाया। वहीं 35 वर्षीय राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता वाईपावा नेवो लोआने 67 किग्रा वजन वर्ग के चैम्पियन रहे। समोआ के इस भारोत्तोलक ने 280 किग्रा (120 किग्रा ़ 160 किग्रा) का वजन उठाया। वह भारत के रजत पदक विजेता टीम माधवन से आगे रहे जिन्होंने 268 किग्रा (125 किग्रा ़ 143 किग्रा) भार उठाया। महिलाओं की 59 किग्रा स्पर्धा में भारत की पोपी हजारिका ने अपने पिछले चरण के रजत पदक को स्वर्ण पदक में तब्दील किया। उन्होंने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 105 किग्रा के भार से कुल 189 किग्रा का वजन उठाया। माल्टा की टेनिशिया थोर्टन ने 186 किग्रा के प्रयास से रजत पदक जीता जबकि दक्षिण अफ्रीका की एनेके स्पाइस ने 185 किग्रा के वजन से कांस्य पदक अपने नाम किया।

निगाहें अच्छे प्रदर्शन पर

ग्रेटर नोएडा। अंतरराष्ट्रीय स्तर की दो सीनियर प्रतियोगिताओ मे निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय भारोत्तोलक शुभम टोडकर की निगाहें इस साल के आखिर मे सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व चैपियनशिप मे अच्छे प्रदर्शन पर टिकी है।महाराष्ट्र का रहने वाला यह 26 वर्षीय राष्ट्रीय चैपियन घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करता रहा है लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह प्रभाव छोड़ने मे नाकाम रहा। शुभम ने मई मे एशियाई चैपियनशिप मे हिस्सा लिया था जहां वह दसवे स्थान पर रहे थे।

विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय अभियान की अगुआई करेंगी मीराबाई

ग्रेटर नोएडा। स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू सितंबर में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। दो बार की पदक विजेता चानू (49 किग्रा) के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा) भी इस विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टोडकर को छोड़कर यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी। मई में एशियाई चैम्पियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी। चानू और बिंदियारानी इस समय पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग कोच बने डा आरोन होर्शिग के मार्गदर्शन में 65 दिन के शिविर के लिए अमेरिका में हैं।

दूसरे दिन भारत में तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते

भाषा। बैंकॉक

● एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भारत ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन गुरुवार को तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते जिसमें ज्योति याराजी का महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ और अजय कुमार सरोज का पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ का खिताब भी शामिल है।राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता अब्दुल्ला अबूबकर ने पुरुषों की त्रिकूद में भारत को दिन का तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया।

भारतीय खिलाड़ियों ने गुरुवार को प्रभावशाली प्रदर्शन किया तथा दांव पर लगे 10 स्वर्ण पदकों में से तीन स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा ऐश्वर्या मिश्रा (53.07 सेकेंड) ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में जबकि तेजस्विन शंकर (7527 अंक) ने पुरुषों की डेकाथलॉन में कांस्य पदक जीता।ऐश्वर्या और तेजस्विन दोनों का यह इन स्पर्धाओं में सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला पदक भी है। वे पहली बार इन स्पर्धाओं में किसी सीनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। तेजस्विन ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता था लेकिन इसके बाद उन्होंने पिछले साल डेकाथलॉन को अपना लिया था।तेईस वर्षीय ज्योति ने प्रतियोगिता में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका पहला स्वर्ण पदक भी है। उन्होंने फाइनल में 13.09 सेकंड का समय लेकर जापान की दो धाविकाओं टेराडा असुका (13.13 सेकेंड) और आओकी मासुमी (13.26 सेकेंड) को पीछे छोड़ा। ज्योति ने बाद में कहा, मैं बहुत अच्छी स्थिति में थी।